



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 49] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 9, 1978 (अग्रहायण 18, 1900)

No. 49] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 9, 1978 (AGRAHAYANA 18, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न दो जाती हैं जिससे कि यह असम संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीकाक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 3 नवम्बर 1978

सं. ए० 12019/1/78-प्र०-II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा इस कार्यालय के स्थाई अनुसंधान सहायक (हिन्दी) श्रीमती मुधा भागवत तथा श्री चन्द किरण को कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (हिन्दी) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थे आधार पर 2-11-1978 से 31-12-1978 तक की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 8 नवम्बर 1978

सं. ए० 12026/1/78-प्र०-II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा स्थाई स्वागती तथा स्थानापन्न स्वागत पर्यवेक्षक श्री एस० एल० छोपड़ा को स्वागत अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थे आधार पर कार्य करने के लिये 6-11-1978 से 31-12-1978 तक की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

एस० बालचन्द्रन
अवर सचिव
कृते सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1978

सं. पी०/1044/प्रशा०-I—भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् में उपमहानिदेशक (प्रशासन) के पद पर विवेश सेवा शर्तों के अधीन नियुक्त हेतु चयन हो जाने के परिणामस्वरूप केन्द्रीय सचिवालय सेवा ग्रेड—I के अधिकारी श्री पी० एन० मुखर्जी को संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 1-11-78 पूर्वाह्न से कार्यभार मुक्त कर दिया है।

सं. पी०/1369-प्रशा०-I—केन्द्रीय सचिवालय सेवा ग्रेड—I के अधिकारी श्री आर० आर० शिमरे को संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 1-11-78 (पूर्वाह्न) से उनके प्रतिनियुक्ति की शर्तों पर, मणिपुर सरकार में संयुक्त सचिव के पद पर नियुक्त हो जाने के परिणामस्वरूप, कार्यभार मुक्त कर दिया गया है।

सं. पी०/1822-प्रशा०-I—राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान के भूतपूर्व सह-प्रोफेसर तथा संघ लोक सेवा आयोग में स्थानापन्न उप-सचिव, डा० एन० प्रसाद की सेवाएं 1-11-78 (श्रवण) से राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान को पुनः सौंपी जाती हैं।

दिनांक 3 नवम्बर 1978

सं० ए० 19014/7/78—प्रशा०—I—भारतीय अर्थ सेवा के अधिकारी श्री ए० एम० मंडल को राष्ट्रपति द्वारा 16 अक्टूबर, 1978 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेश तक, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 13 नवम्बर 1978

सं० ए० 32011/1/77—प्रशा०—I—इस कार्यालय अधिसूचना संख्या ए० 32014/1/77—प्रशा०— दिनांक 31—5—77 में आंशिक संशोधन करते हुए तथा इस कार्यालय की समसंद्यक अधिसूचना दिनांक 20—7—77, 29—9—77, 2—12—77, 13—3—78, 8—6—78 और 11—9—78 का प्रतिक्रियण करते हुए के० स० स्टै० से० ग्रेड ग के स्थाई वैयक्तिक सहायक तथा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्टेनोग्राफर ग्रेड ग के वयन ग्रेड में स्थानापन रूप से कार्यरत श्री के० सुन्दरम को राष्ट्रपति द्वारा 20—6—77 से या अगले आदेशों तक के० स० स्टै० से० ग्रेड ख के अरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के अस्थायी पद पर नियमित रूप से नियुक्त किया जाता है।

एस० बालचन्द्रन
अवर सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 21 नवम्बर 1978

सं० 87 आर० सी० टी० 28—आयोग अधिसूचना सं० 87 आर० सी० टी० 28, दिनांक 4—11—78 को रद्द करते हुए केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एसद्वारा श्री एच० एस० राठौर, केन्द्रीय सतर्कता आयोग के स्थाई सहायक, को इस आयोग में 26—10—78 से 23—1—1979 तक अथवा अप्रिम आदेश तक, जो भी पहले हो, स्थानापन रूप से अनुभाग अधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्री निवास
अवर सचिव

कृते केन्द्रीय सहकर्ता आयुक्त

गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० स० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० एस० 157/67—प्रशा०—5—प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त हो जाने पर, दिल्ली पुलिस के अधिकारी श्री सुरजीत सिंह, पुलिस उप-अधीक्षक की सेवाएं दिनांक 1—11—78 के पूर्वाह्न से दिल्ली प्रशासन की वापस सौंपी जाती हैं।

दिनांक 17 नवम्बर 1978

सं० ए० 9/65—प्रशा०—5—निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, श्री ए० सी० दास, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो दिनांक 31—10—1978, के अपराह्न में सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

दिनांक 18 नवम्बर 1978

सं० ए० 19035/1/78—प्रशा०—5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एसद्वारा, श्री जगत सिंह, अपराध सहायक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 30—10—78 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में तदर्थे आधार पर स्थानापन कार्यालय अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 नवम्बर 1978

सं० ए० 19036/33/78—प्रशा०—5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना अपने प्रसाद से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के स्थाई निरीक्षक श्री बी० एन० मिश्रा को दिनांक 23—10—78 के पूर्वाह्न से तदर्थे आधार पर स्थानापन पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में प्रोक्षित करते हैं।

रिपुदमन सिंह
प्रशासन अधिकारी (ले०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 20 नवम्बर, 1978

सं० ए० 20014/102/76—प्रशा०—I—महाराष्ट्र राज्य पुलिस में प्रत्यावर्तन हो जाने पर, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में निरीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त महाराष्ट्र राज्य पुलिस के अधिकारी श्री एम० ए० अहीवाले को दिनांक 23—8—78 के अपराह्न में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सामान्य अपराध संक्षय, बम्बई शाखा में अपने पद के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

जरनैल सिंह
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

श्रम मंत्रालय
(श्रम ब्यूरो)

शिमला-171004, दिनांक 2 दिसम्बर 1978

सं० 23/3/78-सी० बी० आई०—अक्टूबर, 1978 में ओद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधारवर्ष 1960-100) सितम्बर, 1978 के स्तर से चार अंक बढ़ कर 340 (तीन सौ चालीस) रहा 1 अक्टूबर, 1978 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 413 (चार सौ तेरह) आता है।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज
संयुक्त निदेशक

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 10 नवम्बर 1978

सं० भी० एक०-12/77—स्था०—श्री राज्यपाल सिंह की सेवाएं मिजोरम पुलिस द्वारा केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल को निवर्तित करने के फलस्वरूप, उप पुलिस अधीक्षक के पद पर 28—10—78 (पूर्वाह्न) से 14वीं वाहिनी में नियुक्त किये जाते हैं।

दिनांक 15 नवम्बर 1978

सं० ओ० दो०-1105/72-स्था०—श्री हरनाम सिंह ने उनके सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप उप पुलिस अधीक्षक, 32वीं वाहिनी, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के पद का कार्यभार 30-9-78 (अपराह्न) को त्याग दिया।

दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० ओ० दो०-1096/78-स्था०—राष्ट्रपति, डाक्टर रिछपाल को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ओ० ग्रेड-दो (डी० एस० पी०/कम्पनी कमांडर) के पद पर 30 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 नवम्बर 1978

सं० ओ० दो० 1084/78-स्था०—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डाक्टर गुरदर्शन सिंह सरना, ग्रुप सेंटर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, नागपुर का त्यागपत्र दिनांक 18 अगस्त, 1978 अपराह्न से स्वीकृत कर लिया है।

ए० के० बन्धोपाध्याय
सहायक निदेशक (प्र०)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय अधिकारीका सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 13 नवम्बर 1978

सं० ई० 38013(3)1/78-कार्मिक—विशाखापटनम में स्थानान्तरित होने पर श्री एस० एस० प्रसाद ने दिनांक 25 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, सी० सी० डब्ल्यू० ओ० धनबाद के सहायक कमांडेट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)1/78-कार्मिक—धनबाद से स्थानान्तरित होने पर, श्री एस० एस० प्रसाद ने दिनांक 4 अक्टूबर, 1978 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, बी० पी० टी० विशाखापटनम, के सहायक कमांडेट पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई० 38013(3)1/78-कार्मिक—गोहाटी में स्थानान्तरित होने पर, श्री पी० एन० देव ने दिनांक 26 सितम्बर, 1978 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, फरबका बैरेज प्रोजेक्ट के सहायक कमांडेट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई० 38013(3)1/78-कार्मिक—भिलाई से स्थानान्तरित होने पर, श्री भूप सिंह राणा ने दिनांक 25 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, सी० सी० डब्ल्यू० ओ० धनबाद, के सहायक कमांडेट पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई० 38013(3)1/78-कार्मिक—राष्ट्रपति, श्री एन० के० सेन को अगले आदेश तक तदर्याएँ आधार पर सहायक कमांडेट नियुक्त करते हैं और उन्होंने 30 सितम्बर, 1978

पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, भिलाई इस्पात लिमिटेड, भिलाई के सहायक कमांडेट पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई० 38013(3)1/78-कार्मिक—स्थानान्तरण होने पर श्री सी० डी० कुकरेती ने दिनांक 21-9-78 के अपराह्न से ए० एस० पी० दुर्गापुर में प्रशिक्षण रिजर्व टुकड़ी के सहायक कमांडेट पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई० 38013(3)1/78-कार्मिक—नई दिल्ली से स्थानान्तरित होने पर, श्री एल० एन० मोहला ने दिनांक 22 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, डी० एस० पी०, दुर्गापुर के सहायक कमांडेट पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई० 38013(3)1/78-कार्मिक—स्थानान्तरण होने पर श्री टी० पी० बालाकृष्णन् नाम्बियार, ने दिनांक 25 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० क्षेत्रीय मुख्यालय, मद्रास, के सहायक कमांडेट (क० प्र० अ०) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 15 नवम्बर 1978

सं० ई० 16015/2/77-कार्मिक—अपने मूल मंचालय में प्रत्यावर्तित होने पर श्री एम० आर० नरोता ने दिनांक 27 अक्टूबर, 1978 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० मुख्यालय, नई दिल्ली के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त होने पर, श्री कू० आर० सीकरी ने दिनांक 27 अक्टूबर, 1978 के अपराह्न से महानिरीक्षक/के० ओ० सु० ब०, नई दिल्ली के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई० 38013(3)1/78-कार्मिक—पिम्परी से स्थानान्तरित होने पर, श्री एस० के० कोहली ने दिनांक 28 अक्टूबर, 1978 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० मुख्यालय भर्ती अनुभाग, नई दिल्ली के सहायक कमांडेट (क० प्र० अ०) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई० 38013(3)1/78-कार्मिक—भिलाई में स्थानान्तरित होने पर, श्री पी० एस० नन्दल ने दिनांक 25 अक्टूबर, 1978 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, आर० सी० ए० एफ० लि०, बम्बई के सहायक कमांडेट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

ह० अपठनीय
महानिरीक्षक/के० ओ० सु० ब०

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 13 नवम्बर 1978

सं० 11/20/78-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, डा० उ० व० माथुर को राजस्थान में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में तारीख 1 दिसम्बर, 1978 से 6 महीने की अवधि के

लिये 1100-50-1600 रु० के वेतनमान में उपनिवेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष पुनर्नियोजित करते हैं।

दिनांक 20 नवम्बर 1978

सं० पी०/पी० (35)—प्रशा०—I—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 29 अगस्त, 1978 की समसंचयक अधिसूचना के अनुक्रम में भारत निर्वाचन आयोग सचिवालय के स्थायी हिन्दी अनुभावक, श्री के० एन० पंत की भारत के महापंजीकार के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा हिन्दी अधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि को 1 अक्टूबर, 1978 से 31 दिसम्बर, 1978 तक या जब तक यह पद नियमित आधार पर भरा जाय, जो भी पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

2. श्री पंत का मुख्यालय नई दिल्ली में ही रहेगा।

पी० पद्धनाभ
भारत के महापंजीकार

वित मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 12 नवम्बर 1978

सं० 1222/सम०—श्री बी० टी० देव, प्रशासन अधिकारी, भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक रोड, अपनी स्वेच्छा से 3-11-78 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हुये हैं।

झौ० सी० मुख्यर्जी
महाप्रबन्धक

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली, दिनांक 18 नवम्बर 1978

सं० प्रशा० 1/का० आ० सं० 384/5-5/पदोन्नति/78-79/1780—महालेखाकार इसके द्वारा इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थाई/स्थानापन्थ अनुभाग अधिकारियों को 8 नवम्बर, 1978 (पूर्वाह्न) से अगले आवेशों तक स्थानापन्थ लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

क्र० सं० नाम

1. श्री एस० एल० जाटव
2. श्री जे० के० डी० गुप्ता

ह० अपठनीय
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्र०)

कार्यालय महालेखाकार, हरियाणा

चण्डीगढ़, दिनांक 24 जून 1975

सं० प्रशा०—I/72-विविध/75-76/1655—केन्द्रीय सिविल सेवाएं (अस्थाई सेवाएं) नियम 5, उपनियम (1)

के अन्तर्गत श्री रवीन्द्र कुमार शर्मा, लेखा परीक्षक को नोटिस जारी करता है कि यह नोटिस दिये जाने के एक महीने बाद की तारीख से या जैसी स्थिति उसे निवेदित हो, से उसकी सेवा समात समझी जाएगी।

ह० अपठनीय
उप महालेखाकार (प्र०)

महालेखाकार महाराष्ट्र-I, का कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 13 नवम्बर 1978

सं० प्रशा० 1/सामान्य/आए० झौ०/3/ख० III/सी० (I)/9—महालेखाकार महाराष्ट्र-I बम्बई, अधीनस्थ लेखा सेवा के निम्नलिखित सदस्यों को उनके नाम के सन्मुख निर्दिष्ट किये गये दिनांक से आगामी आदेश तक स्थानापन्थ रूप से लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

क्रमांक	नाम	दिनांक
1.	श्री व्ही० एन० उण्डे	21-10-78 अपराह्न
2.	, एन० जे० कारूलकर	21-10-78 "
3.	, आर० टी० काले	21-10-78 "
4.	, सी० एस० चौरे	1-11-78 पूर्वाह्न

श्रीमती रजनी झू० कुट्टी
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्र०)

कार्यालय महालेखाकार, राजस्थान, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 नवम्बर 1978

सं० प्रशा० II/झ० जी० अधिसूचना /983—महालेखाकार राजस्थान ने श्री कंवर पाल, अनुभाग अधिकारी को 28-10-78 (अपराह्न) से अग्रेसर आवेश के जारी होने तक इसी कार्यालय में स्थानापन्थ लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

र० अ० बोरकर
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर, 1978

सं० प्रशा०-5/327-23(क) (2) अधिसूचना—मुख्य लेखा परीक्षक, डाक-सार ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों की पदोन्नति कर उनको स्थानापन्थ लेखा परीक्षा अधिकारियों के पद पर नियुक्त किया है तथा उन्हें प्रत्येक के सामने उल्लिखित डाक-तार शाखा लेखा परीक्षा कार्यालयों में अगले

प्रादेशों तक तैनात किया है। उनकी पदोन्नतियाँ तदर्थं आधार पर हैं और संशोधनाधीन हैं।

क्र० सं०	नाम	डा० ता० ले० परी० कायालिय जिससे अनु० असम्बन्धित है	डा० ता० शा० ले० परी० कायालिय जिसमें नियुक्त किया गया है	ले० परी० अधि० के स्वप्न से पदोन्नति की तिथि
1.	श्री कुलदीप राज	कपूरथला	नागपुर	22-8-1978 पूर्वाह्नि
2.	,, अवतार सिंह भाटिया	कपूरथला	लखनऊ	22-8-1978 पूर्वाह्नि
3.	,, राष्ट्रवचारी	भडार वर्कशाप	नागपुर	28-8-1978 पूर्वाह्नि
	श्री निवासन	तार जांच कलकत्ता		
4.	,, अमुरी बेंकटाचारी कस्थूरी	मद्रास	नागपुर	11-9-1978 पूर्वाह्नि
5.	,, प्रतभ नाथ राय	भडार वर्कशाप	पटना	11-9-1978 पूर्वाह्नि
6.	,, अनिल बरन चक्रवर्ती	तार जांच, कलकत्ता भडार वर्कशाप तार जांच कलकत्ता	कटक	29-8-1978 पूर्वाह्नि

एस० कृष्णन
वरिष्ठ उप मुख्य लेखा परीक्षा

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आईनेस फैक्टरियाँ सेवा
महानिदेशालय, आईनेस फैक्टरियाँ
कलकत्ता, दिनांक 28 अक्टूबर 1978

सं० 70/जी०/78—वार्धक्य नियुक्ति आय प्राप्त कर
निम्नसिद्धित अधिकारीगण प्रत्येक के सामने दर्शायी गयी
तारीख से सेवा निवृत्त हुए।

क्र० सं०	नाम एवं पद	सेवा नियृति तिथि
(1)	श्री एस० सी० दास गुप्ता, मौलिक एवं स्थाई अपर-	30 मार्च 1977 (अप०)
	महानिदेशक आईनेस फैक्ट-	
	रियाँ	
(2)	श्री एस० एन० दास, स्थाना- पन वरिष्ठ डी० ए० डी०	30 मार्च, 1977 (अप०)
	जी० ओ० एफ० (मौलिक एवं स्थाई डी० ए० डी०	
	जी० ओ० एफ०)	
(3)	श्री बी० डी० सचेतेवा, मौलिक एवं स्थाई वरिष्ठ	30 जून, 1977 (अप०)
	डी० ए० डी० जी० ओ०	
	एफ०	
(4)	श्री बी० पी० गोयल, मौलिक एवं स्थायी ए० डी०	31 अक्टूबर, 1977
	जी० ओ० एफ० ग्रेड-II	(अपराह्न)

क्र० सं०	नाम एवं पद	सेवा नियृति तिथि
(5)	श्री बी० राय, मौलिक एवं स्थायी ए० डी० जी० ओ०	31 दिसम्बर, 1977 (अपराह्न)
	एफ० ग्रेड-II	
(6)	श्री डी० एन० सरकार, स्थानापन ए० डी० जी०	31 दिसम्बर, 1977 (अपराह्न)
	ओ० एफ० ग्रेड-II (मौलिक एवं स्थाई वरि-	
	ष्ठ डी० ए० डी० जी० ओ०	
	एफ०)	
(7)	श्री मुश्तीर कुमार राय, मौलिक एवं स्थाई वरिष्ठ	31 जनवरी, 1978 (अपराह्न)
	डी० ए० डी० जी० ओ०	
	एफ०	
(8)	श्री जे० के० बैनर्जी, मौलिक एवं स्थाई ए० डी० जी० ओ०	28 फरवरी, 1978 (अपराह्न)
	एफ० ग्रेड-II	
(9)	श्री टी० एन० सेन, स्थाना- पन वरिष्ठ डी० ए० डी०	30 मार्च, 1978 (अपराह्न)
	जी० ओ० एफ० (मौलिक एवं स्थाई डी० ए० डी०	
	जी० ओ० एफ०)	
(10)	श्री जी० आर० सुन्दरम्, स्थानापन वरिष्ठ डी० ए०	31 जुलाई, 1978 (अपराह्न)
	डी० जी० ओ० एफ०	
	मौलिक एवं स्थायी डा०	
	ए० डी० जी० ओ० एफ०)	

सं० 71/जी०/78—दिनांक 1-9-1977 से तीन माह की सेवा वृद्धि की समाप्ति पर श्री एम० पी० आर० पिल्लाय, स्थानापन्न ए० डी० जी० ओ० एफ० ग्रेड-I, (मौलिक एवं स्थाई ए० डी० जी० ओ० एफ० ग्रेड-II) दिनांक 30 नवम्बर, 1977 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 15 नवम्बर 1978

सं० 76/78/जी०—वार्षिक निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री ई० ए० टूटर, स्थानापन्न प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई उप-प्रबन्धक) दिनांक 30-9-1978 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

वी० के० भेहता
सहा० महानिदेशक प्र०
आर्डनैन्स फैक्टरिया०

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंत्रक आयात-नियाति का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1978

सं० 6/1166/77-प्रशा० (राज०)/8054—राष्ट्रपति, श्री एम० एल० बस्सी को, जो इस कार्यालय में केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के वर्ग “ग” के स्थायी आशुलिपिक हैं, 23 अक्टूबर, 1978 से अगला आदेश होने तक, इस कार्यालय में केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के वर्ग “ख” में आशुलिपिक के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं।

का० बै० शेषादि
मुख्य नियंत्रक आयात-नियाति

उद्योग मंत्रालय

ओद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर, 1978

सं० 12(367) 62-प्रशा० (राजपत्रित)—मिजोरम शासन के उद्योग निदेशक के पद पर नियुक्ति हो जाने पर, श्री एल० एम० माथुर ने दिनांक 17 अक्टूबर, 1978 (अपराह्न) से विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय के उप निदेशक (यांत्रिक) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. दिनांक 17 अक्टूबर, 1978 (अपराह्न) से श्री एल० एम० माथुर की सेवाएं मिजोरम शासन को सौंपी जाती हैं।

दिनांक 13 नवम्बर 1978

सं० 12(648)/70-प्रशा० (राजपत्रित)—केन्द्रीय श्रीजार कथ एवं प्रशिक्षण केन्द्र, कलकत्ता में सहायक प्रबन्धक (प्रशासन) के पद पर प्रतिनियुक्ति हो जाने पर श्री एस० के० बसु ने दिनांक 1 मई, 1978 (पूर्वाल्प) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर के सहायक निदेशक, ग्रेड-II (जी० ए० डी०) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

महेन्द्र गुप्त
उप निदेशक
(प्रशासन)

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० सी० एल० बी० 1/1/6-जी०/77—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खण्ड 34 में प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व स्वीकृति से मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० एल० बी० 1/1/6-जी०/71 दिनांक 13 जनवरी, 1972 में निम्नलिखित संशोधन करता हूँ, अर्थात्:—

1	2	3
(1) निदेशक हाथ तमिलनाडु करघा और वस्त्र, मद्रास	12(6), 12(6) 12(7ए), 12(7 ए) 12सी और 12 ई	
(2) संयुक्त निदेशक हाथ शक हथकरघा और वस्त्र, मद्रास	12(6), 12(6ए) 12 (7ए), 12 (7 एए) 12 सी और 12 ई	
(3) सरकार के सचिव, उद्योग विभाग	12(7ए) और 12 (7 एए)	
(4) उपनिदेशक (वस्त्र), निदेशक हाथ करघा और वस्त्र का कार्या- लय, मद्रास	“	
(5) सहायक निदेशक (वस्त्र), निदेशक हाथ- करघा और वस्त्र	“	

1	2	3	1	2	3
का कार्यालय, मद्रास			के मंडल कार्यालय के वस्त्र निरीक्षक		
(6) सहायक निदेशक (शक्तिचालित करवे) निदेशक हाथ- करघा और वस्त्र का कार्यालय, मद्रास	12(7ए) और 12 (7एए)		(13) राजस्व विभाग के अधिकारी जो राजस्व निरीक्षक की श्रेणी से नीचे के न हों	12(7ए) और 12 (7एए)	
(7) मंडल कार्यालयों के प्रभारी सहायक निदेशक, हाथ करघा और वस्त्र	"		(14) वार्णिज्य कर विभाग के अधिकारी जो सहायक वार्णिज्य कर अधिकारी की श्रेणी से नीचे न हों	"	
(8) सहायक निदेशक हाथ करघा और वस्त्र के मंडल कार्यालयों के वस्त्र नियंत्रण अधिकारी	"		(15) पुलिस और उत्पाद मूल्क विभाग के अधिकारी जो उपनिरीक्षक की श्रेणी से नीचे के न हों	"	
(9) हाथ करघा और वस्त्र के मंडल सहायक निदेशकों के मात्रहत काम करनेवाले हाथ करघा अधिकारी	"				
(10) हाथ करघा और वस्त्र के मंडल सहायक निदेशकों के मात्रहत काम करने वाले हाथ करघा निरीक्षक	"				
(11) हाथ करघा और वस्त्र के मंडल सहायक निदेशक के मात्रहत काम करने वाले कनिष्ठ तकनीकी सहायक	"				
(12) हाथ करघा और वस्त्र के सहायक निदेशक	"				

सं० 18(1)/77-सी० एल० बी० II:—वस्त्र (शक्तिचालित करवे) द्वारा उत्पादन) नियंत्रण आवेदन, 1956 के खण्ड II में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए में एतद्वारा वस्त्र प्रायुक्त की अधिसूचना सं० 15(2)/67-सी० एल० बी० II/बी०, दिनांक 13 जनवरी, 1972 में निम्नलिखित प्रतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी में क्रम संख्या 7 के सामने स्तंभ 1,2,3 और 4 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएंगी, अर्थात्:—

- | 1 | 2 | 3 | 4 |
|---|-------------------------------|------------|---|
| 1. निदेशक हाथ करघा और वस्त्र, मद्रास | तमिलनाडु 6, 6 सी, 7ए, 8 और 8ए | | |
| 2. संयुक्त निदेशक हाथ करघा
और वस्त्र, निदेशक हाथ
करघा और वस्त्र का कार्यालय,
मद्रास। | " | | |
| 3. उप निदेशक (वस्त्र) | " | 6, 7ए और 8 | |
| 4. सहायक निदेशक (वस्त्र) | " | " | |

1	2	3	4
5.	सहायक निदेशक (शक्ति-चालित करथे), निदेशक हाथ करथा और वस्त्र का कार्यालय	तमिलनाडु	6, 7ए और 8
6.	मंडलों के प्रभारी सहायक निदेशक हाथ करथा और वस्त्र	"	"
7.	वस्त्र नियंत्रण अधिकारी	हाथ करथा	8 "
8.	हाथकरधा अधिकारी	और वस्त्र के	
9.	हाथकरधा निरीक्षक	मंडल सहायक	
10.	वस्त्र निरीक्षक	निदेशकों के	
11.	कनिष्ठ तकनीकी सहायक	मात्रहत	

गौरी शंकर भारतीय,
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1978

सं० ए०-17011/141/78-प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक, पूर्ति (येड II) श्री विप्र दास को दिनांक 3-10-1978 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक जमशेदपुर निरीक्षणालय के अधीन उप निदेशक निरीक्षण (धातु), भिसाई के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) के रूप में स्थानापन्थ रूप से नियुक्त किया है।

सूर्य प्रकाश,
उप निदेशक (प्रशासन)
हृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय
(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 10 नवम्बर 1978

सं० 7592 बी-2222 (पी० के० बी०)/19 ए०—श्री प्रणय कुमार विश्वास को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु प्रति माह के आरंभिक वेतन पर 650-34-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 26 अगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 7604 बी-2222 (एन० के० बी०)/19 ए०—श्री नलिन कुमार धीर को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भू-

वैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु प्रतिमाह के आरंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु के वेतनमान में, स्थानापन्थ क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 1 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 7616 बी०-2222 (एस० बी०)/19 बी०—श्री शशांक भट्टनागर को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु प्रतिमाह के आरंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 30 अगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 7667 बी०-2222 (य० बी०)/19 ए०—श्री उवयभानु भट्टाचार्य को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु प्रतिमाह के आरंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु के वेतनमान में, स्थानापन्थ क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 11 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 7695 बी०-2222 (ए० एन० एस०)/19 ए०—जा० अवधि नारायण सिंह को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु प्रतिमाह के आरंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 28 अगस्त, 1978 के अपराह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

बी० एस० कृष्णस्वामी,
महा निदेशक

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण

भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता-16, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० 4-155/77/स्था०—भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के निदेशक, श्री एन० पी० लाला को इस सर्वेक्षण के पश्चिमी क्षेत्र, उदयपुर में सहायक मानव विज्ञानी (सांस्कृतिक) के पद पर 26 सितम्बर, 1978 के अपराह्न से अस्थायी आधार पर अगले आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

सी० टी० थोमस,
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली-110011, दिनांक 21 नवम्बर 1978

सं० 14/12/78-स्मारक (पर्यटन)—मैं, के० बी० सौन्दर राजन, निदेशक (स्मारक) प्राचीन स्मारक और पुरातत्वीय

स्थल एवं अवशेष नियमावली, 1959 के नियम-6 के अधीन प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए यह निदेश जारी करता है कि चैत्य गिरि बिहार के 26वें वार्षिकोत्सव के अवसर पर सांची, जिला रायसेन (मध्य प्रदेश) के बौद्ध स्मारकों में 28 नवम्बर, से 30 नवम्बर, 1978 तक प्रवेश शुल्क नहीं लिया जायेगा।

के० वी० सौन्दर राजन,
निदेशक (स्मारक)

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-110001, दिनांक 15 नवम्बर 1978

सं० एफ० 11-9/77-ए०-१:—अभिलेख निदेशक, भारत सरकार एतत द्वारा श्री सी० पी० माथुर, सहायक अभिलेखाधिकारी (ग्रेड 1) (सामान्य) और इस समय जो हरियाणा सरकार में प्रतिनियुक्ति पर, अभिलेखाधिकारी (सामान्य) है, उनको राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्ली में 24-8-77 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक एफ० आर० 30 (1) (आगामी निम्न नियम) के निम्न परन्तुक के अन्तर्गत विहित पदोन्नति की स्वीकृति देते हैं।

सं० एफ० 11-9/77-ए०-१:—श्री एस० एस० रेखी, सहायक अभिलेखाधिकारी (ग्रेड I) (सामान्य) और तदर्थ आधार पर स्थानापन्न अभिलेखाधिकारी (सामान्य) को नियमित अस्थायी आधार पर 8-11-78 (पूर्वाह्न) से तब तक के लिए स्थानापन्न अभिलेखाधिकारी (सामान्य) नियुक्त किया जाता है जब तक श्री सी० पी० माथुर, अभिलेखाधिकारी (सामान्य) (आगामी निम्न नियम के अन्तर्गत) जो अभी हरियाणा सरकार के साथ प्रतिनियुक्ति पर है, राष्ट्रीय अभिलेखागार में प्रत्यावर्तित नहीं हो जाते।

श्रीनन्दन प्रसाद,
अभिलेख निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

(सिविल निर्माण स्कंध)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 21 नवम्बर 1978

सं० ए० 12023/2/78-सी० इड्यू०-१:—महानिदेशक, आकाशवाणी, नई दिल्ली, श्री विजय कुमार गोगने को दिनांक 24 अक्टूबर, 1978 (पूर्वाह्न) से रुपये 650-30-740-35-810-८० रो०-३५-८८०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० के घेतनमान में स्थानापन्न रूप से सहायक कार्य सर्वेक्षक (विश्वृत), सिविल निर्माण स्कंध, आकाशवाणी, नई दिल्ली के पद पर नियुक्त करते हैं।

2-366GI/78

2. श्री गोगने की नियुक्ति, अन्य शर्तों के साथ-साथ, उनको पहले ही जारी किये गये नियुक्ति पत्र की शर्तों द्वारा नियन्त्रित होंगी।

एस० रामास्वामी,
अपर मुख्य अभियंता (निर्माण) के अभियंता अधिकारी
हृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय,

नई दिल्ली-110001, दिनांक 13 नवम्बर 1978

सं० ए०-12026/5/78-स्था०-विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, केन्द्रीय सूचना सेवा के ग्रेड-3 स्थानापन्न अधिकारी श्री वी० एन० राजभार को विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय में दिनांक 17 अक्टूबर, 1978 पूर्वाह्न से अगले आदेश तक सामान्य प्रतिनियुक्ति शर्तों पर, तदर्थ रूप से सहायक माध्यम कार्यपालक नियुक्त करते हैं।

2. तकनीकी सहायक (विज्ञापन) के पद में प्रतिवर्तन होने पर श्री भास्कर नयार ने 13 अक्टूबर, 1978 अपराह्न से सहायक माध्यम कार्यपालक का पद त्याग दिया।

आर० वेवासर
उप-निदेशक (प्रशासन)
हृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1978

सं० ए० 12025/(I)/20/78-के० स्वा० से०-१:—दिल्ली नगर निगम के अधीन विकिरण शास्त्री के पद पर नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप डा० अशोक विरमानी ने 14 सितम्बर 1978 पूर्वाह्न से सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (के० स्वा० से० के० जी० डी० झो० ग्रेड II के अधिकारी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

को० वेणुगोपाल
मवर सचिव,

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक

सं० ए० 38012/2/78-भण्डार I—अपनी सेवा निवृत्त आयु के हो जाने पर राजकीय मेडिकल स्टोर डिपो, करनाल के डिपो मैनेजर श्री एम० आर० शर्मा 1 नवम्बर, 1978 पूर्वाह्न को सरकारी सेवा से रिटायर हो गये हैं।

नई दिल्ली, दिनांक 10 नवम्बर 1978

सं० ए० 38012/4/78-एस० आर०—सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने पर सरकारी चिकित्सा स्टोर डीपु, बम्बई के उप

सहायक महानिदेशक (मेडिकल स्टोर), श्री पी० आर० हरयाल
1 नवम्बर, 1978 के पूर्वाल्प से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

के० सी० मिश्रा,
उप निदेशक प्रशासन (स्टोर)

नई दिल्ली, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० ए०-32014/3/78 (ए० आई० आई० पी० एम०
आर०) प्रशासन-I:—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने अधिकारी
भारतीय शारीरिक चिकित्सा तथा पुनर्वास संस्थान, बम्बई में
लेक्चरर के पद पर काम कर रही श्रीमती एम० ए० औकर को
18 अप्रैल, 1978 से आगामी आदेशों तक उसी संस्थान में व्याव-
साधिक मार्गदर्शन विभाग में प्रमुख के पद पर अस्थाई आधार
पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 32014/3/78-(ए० आई० आई० पी० एम०
आर०)/प्रशासन-I:—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने अधिकारी
भारतीय शारीरिक चिकित्सा एवं पुनर्वास संस्थान, बम्बई में
लेक्चरर के पद पर काम कर रही श्रीमती ए० ए० छाबरिया को
10 अप्रैल, 1978 से आगामी आदेशों तक उसी संस्थान में
चिकित्सा सामाजिक कार्य विभाग के प्रमुख के पद पर अस्थाई
आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 20 नवम्बर 1978

सं० ए०-12025/4/78 (एच० क्य०) : प्रशासन-I:—
राष्ट्रपति ने डा० आर० सी० शर्मा को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय
में सहायक महानिदेशक (भण्डार) के पद पर 2 नवम्बर, 1978
से आगामी आदेशों तक अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 32014/6/78-(एस० जे० एच०)/प्रशासन-I:—
स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री ओंकार सिंह गुजराल, हैड कलर्क
सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली को उसी अस्पताल में श्री
झिनपारमल भिमानी की 52 दिन की 'अवकाश रिक्ति' की
अवधि के दौरान 8-9-78 (पूर्वाल्प) से 29-10-1978
(अपराल्प) तक सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्त
किया है।

सं० ए० 32014/5/78 (एस० जे० एच०)/प्रशासन-I:—
स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री जसवंत राम, गोपनीय सहायक,
सफदरजंग अस्पताल में नई दिल्ली को उसी अस्पताल में सहायक
प्रशासनिक अधिकारी के पद पर 1 सितम्बर, 1978 पूर्वाल्प से
आगामी आदेशों तक अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

प्रधाम लाल कुटियाला,
उप निदेशक प्रशासन
(सं० व प०)

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 28 अगस्त 1978

सं० 5/1/78-स्थापना II/3071-नियंत्रक, भाभा परमाणु
अनुसंधान केन्द्र श्री पुलसिकलयिल चाको थामस, भाभा

परमाणु अनुसंधान केन्द्र में स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थाना-
पन सहायक लेखा अधिकारी को, इसी अनुसंधान केन्द्र में भीचे
लिखे अनुसार स्थानापन लेखा अधिकारी II नियुक्त किरते हैं:—

- (क) 10 अप्रैल 1978 (पूर्वाल्प) से 31 जुलाई, 1978
(अपराल्प) तक तदर्थ आधार पर।
(ख) 1 अगस्त 1978 पूर्वाल्प से अगले आदेशों तक नियमित^{प्रधार} पर।

पी० एस० वेंकटसुब्रमण्यम्,
उप स्थापना अधिकारी

बम्बई-400085, दिनांक 16 सितम्बर 1978

सं० 5/1/78-स्थापना II/3273:—नियंत्रक, भाभा परमाणु
अनुसंधान केन्द्र निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों के
आगे लिखी अवधि के लिए तदर्थ आधार पर स्थानापन सहायक
कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं:—

क्र० सं०	नाम तथा पद	स्थानापन नियुक्ति	अवधि	
			से पूर्वाल्प	तक अपराल्प
1.	श्री बी० एम० नाइक सहायक सेलेक्शन ब्रेड लिपिक कार्मिक अधिकारी		19-7-78	29-8-78
2.	श्री पी० बी० करंदीकर सहायक सहायक कार्मिक अधिकारी		19-7-78	29-8-78

दिनांक 18 नवम्बर 1978

सं० बी०/1569/मेडिकल/स्थापना-I/4472—निदेशक भाभा
परमाणु अनुसंधान केन्द्र ने डा० एस० के० बाकडे जो इसी
केन्द्र में निवासी चिकित्सा अधिकारी हैं, का सेवा से त्याग पत्र
30 अगस्त, 1978 के अपराल्प से स्वीकार कर लिया है।

एम० एस० राव,
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्र प्रभारी भांडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 17 नवम्बर 1978

सं० डी० पी० एस०/23(4)/77-संस्थापन 28008—
निदेशक, क्र प्रभारी, परमाणु ऊर्जा विभाग, निम्नलिखित
क्र प्रभायकों को सहायक क्र प्रधिकारी पद पर स्थानापन
रूप में कार्य करने हेतु रु 650-30-740-35-810-द० रो०-35-
880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतन क्रम में, तदर्थ
रूप से, इसी निदेशालय में, उनके सामने दिखाई गई तिथियों
तक नियुक्त करते हैं:—

1. श्री के० टी० परमेश्वरन्—29-8-78 से 12-10-78 तक
 2. श्री डी० एस० साहूरे—4-10-78 से 10-11-78 तक
 बी० जी० कुलकर्णी,
 सहायक कार्मिक अधिकारी

मद्रास खेत्रीय क्रय यूनिट

मद्रास-600006, दिनांक 6 नवम्बर 1978

सं० एम० आर० पी० य०/200 (19)/78-प्रशासन—
 इस कार्यालय की तारीख 10-4-78 की समसंबंधीक अधिसूचना
 के क्रम में, क्रय एवं भांडार निवेशक, श्री आर० नारायणन को
 सहायक भांडार अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से की
 गई नियुक्ति की अवधि को 7-5-78 से 20-5-78 तक बढ़ाते
 हैं।

एस० रंगाचारी,
 क्रय अधिकारी

विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 12 अक्टूबर 1978

सं० पी० पी० ई० डी०/३(262)/76-प्रशासन/12066—
 विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक,
 इस प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सलैक्शन
 ग्रेड कलर्क श्री एच० एच० शाह को 11 सितम्बर, 1978 के
 पूर्वाह्न से 21 अक्टूबर, 1978 के अपराह्न तक उसी प्रभाग में
 अस्थायी रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।
 यह नियुक्ति श्री जी० एस० खुराना, सहायक कार्मिक अधिकारी,
 के स्थान पर की गई है जिन्हें प्रशिक्षण प्राप्त करते के लिए भेजा
 गया है।

बी० श्री० थाते,
 प्रशासन अधिकारी

नरोरा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

नरोरा, दिनांक 6 नवम्बर 1978

सं० एन० ए० पी० पी०/प्रशा०/५(17)/78/एस०/11041—
 नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता, पश्चिमी रेलवे, बम्बई के एक अनुभाग अधिकारी श्री
 आर० ए० अवस्थी को, जो इस समय इस परियोजना में
 लेखाकार के पद पर प्रतिनियुक्ति है, उसी परियोजना में
 25 अक्टूबर, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये,
 650-30-740-35-880-८० रो०-४०-९६० रुपये के बेतनमान
 में प्रतिनियुक्ति की सामान्य शर्तों पर सहायक लेखा अधिकारी
 के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

एस० कृष्णन,
 प्रशासनिक अधिकारी,
 हाले मुख्य परियोजना अभियन्ता

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय
 नई दिल्ली, दिनांक 25 अक्टूबर 1978

सं० ए० 32013/4/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री एन०
 मनियनडे, सहायक संचार अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन,
 सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली को दिनांक 27-9-78 (पूर्वाह्न)
 से छ: मास की अवधि के लिए अपथवा ग्रेड में नियमित नियुक्ति
 होने तक, जो भी पहले हो, तदर्थे आधार पर संचार अधिकारी
 के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें खेत्रीय नियंत्रक संचार
 के कार्यालय, मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास में तैनात किया है।

दिनांक 13 नवम्बर 1978

सं० ए० 32013/5/78-ई० सी०—राष्ट्रपति ने महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय) के श्री आर० पी० शर्मा, सहायक निवेशक संचार (तवर्ध) को दिनांक 13-10-78 (पूर्वाह्न) से 25-10-78 तक उपनिदेशक संचार के ग्रेड में तदर्थे आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें उसी कार्यालय में तैनात किया है।

दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० ए० 32014/1/78-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित दो तकनीकी सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से तदर्थे आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और प्रत्येक के सामने विए गए स्टेशन पर तैनात किया है :—

क्रम सं०	नाम	मौजूदा स्टेशन	नवा तैनाती स्टेशन	कार्यभार संभालने की तारीख
1.	श्री जे० सी० राय	व० सं० कलकत्ता ।	व० सं० स्टेशन,	15-6-78 (पूर्वाह्न)
2.	श्री आर० एन० बनर्जी	व० सं० स्टेशन	व० सं० स्टेशन	26-6-78 (पूर्वाह्न)

सं० ए० 32014/1/78-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित तीन तकनीकी सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से नियमित आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है :—

क्रम सं०	नाम	मौजूदा स्टेशन	नवा तैनाती स्टेशन	कार्यभार प्रवृण की तारीख
1	2	3	4	5
1.	श्री आर० सी० पन्त	व० सं० स्टेशन	व० सं० स्टेशन	26-6-78 (पूर्वाह्न)

1	2	3	4	5
.2.	श्री आत्मा राम	वै० सं० स्टेशन	वै० सं० स्टेशन,	7-7-78 (पूर्वाह्नि) बेलगाम भोपाल
3	श्री पी० एन० पन्त	ना० वि० प्र० केन्द्र,	ना० वि० प्र० केन्द्र,	15-7-78 (पूर्वाह्नि) इलाहाबाद इलाहाबाद

दिनांक 20 नवम्बर 1978

सं० ए० 32014/2/77-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री ए० के० हल्दर, संचार सहायक, वैमानिक संचार स्टेशन कलकत्ता को दिनांक 27-6-78 (पूर्वाह्नि) से सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

सं० ए० 32014/2/77-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री ए० के० हल्दर, जो इस समय वैमानिक संचार स्टेशन कलकत्ता में सहायक संचार अधिकारी के रूप में तदर्थ आधार पर कार्यरत है, को दिनांक 1-10-78 से उसी ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

सं० ए० 32014/2/77-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री रामचन्द्र, संचार सहायक, वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली को दिनांक 3-7-78 (पूर्वाह्नि) से सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

सं० ए० 32013/4/78-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री आर० सी० चितरारा, संचार अधिकारी, क्षेत्रीय नियन्त्रक संचार का कार्यालय, बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई, को दिनांक 30-9-78 से छ मास की अवधि के लिए वरिष्ठ संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय नागर विमानन विभाग, बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई में तैनात किया है।

सं० ए० 32014/1/78-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित चार तकनीकी सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें प्रत्येक के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है—

क्रम सं०	नाम	मौजूदा स्टेशन	नया स्टेशन	कार्यभार संभालने की तारीख
1	2	3	4	5
1.	श्री टी० एल० रेलवानी बै० सं० बम्बई	वै० सं० स्टेशन	वै० सं० स्टेशन	19-7-78 (पूर्वाह्नि)

1	2	3	4	5
.2.	श्री एन० बी० सिवाळकर	वै० सं० स्टेशन,	वै० सं० स्टेशन,	29-7-78 (पूर्वाह्नि)
.3.	श्री एन० के० राय	वै० सं० कलकत्ता	वै० सं० स्टेशन,	17-8-78 (पूर्वाह्नि)
4.	श्री बी० चौधरी	वै० सं० कलकत्ता	वै० सं० स्टेशन,	11-9-78 (पूर्वाह्नि)

सं० ए० 38013/1/77-ई० सी०—निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित अधिकारियों ने, उनके नाम के सामने दी गई तारीख को, अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है और सरकारी सेवा से निवृत हो गये हैं :—

प्रम सं०	नाम, पद तथा तैनाती स्टेशन	सेवा निवृति की तारीख
1.	श्री बी० जी० मखीजानी सहायक संचार अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली ।	30-6-78 (अपराह्न)
2.	श्री के० एल० भसीन सहायक तकनीकी अधिकारी, रेडियो निमाण एवं विकास एकक, नई दिल्ली ।	31-3-78 (अपराह्न)
3.	श्री बी० आर० केशवन सहायक तकनीकी अधिकारी, केन्द्रीय रेडियो स्टोर डिपो, नई दिल्ली ।	31-8-78 (अपराह्न)

सत्य देव शर्मा,
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1978

सं० ए० 39013/5/78-ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री एस० रैना, सहायक विमानध्येत्र अधिकारी, सफदरजंग एयरपोर्ट नई दिल्ली का सरकारी सेवा से त्यागपत्र दिनांक 31 अक्टूबर, 1978 (अपराह्न) से स्वीकार कर लिया है।

बी० बी० जीहरी,
सहायक निदेशक प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 13 नवम्बर 1978

सं० 16/304/78-स्थापना-I—श्रद्धालु, [वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, डा० समर बहादुर सिंह को पांचवीं पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत वन मृदा प्रयोगशाला एं (वन मृदा व वनस्पति सर्वेक्षण) योजना के अधीन केव्वल जम्बलपुर में दिनांक 18-10-78 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक महर्ष अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

गुरुदयाल मोहन, कुल सचिव,
वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय

पटना, दिनांक 15 नवम्बर 1978

सं० 11(7) 1-स्था०/77/11465—केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय, पटना के निम्नलिखित अधीक्षक श्रूप 'बी' अपनी सेवा की आयु पूरी कर उनके नाम के सामने दिखाए गये तारीख और समयानुसार सेवा निवृत्त हुए।

क्रमांक	नाम	पदनाम	सेवा निवृत्ति की तिथि
---------	-----	-------	-----------------------

सर्वश्री

1. एस० डी० मिश्रा	अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क	31-7-78 (अपराह्न)
2. खलील अहमद खान	अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क	31-7-78 (अपराह्न)
3. मो० हारून	अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क	31-8-78 (अपराह्न)
4. एम० एन० सिन्हा	अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क	30-9-78 (अपराह्न)
5. एच० पी० सेन	अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क	30-9-78 (अपराह्न)
6. जे० डी० मलिक	अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क	30-9-78 (अपराह्न)

सं० 11(7) 2-स्था०/78/11466—इस कार्यालय के स्थापना आदेश संख्या 13/78 दिनांक 12-1-78, जो स्थापना आदेश संख्या 169/78 दिनांक 17-6-78 द्वारा, संशोधित किया गया, के अनुसार श्री रामचरित प्रसाद, निरीक्षक को स्थानापन्थ अधीक्षक, के रूप में पदोन्नत किया गया है तथा उन्होंने अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क रेज एलीथ चौक के रूप में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- तथा नियमान्तर्गत देय सामान्य भत्तों के सहित वेतनमान पर दिनांक 30-9-78 के पूर्वाह्न में कार्यभार ग्रहण किया।

डी० के० सरकार, समाहर्ता,

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता का कार्यालय

मद्रास, दिनांक 25 सितम्बर 1978

सं० II/3/24/78-स्थापना—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता, मद्रास के निम्नलिखित कार्यालय अधीक्षकों को, अगला आदेश होने तक प्रशासनिक अधिकारी/सहायक मुख्य लेखा अधिकारी, श्रूप 'बी' के पद पर स्थानापन्थ रूप से नियुक्त तथा प्रत्येक के नाम के सामने दिखाई गई तिथियों तथा उल्लिखित स्थानों पर तैनात किया गया है।

क्रम सं०	नाम	स्थान जहां तैनात कार्यभार किया गया है।	ग्रहण करने की तारीख
1	2	3	4
1.	कुमारी डोरिया रोबर्ट्स	मुख्य कार्यालय, मद्रास (अपराह्न)	18-1-78
2.	श्री के० विश्वनाथन	पांडिचेरी, डिवीजन प्रशासनिक अधिकारी	6-4-78 (अपराह्न)
3.	श्री एस० मुनिराथीनम	कोयम्बटूर-1, डिवीजन प्रशासनिक अधिकारी	30-8-78 (पूर्वाह्न)

एम० जी० वैद्य, समाहर्ता

केन्द्रीय जल आयोग

नई विल्सी-22, विनांक 13 नवम्बर, 1978

सं० ए०-19012/746/78-प्रशासन-5—श्रद्धालु, केन्द्रीय जल आयोग श्री बी० बी० मुण्डी, अनुसंधान सहायक को पदोन्नति पर पूर्णतया अस्थाई एवं तदर्थ आधार पर सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, पुणे में दिनांक 9-10-1978 के पूर्वाह्न से 28-2-1979 तक या जब तक कि यह पद नियमित रूप से भरा जाए, इसमें जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

विनांक 18 नवम्बर 1978

सं० ए० 32012/9/75-प्रशासन-5:—विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग-ख) की सिफारिशों के आधार पर श्रद्धालु, केन्द्रीय जल आयोग, इस समय केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधानशाला, पुणे में सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य कर रहे श्री बी० के० साहा, अनुसंधान सहायक को एस्ट्रोविरा उसी पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में दिनांक 17 अक्टूबर, 1978 के पूर्वाह्न से, अगले

आदेश होते तक, पदोन्नति पर नियमित रूप में नियुक्त करते हैं।

2. श्री साहा, सहायक अनुसंधान अधिकारी (हंजीनियरी) के पद पर 17 अक्टूबर, 1978 से दो वर्ष पर्यन्त परिवीक्षा पर रहेंगे।

जे० के० साहा, अवर सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय

(पूर्ति विभाग)

राष्ट्रीय परीक्षण गृह

कालकरा-27, दिनांक 17 नवम्बर, 1978

सं० जी०-318/ए०—श्री एन० माधवन, वित्त मंत्रालय के संवर्ग के स्थायी सहकारी जो कि राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता की प्रधिसूचना सं० जी०-318/ए० दिनांक 12-12-74 के अनुसार दिनांक 20-11-74 (पूर्वाह्न) से राष्ट्रीय परीक्षण गृह, बम्बई शाखा, बम्बई में सहकारी अधिकारी (प्रभासन) (प्रेड II) के रूप में नियुक्त किये गये थे दिनांक 10-3-78 के अपराह्न से वित्त मंत्रालय में अवतीर्ण किये गये।

ई० के० रामचन्द्रन, युग्म निवेशक
राष्ट्रीय परीक्षण गृह

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं मैसर्स मुड्रा (एक्सपोर्ट)
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1978

सं० 18254/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स मुड्रा (एक्सपोर्ट) प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एल० एम० गुप्ता,
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम 1956 और सफरी इवल्स लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 10 नवम्बर 1978

सं० 12780/3391—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि सफरी इवल्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और फूट प्रिन्ट्स प्राइवेट लि० के विषय में।

कानपुर, दिनांक 10 नवम्बर 1978

सं० 12779/3537-एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि फूट प्रिन्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गयी है।

एस० नारायणन्,
रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज
यू० पी०, कानपुर

कम्पनी अधिनियम 1956 और घर बसाऊ कन्सट्रक्शन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जालंधर, दिनांक 17 नवम्बर 1978

सं० जी/स्टैट/560/3372—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि घर बसाऊ कन्सट्रक्शन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और दयालबाग ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जालंधर, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० जी/स्टैट०/560/544—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दयाल बाग ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और खन्ना ब्रदर्स (पब्लिशर्स)
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जलधर, दिनांक 16 नवम्बर, 1978

सं० जी०/स्टैट०/५६०/३३९८—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा ५६० की उपधारा (५) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि खन्ना ब्रदर्स (पब्लिशर्स) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सत्य प्रकाश तथा
कम्पनी रजिस्ट्रार,
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चंडीगढ़

कम्पनी अधिनियम, 1956 और यू० पी० शाक
एवजारबरस लिमिटेड के विषय में।

दिल्ली, दिनांक 20 नवम्बर 1978

सं० ८२६७/८/२००५—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा ५६० की उपधारा (५) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि यू० पी० शाक एवजारबरस लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

श्रीमती सी० कपूर,
सहायक रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज, दिल्ली

कम्पनी अधिनियम, 1956 और के० पि० दास एण्ड क०
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 20 नवम्बर 1978

सं० १६६९७/५६०(३)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा ५६० की उपधारा (३) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर के० पि० दास एण्ड क० प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और सानराईज मिरलस्
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 20 नवम्बर 1978

सं० २७९०९/५६०(३)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा ५६० की उपधारा (३) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सनराईज मिरलस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और बंसल स्वी० माईका
सप्लाई क० प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 20 नवम्बर 1978

सं० २६१८२/५६०(३)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा ५६० की उपधारा (३) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बंगल स्वी० माईका सप्लाई प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और महाभाया मिल्स प्राइवेट
लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 20 नवम्बर 1978

सं० २३३९१/५६०(३)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा ५६० की उपधारा (३) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर महाभाया मिल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

एन० आर० सरकार,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार,
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री बैंकेटेश्वरा आटो-
मोर्बेल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 21 नवम्बर 1978

सं० ४८४६/५६०(५)/७८—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा ५६० की उपधारा (५) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि श्री बैंकेटेश्वरा आटोमोर्बेल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

सी० अच्युतन,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसैंस रामा फॉटिलाइजर्स
एंड कैमिकल्स प्रा० लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 21 नवम्बर, 1978

सं० ४६७१/२०११९—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा ५६० की उपधारा (३) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर रामा फॉटिलाइजर्स एण्ड कैमिकल्स प्रा० लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स एस० पी० वाटरबेल इंजिनियर्स प्रा० लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 21 नवम्बर 1978

सं० 4826/20117—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स एस० पी० वाटरबेल इंजिनियर्स प्रा० लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

जे० सी० गुप्ता,
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार
दिल्ली एवं हरियाणा

सहायक आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1978

आयकर

सं० नुरि-दिल्ली/5/78-79/27910—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 125 ए की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर जारी पहले की अधिसूचनाओं में आंशिक संशोधन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5 निदेश देते हैं कि आयकर अधिकारी डॉक्टर सर्किल, नई दिल्ली के किसी क्षेत्र या व्यक्ति या व्यक्तियों के बगैंचे या आय या आय के बगैंचे या मामलों या मामलों के बारे में उक्त अधिनियम के अन्तर्गत निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त के सभी कार्य निष्पादित करेंगे।

2. आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, कार्य निष्पादन की सुविधा के लिए निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-5 डी को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 125 ए की उपधारा (2)

में अपेक्षित आदेशों को भी पास करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

यह अधिसूचना 7-11-78 से लागू होगी।

सं० जुरि-दिल्ली/5/78-79/28041—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले के सभी आदेशों में संशोधन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-1 में निर्दिष्ट निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त उसी अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्टों/सर्किलों के आयकर अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र में आगे बाले क्षेत्रों या व्यक्तियों या व्यक्तियों के बगैंचे या आय या आय के बगैंचे या मामलों या मामलों के बगैंचे के बारे में उक्त अधिनियम के अन्तर्गत निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त के सभी कार्य निष्पादित करेंगे :—

अनुसूची

रेंज	आयकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल
1	2
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त	1. डिस्ट्रिक्ट-4, नई दिल्ली।
रेंज 5 सी, नई दिल्ली	2. विदेश अनुभाग, नई दिल्ली।
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त	1. डॉक्टर सर्किल, नई दिल्ली
रेंज-5-डी०, नई दिल्ली	

यह अधिसूचना 7-11-78 से लागू होगी।

के० आर० राधवन,
आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली

प्रूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्रेत्र, बिहार, पटना
पटना, दिनांक 9 नवम्बर 1978

निवेश सं० III-280/अर्जन/78-79/—अतः मुझे एम० एन०
तिवारी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिस की सं० है, तथा जो सुजागज, भागलपुर
में स्थित है (और इससे उपाबध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 30-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्थ प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
दब्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-366GI/78

(1) श्री उमेश कुमार ठनठनियां, पुनीत कुमार ठनठनियां
एवं अनिल कुमार ठनठनियां सा०-74-डी, बुदेल
रोड, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

(2) श्री महेश प्रसाद ठनठनियां सा०- 16, बललीगुंज,
पार्क रोड, कलकत्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ॥

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितचढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का रकबा 1 बीघा, 7 कट्ठा, 18 धुर 3 धुरकी में
1/4th अविभाजित हिस्सा जो साकिन सुजागज, जिला भागलपुर
में स्थित है, जो दस्तावेज संख्या L-1679 दिनांक 30-3-1978
में पूर्णतया वर्णित है ।

एम० एन० तिवारी
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन परिक्रेत्र बिहार, पटना

दिनांक 9 नवम्बर 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज 1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 22 अगस्त 1978

निदेश सं० अ० इ० 1/3027-3/मार्च-78—अतः मुझे एफ० जे० फनन्डीज्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० सी० एस० नं० 1105, 1030 का लोअर परेल डिवीजन है, तथा जो एलिफिस्टन रोड में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-3-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, दोसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दी जाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की आरा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की आरा 269-घ की उपाधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री धीरजलाल बी० संधर्वी, 2 प्रमोद कुमार के बुसा,
3. श्रीमती भानुमती के० बुस्सा 4. भारत कुमार०
बुस्सा

(अन्तरक)

(2) बुसा इंडिस्ट्रियल प्रीमिस को० आप० हाउ० सो०
लि०

(अन्तरिती)

(3) सोसायटी के सदस्य

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्बवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो यी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाय लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं] वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 509/75/बम्बई उप रजिस्टर अधिकारी द्वारा दिनांक 21-12-78 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एफ० जे० फनन्डीज्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)
प्रर्जन रेंज 1, बम्बई

दिनांक: 22 अगस्त 1978

मोहर :

प्रस्तुप माई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज 2 बम्बई
 बम्बई, दिनांक 29 सितम्बर 1978

निर्देश तं० ग्र० इ० 2/2541-3/मार्थ-78-प्रतः मुझे ए० सी० चन्द्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्पष्टवर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,
 और जिस की सं० सी० टी० एस० नं० 1349, 1350, 1351 एस० नं० 87, है तथा जो पाली हिल वांदा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20-3-1978 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दूसरे अन्तरण से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (a) अन्तरण से हुई किसी आय की बाष्ठत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (b) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तुरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, उपराने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- (1) डा० जमशेद सोराव मूस श्रीमती मिखू बेहमान मूस (अन्तरक)
- (2) मन्त्रीयल ओलम्पीक प्रिमार्हसेस को० आप० सो० लि०, (अन्तरिती)
- (3) 1. श्रीमती प्रफुला एस० गेटोन्डे 2. श्रीमती पूनम वी० पंजाबी 3. माल्ती स्याल 4. श्री ई० एन० नायर 5. श्रीमती मेरी सिम्पसन, 6. श्री जसपाल सिंह गांधी, 7. श्री चिमनलाल खन्ना, 8. श्री महेन्द्र पाल जैन 9. श्री भारसल लोबो, 10. श्रीमती लिली स्वामी, 11. श्रीमती भारती राना, 12. श्री बलराम कुकरेजा, 13. श्रीमती शीता छावरिया, 14. श्री जैसिंह श्याम लाल, 15. शीता मुखर्जी, 16. केपट० सुरेश कुमार खुराना, 17. श्री नारायण एल० बजाज, 18. श्री सी० एम० मोहम्मद कुनही, 19. श्रीमती लवलीन खन्ना 20. श्रीमती लोचमी एम० भरवाती, 21. श्री

श्रीनिलकुमार एम० पारकर, —जैरेज 22. श्रीमती शीता मुखर्जी, 23. श्री श्रीनिलकुमार एम० पारकर, 24. श्री बलराम कुकरेजा, 25. श्री मारसल लोबो, 26. श्रीमती प्रफुला एस० गेटोन्डे, 27. श्रीमती लोचमी भरवाती, 28. श्री मोहेन्द्र पाल जैन, 29. श्रीमती मेरी सिम्पसन, 30. श्री जसपाल सिंह गांधी, 31. चिमनलाल खन्ना, 32. श्रीमती लवलीन खन्ना, 33. श्री नारायण दास एल० बजाज, 34. श्रीमती शीता मुखर्जी, 35. श्री जैसिंह श्याम लाल, 36. श्रीमती पूनम वी० पंजाबी, 37. श्री सुरेश कुमार खुराना 38. श्रीमती लिली स्वामी, 39. माल्ती स्याल, 40. श्री ई० एन० नायर, 41. श्रीमती भारती राना, 42. श्री सी० एम० मोहम्मद कुनही पांकिंग स्पेस (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है);

- (4) श्री चन्द्र एल० रहेजा श्री टेकचन्द सी० रेवानी कनफर्मिंग पार्टी)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)। को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के संबंध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी प्रबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्पष्टवर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग, उस पर खड़ी वाढ़ी, किराए के मकान या आवास व दांचों सहित, जो डांडा में पाली हिल रोड, के पूर्व की ओर, और बम्बई नगर व उपनगर के जिले व राजस्ट्री उप-जिले में मौजूद है, माप से 2071 वर्ग मीटर है जो 2477 वर्ग गज के बराबर या उसके आस पास या उससे कुछ कम या ज्यादा हो सकता है और ठाणे के राजस्व कलेक्टर द्वारा कृषितर सर्वे नं० 87 के अधीन रजिस्ट्री है और बान्द्रा की मैट्रिसिंगलिटी द्वारा घर नं० 39, जिला पाली हिल के अधीन निर्धारित (प्रसेस) होता है तथा इसके सी० टी० एस० नं० 1349, 1350 व 1351 हैं और उत्तर की ओर सिटी० सर्वे नं० 100, पूर्व की ओर सिटी० सर्वे नं० 313, दक्षिण की ओर कृषितर सर्वे नं० 97 और पश्चिम की ओर उक्त पाली हिल रोड, से घिरा हुआ है ।

ए० सी० एम० चन्द्र

सध्यम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 दिनांक : 29 सितम्बर 1978 अर्जन इलाका-2, बम्बई मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 अक्टूबर 1978

निवेदण सं० अ० इ० 3/ए० पी० 279/78-79—ग्रतः मुझे,
वी० के० सुश्रामणियन

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके 'प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिस की सं० प्लाट नं० 70-एन का स्कीम नं० 3 है
तथा जो चेम्बूर गाँड़ेन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कायलिय
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक 14-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके १२ माह प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्द्रह
प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(नार्गीशिया) के बाच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आस्तविक छ। न कठित नहीं किया गया है;

(क) नार्गीशिया प्राय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व गे कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के
लिए। और/या

(ख) नार्गीशिया प्राय या निमी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा
के लिए,

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसारण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) डा० महावेब सीताराम जोशी, 70-एन, सरस्वती
डी० मार्ग, चेम्बूर, बम्बई-71।

(अन्तरक)

(2) बैंक ग्राफ महाराष्ट्रा 1177, बुधवार पेठ, पुणे-411002।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायांवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संविति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्रावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तारीख से 30 दिन को अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(उ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख '१
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधृ
किसी अन्य अवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पान
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के प्रधायाप 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अधाय में दिया गया
है।

अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग, जो
चेम्बूर गांव में, बम्बई नगर व उपनगर रजिस्ट्री-जिले व
उपजिले में, स्कीम नं० 3, चेम्बूर का प्लाट नं० 70 एन० है,
और जिसका माप भूमि प्रबंधक के नक्शे नं० डी० डी० एस०
एस० III 965 ता० 11-5-1928, में 666 वर्ग गज यानी
55.45 वर्ग मीटर दिखाया गया है। उक्त प्लाट नं० 70
एन० बम्बई नगरपालिका द्वारा मंजूर नक्शे के अनुसार
प्लाट नं० 70 वाले बड़े भू भाग का अंग है और दक्षिण
में प्लाट नं० 10-के, उत्तर में आशिक रूप से प्लाट नं०
70-ओ० व आशिक रूप से 70-आई नामक निकास, पूर्व
में प्लाट नं० 70-एम० व पश्चिम में प्लाट नं० 26 और
27 से घिरा हुआ है, उस पर खड़ी तहखाना, तल और
ऊपरी मंजिलों वाली इमारत सहित।

वी० के० सुश्रामणियन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन इलाका-3, बम्बई

दिनांक : 5 अक्टूबर 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

(1) श्रीमती एम० ए० बारिया

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) मेसर्सं, न्यू स्वास्तिक लैन्ड्स, डेवलोपमेन्ट कार्पोरेशन

(अन्तरिती)

269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, अर्जन रेज - 4 बम्बई

बम्बई, विनांक 13 नवम्बर 1978

निर्देश सं० ए० आर० 4/828 भई/78-79—अतः मुझे
आर० एम० पंजवानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
स्पष्ट से अधिक है

और जिस की सं० 123 ए, 124 (अंश) 65 (अंश) है, तथा
जो नाहर गांव में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
ओर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के प्रधीन दिनांक 16-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खेती की जमीनों या मैदान के बे तमाम टूकड़े या
भाग जो नाहर गांव में, रजिस्ट्री उप-जिला बान्द्रा, बम्बई
महानगर व उपनगर जिले में हैं, माप 17271.10 वर्गगज
(यानी 14440.37 वर्ग मीटर), एस० नं० 123 ए,
हिस्सा नं० 1 (अंश) एस० नं० 124 (अंश) व एस० नं०
165 (अंश) और जिसकी सीमा इस प्रकार बनती है :
अर्थात् दक्षिण की ओर अंशतः एस० नं० 125 (अंश)
बाली जमीन और अंशतः एस० नं० 123 ए हिस्सा नं० 2,
बाली जमीन, पश्चिम की ओर बे जमीन जो भारत के
राष्ट्रपति को बेच दी गई है और उत्तर व पूर्व में मूलुंड
गांव की सीमा है।

आर० एम० पंजवानी
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 4, बम्बई

दिनांक : 13 नवम्बर 1978

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

प्रकृष्ट आई०टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर 1978

निर्देश सं० एक्यू अर्जन III/1667/7/ए० पी०-280/78-
79—प्राप्त: मुझे, आर० एम० पंजवानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सभी संघीय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 18 सिटी सर्वे नं० 1074 (1 से 5 तक) है तथा जो वरसोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बांद्रा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-5-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अधिकार लिखित में वास्तविक रूप से दर्थित नहीं छिपा गया है:-

(र) अन्तरण में ही किसी आय का बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुद्रिधा के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में युक्तियों के लिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारों अर्थात् :—

(1) श्री शारदागिरी जीवनलाल शाह (2) धनसुखलाल जीवनलाल शाह और (3) पश्चा जीवनलाल शाह या पश्चा वीपीनचन्द्रा पारेख (अन्तरक)

(2) श्री मोहनलाल बासुदेव सीखीया (2) विनोद मोहन लाल सीखीया और (3) अशोक मोहनलाल सीखीया (अन्तरिती)

को यह पूछना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20वां में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पहली : सरकारी जमीन या मैदान, मीरसियों और परिसरों का वह तमाम टुकड़ा या भाग, उस पर खड़ी इमारत व ढांचों सहित, और जो "ग्रालियर पैलेस" के रूप में जाना जाता है वरसोवा के रेवेन्यू गांव में रजिस्ट्री उप-जिला बांद्रा, पहले के दक्षिण सालसेट तालुका किन्तु

अब के अंधेरी तालुका, बम्बई उप-नगर जिले अब बम्बई भागनगर, में मौजूद है, माप से 2023.4235 वर्ग मीटर या उसके आसपास (यानी 20 गुणा या 2420 वर्ग गज या उसके प्राप्त पास) है, और इसका सर्वे नं० 82 तथा हक रिकार्ड का इंदराज नं० 198 है और इसकी सीमा इस प्रकार है कि पूर्व की ओर अंशतः सार्वजनिक रोड, अंशतः पानी का एक पौखरा और अंशतः जान कासम मोहम्मद खोजा की सम्पत्ति, परिचम की ओर एक सार्वजनिक रास्ता जो पहले, सर्वे नं० 82 वाली जमीन का भाग था, उत्तर की ओर सरकारी इमारत स्थल नं० 7 और दक्षिण की ओर हाजी अब्दुल्ला हाजी अहमद का बकाया प्लोट जो पहले मिं० किश की थी और अब फामजी कावसजी बाटलीवाला की है।

दूसरी : सरकारी कठजे की जमीन या मैदान, का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो सब नं० 10 वाली जमीन का भाग है, वरसोवा के राजस्व गांव में रजिस्ट्री उप-जिला बांद्रा बहुत बम्बई के नगर व उप-नगर जिले पहले के दक्षिण सालसेट तालुका किन्तु अब के अंधेरी तालुका में मौजूद है, माप से 1416.4020 वर्गमीटर या उसके आसपास (यानी 14 गुणा या 1694 वर्ग गज या उसके प्राप्त पास है) और इसकी सीमा इस प्रकार है: कि उत्तर की सर्वे नं० 90 के अंश वाली जमीन, दक्षिण ओर प्लाट नं० 6, पूर्व की ओर एक सड़क और परिचम की ओर सर्वे नं० 82 वाली जमीन।

ओर ये कथित जमीनें मौरसियां और परिसर जो यहां ऊपर पहली ओर दूसरी बताई गई हैं, प्लाट नं० 18 के रूप में जानी जाती हैं और वास्तविक माप से 3637.1484 वर्ग मीटर या उसके आसपास (यानी 4350 वर्ग गज या उसके प्राप्त पास) हैं और जिसका महापालिका बांड नं० -714 के स्ट्रीट नं० 34, सात बंगला, सिटीसर्वे नं० 1074 (1 से 5 तक) है।

आर० एम० पंजवानी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

दिनांक : 20 सितम्बर 1978 अर्जन रेंज-III, बम्बई
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०-----
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-II दिल्ली-1

4/14क, आसफगढ़ी मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1 दिनांक 17 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/3672/78-79/
3441—उक्त मुझे, कवरजीत सिंह,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-/-
से अधिक है और जिसकी सं० 1092 है तथा जो कूचा नटवां, चांदनी
चौक, दिल्ली में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध अनूसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी पाद की बाबत उक्त प्रविनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या समसे बचने में मुश्किल के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या सम्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, लियाने में मुश्किल के लिए।

प्रत: प्रत, उक्त प्रविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण से
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपकारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवक्तु :—

(1) श्री अंसीधर, बृज मोहन, सुपुत्र श्री बाल किशन
श्री पदम चन्द, विजय कुमार, सुपुत्र श्री बनवारी लाल,
निवासी 1-अन्डर हिल लेन, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) श्री रतन लाल गुप्ता, सुपुत्र श्री भोला नाथ
निवासी 1103, कूचा नटवां, चांदनी चौक, दिल्ली ।
(अन्तरिती)

(3) भोला नाथ
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में वे
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पाज
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्याय 20-क में यथा परिचालित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अन्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ऐक ढाई मंजिला मकान जिसका नं० 1092 है और
कोनफल 225 वर्ग गज है, कूचा नटवां, चांदनी चौक,
इलाका नं० 2, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : अन्य व्यक्ति की जायदाद

पश्चिम : श्री जान चन्द की जायदाद

उत्तर : श्री लिलोकी चन्द गोयल की जायदाद

दक्षिण : दरवाजा मकान व गली

कवरजीत सिंह
सज्जम अधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, विल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 17 अक्टूबर 1978

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—————

आय सर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली-1

4/14क, आसफगढ़ी मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्य० II/3667/78-79/
3441—अतः मुझे कंवरजीत सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 12/3644-3647 है तथा जो गली थानेवाली, सब्जी मण्डी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुचि में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, 'उक्त अधिनियम' के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने पर उससे वर्तने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुत्तरमें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कुसुम लता, पत्नी श्री विजय कुमार गुप्ता बनाम विद्या कुमार गुप्ता, निवासी मकान नं० XII/3644-47, गली थानेवाली, ओल्ड सब्जी मण्डी, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मुरलीधर सुपुत्र श्री लाल चन्द, निवासी मकान नं० 2929/ XII, श्रावणीपुरा, ओल्ड सब्जी मण्डी, दिल्ली-110007।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जिसका नं० XII/3644-47 (तथा) है और क्षेत्रफल 120 वर्ग गज है, गली थानेवाली, ओल्ड सब्जी मण्डी, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : जायदाद नं० XII/3648

पश्चिम : गली

उत्तर : गली

दक्षिण : जायदाद नं० XII/3643

कंवरजीत सिंह
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 17 अक्टूबर 1978

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II दिल्ली-1
4/14क, आसफाली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 अक्टूबर 1978
निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/3673/78-79/
3441—अतः मुझे, कंवरजीत सिह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।
और जिसकी सं० जी-7 है तथा जो मानसरोवर गाँड़न, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक मार्ख, 1978
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित मर्हीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आधत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यासितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपस्थान (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त:—
4—366GI/78

- (1) श्री खान चन्द शर्मा तथा श्री ज्ञान चन्द शर्मा, सुपुत्र
पं उत्तम चन्द निवासी मकान नं० 69-बी, ब्लाक
नं० 'निल', मालविया नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
(2) श्री भूपिंद्र पाल (2) सतीष चन्द्र (3) गुलशन
कुमार, सुपुत्र श्री राम लाल, निवासी ए-2/59,
राजौरी गाँड़न, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बढ़
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेद्वारा किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका नं० 7, ब्लाक नं० 'जी' है और क्षेत्रफल 459 वर्ग गज है, मानसरोवर गाँड़न, बसाएवारापुर 'गांव', दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : प्लाट नं० जी-8(बना हुआ)

पश्चिम : रोड़

उत्तर : लेन

दक्षिण : रोड़

कंवरजीत सिह
सज्जम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 17 अक्टूबर 1978

मोहर :

प्रस्तुत प्राई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 सितम्बर 978

निदेश सं० बीजीआर/डी एस आई/14/77-78—अतः
मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269य
के अधीन सभी प्राविहारों को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 46 कनाल इमारत के साथ है
है तथा जो 17/4 माइल स्टोन मथुरा रोड, फरीदाबाद में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
पौरुषा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, लिपाने
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1)
अधिकारी, अर्जन :—

(1) मैसर्ज डेलटन केबल कं० 3455/57, दिल्ली गेट,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्ज डेलटन केबल इन्डस्ट्रीज प्रा० नि० 24-
दरियांगंज, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि 46 कनाल इमारत के साथ जो 17/4 माइल स्टोन
मथुरा रोड फरीदाबाद में स्थित है ।

"सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रेशन नं० 210 में दी है और
जो के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी दिल्ली के कार्यालय में
29-3-1978 को लिखी गई ।"

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 13 सितम्बर 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी० एन० एस०—————

प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को घारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, सोनीपत रोड, रोहतक
रोहतक दिनांक 22 सितम्बर 1978

निदेश सं० बी० जी० आर०/43/77-878—अतः मझे
रवीन्द्र कुमार पठानिया,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की
घारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० इन्डस्ट्रियल प्लाट नं० 93, सैक्टर 24
है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनन्दपुर्जी में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरेत की गई है और मूल्य
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दूश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
चहेय से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया था :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या
प्रभन्नकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-ग के
अनुसरण में, मेरे उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ष की
उप-घारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अन्तः—

(1) श्रीमती पुष्पा अग्रवाल, पत्नी श्री आर० पी० अग्रवाल
(2) श्री सुरेण अग्रवाल पुत्र श्री आर० पी० अग्रवाल
मार्केट मैस० फरीदाबाद अमेरी तथा इंजीनियरिंग
कं० फरीदाबाद

(अन्तरक)

(2) मै० माया मशीन टूल्स, प्लाट नं० 92, सैक्टर 24,
फरीदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हिस्साद्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ता-
करी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के प्रध्याय 20-क में परिचालित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ओष्ठोगिक प्लाट नं० 93, सैक्टर 24, फरीदाबाद
(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता बल्लभगढ़ के कार्यालय में
रजिस्ट्री क्रमांक 5976 तिथि 31-3-198 पर दर्ज है)

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण
अर्जन रेज, रोहतक

दिनांक : 22 सितम्बर 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 7 नवम्बर 1978

सं० 184/78-79—यतः मुझे (के० एस० बैंकट रामन) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 4-1-824/2 है, जो जे० एन० रास्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री राजकुमार गुप्ता पिता रूप किशोर गुप्ता घर नं० 17/4 विज्ञानपुरी हैदराबाद
(अन्तरक)

(2) श्री मास्टर हरीश कुमार मनर /गारडीन पिता श्री रामवतार, मैसर्स राम मेलाकानीकस घर नं० 5-4-17 जे० एन० रास्ता हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 4-1-824/2 जवाहरलाल नेहरू रास्ता हैदराबाद रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 1186/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० बैंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 7 नवम्बर 1978
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 7 नवम्बर 1978.

नं० 185/78-79—अतः मुझे, के० एस० बेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपय से अधिक है

और जिसकी सं० 4-1-824/1 है, जो जे० एन० रास्ता में स्थित है (और इससे उपांच अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक मार्च 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्ता:—

(1) श्री राज कुमार गुप्ता पिता रूप किशोर गुप्ता 17/4 विज्ञानपुरी हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गृनाबती बाई पती श्री राजेन्द्रा प्रसाद धर नं० 21-7-867 शानदी बाजार, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मुसूची

मलगी नं० 4-1-824/1 जबाहरलाल नेहरू रास्ता हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1187/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० बेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक 7 नवम्बर 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 7 नवम्बर 1978

सं० 186/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269च के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है।

और जिसकी सं० 4-1-824/3 है, जो जे० एन० रास्ता में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अन्तसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन मार्च 78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रतिरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण सिद्धि में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के प्रधीन कार देने के अस्तरक के दायित्व में कर्मी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269च की उपधारा
(1) के अद्वीत निम्नलिखित अविक्षियों, पर्याप्त—

(1) श्री राज कुमार गुप्ता पिता लूपकिशोर गुप्ता धर
नं० 17/4 विजानपुरी हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री मुसाबाई मिता श्री हसमभाई धर नं० 5-7-288
नगर आगामुरा हैदराबाद

(अन्तरीति)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयित करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रारंभ के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना
की सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों
में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 4-1-824/3 जे० एन० रास्ता हैदराबाद
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1200/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय
हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सकाम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक 7 नवम्बर 1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एस० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 8 नवम्बर 1978

सं० 187/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन), आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी म० 22-7-282 है, जो दीवानदेवडी हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आजमपुरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पछाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविष्ठा के लिए;

यस: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपस्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् ।—

(1) श्री एस० एच० असकरी घर नं० 6-3-1102/ए
सोमाजीक्षेत्र, हैदराबाद
(अन्तरक)

(2) श्री मास्टर अबासश्ली जेडकर पिता हाजी महमद
जेडकर (मैनर) उनके पिता श्री हाजी महमद
जाडकर मदीना होटल हैदराबाद
(2) कुमारी जहान बीबी पिता हाजी महमद
जडकर रकवाल पिता है हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सप्तसम्बन्धी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवधियों में से किसी अवित्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा अवोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उत्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 22-7-282 घोलुकाना के पास दीवान वेयडी के पास हैदराबाद रजिस्ट्री दास्तावेज नं० 583/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय आजमपुरा हैदराबाद में

के० एस० वेंकट रामन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 8 नवम्बर 1978
मोहर :

प्रसूप प्राई० टी० एन० एस०—
भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेंज, हैदराबाद
दिनांक 8 नवम्बर 1978

सं० 188/78-79—यतः मुझे (के० एस० वेंकट रामन) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269प के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3-6-364/1/2/3 है, जो बशीरबाग हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-3-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिफल की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित न किया हो गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269प के अनुसरण में, मैं 'उक्त प्रधिनियम' की धारा 269प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्ति :—

(1) डाक्टर सुतील कुमार मोदी (जी० पी० ए०) डाक्टर सी० एल० मोदी और श्रीमती प्रमीला मोदी पती डाक्टर सी० एस० मोदी 3-6-364 लिवरटी बुलडग बरशीरबाग हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री पी० जी० अदानी घर नं० 1-1-269 धीकडब पल्ली हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि थाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रधानीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया या है।

अनुसूची

मलगी नं० 3-6-364/1/2/3 (300 वर्ग फीट) लीबरटी मकान बशीरबाग हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 824/78 थौनट उपरजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सभम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रज्ञन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 8 नवम्बर 1978
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 416/ एकुरे० रेज-III /78-79/कल.—
अतः मुझे भासकर सेन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फेट सं० एकतन्त्रा पर है तथा जो इमन्डेमिल
गार्डेन्स, कलकत्ता, में स्थिति है (और इसके उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के
कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 1) के अधीन, तारीख 10-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चवांश प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्ताव के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथात्:—

5-366GI/78

1. मे० सेलीनी आनारशिप लफ्टल स्कीम प्रा० लिमि०
6, हेरिटेज स्ट्रीट, कलकत्ता-16 (अन्तरक)

2. श्रीमती रेनुकना मजुमादार 82 बालीबगंज गार्डेन्स,
कलकत्ता-16 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितशब्द
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

समुच्चा लफ्लट सं० एच०-१ तहला पर जो 2 भूमिल
गार्डेन्स, कलकत्ता पर अवस्थित 'जयजयन्ति' नामका मकान में
स्थित है।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-III कलकत्ता-16

दिनांक 8-11-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राप्ति 10 एकूण एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 नवम्बर 1978

टिकेंश सं. 417/एकुरे III/78-79/कल०—अतः मुझे भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ० फ्लैट बी, चारतला पर है तथा जो २, मन्डेमिल गार्डेन्स, कलकत्ता में स्थित है (और इसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रमण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रमण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की शब्दत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य स्थितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अन्तर्ति ।—

1. मे० सेलोनी श्रोनारशिप फ्लट्स स्कीम प्रा० लिमि० ६, हेरिटेज स्ट्रीट, कलकत्ता-16 (अन्तरक)

2. श्रीमती रेनु सेन 112 ए०, श्यामबाजार स्ट्रीट, कलकत्ता-5 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उम्म सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आमेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अवधित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवधित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचा

समुच्चा फ्लैट सं. बी०—८ तलापर जो २, मन्डेमिल गार्डेन्स, कलकत्ता पर अवस्थित 'जययन्ति' नामका मकान में स्थित है।

भास्कर सेन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज III
54, रफीअहमद किदवाई रोड
कलकत्ता-16

तारीख 8-11-1978

मोहर :

प्रश्न आई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 418 /एकुरे /78-79/ कल०—

अतः मुझे, भास्कर सेन,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, सूचियाना प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन प्रतम प्राधिकारी को, पहुंचित विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 'फल्ट' ई०, तिनतल्ला पर है तथा जो 2, मन्डेमिल गार्डेन्स, कलकत्ता स्थित है (और इसके उपावद्ध अनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के (और कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से ही किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों अर्थात्:—

1. मे० सेलोनी ओनरेशिप फ्लैट स्कीमस प्रा० लि० 6, हैरिटन स्ट्रीट, कलकत्ता-16
(अन्तरक)
2. श्रीमती रुबीमन्डल, 6/4 फार्न रोड कलकत्ता
(अन्तरितगी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रत्यक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में घासापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समुच्चा फ्लैट सं० ई०-तिनतल्ला पर जो 2, मन्डेमिल गार्डेन्स, कलकत्ता पर अवस्थित 'जयजयन्स' नामका मकान में स्थित है।

भास्कर सेन
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 54, रफीअहमद किदवर्झ रोड
कलकत्ता-16

तारीख 8-11-1978।

मोहर :

प्रलेप श्राई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 नवम्बर 1978

निर्देश सं० आर० 128/एक्य०—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 596 है तथा जो दरियाबाद, इलाहाबाद
में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इलाहाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 17-3-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तेज्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवक्षियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती हूओनरा बेगम (अन्तरक)
2. श्रीमती रहमतुन्निला, (अन्नरिती)
3. श्री रहमतुन्नसा (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अवधियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवधियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितभूत
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मफान नं० 596 दरियाबाद, इलाहाबाद वे सम्पत्ति का
वह सब विवरण जो कि फार्म 37 जी संख्या 1146 व
सेल डीड में वर्णित है जो कि सब-रजिस्ट्रार, इलाहाबाद के
कार्यालय में दिनांक 17-3-1978 को पंजीकृत हुए हैं।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख 13-11-78
मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 नवम्बर 1978

निदेश सं० डी०-३२/ एक्यू —अतः मुझे, अमर सिंह
बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट, 206, है तथा जो मौजा भगवान पुर,
वाराणसी में स्थित है (और इससे उदाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-३-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान
प्रतिफल का प्रत्यक्ष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय प्रा किसी धन या भव्य आस्तियों
को, जिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की
उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री द्वारका नाथ कौल (अन्तरक)
3. श्रीमती डी० इशरत (अन्तरिती)
3. श्री द्वारका नाथ कौल (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी भव्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 206 क्षेत्रफल 1500 वर्गमीटर स्थित मौजा
भगवान पुर, परगना देहात अमानत, वाराणसी व सम्पत्ति
का यह सब विवरण जो सेल डील और फार्म 37-जी संख्या
2616 में वर्णित है और जोकि सब रजिस्टर वाराणसी के
कार्यालय में दिनांक 29-३-1978 की पंजीकृत है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लखनऊ।

तारीख 20-11-1978।

मोहर :

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा

२६९-घ(१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर कार्यालय

दिनांक ३१ अगस्त १९७८

निवेद सं ए एस आर० ८८/७९-७९—यतः मुझे एन० पी० साहनी,

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० एच० एम० २५९०/ए/७ और १३६७/viii-८, एम सी ए चौकमुश्ती अमृतसर है तथा जो में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन, तारीख जनवरी १९७८। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तर्कर्ता) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रमत्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमत्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, १९२२ (१९९२ का ११) या उक्त अधिनियम, या इनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ के प्रनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा २६९-घ को उपाया (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यात् :—

१. श्री किशोरीलाल अग्रवाल पुत्र दुर्गादास अमृतसर (अन्तरक)

२. श्री जांदीशराय अग्रवाल पुत्र शाम दास अग्रवाल बाजार कठिया अमृतसर (अन्तरिती)

३. जैसा कि नं० रमे है। और यदि कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

४. कोई मनुष्य जो सम्पत्ति रुचिरखता हो (जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०क में परिभाषित हैं, वही पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० २५९०/A/७ और १३६७/viii-८ एम सी ए मुश्ती चौक अमृतसर रजिस्ट्रीकूट शिलेख नं० ३४७ दिनांक जनवरी १९७८ की रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में लिखा है।

एन० पी० साहनी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : ३१-८-१९७८.

मोहर :

प्रधन प्राईटी ० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 सितम्बर 1978

निदेश सं० ए. एस आर/78-79/52—यतः मुझे एन० पी०
साहनी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के प्रधीन सम्बन्धित कार्यालय को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति प्लाटनं० 45, कटडा कनईया, बाजार
पश्चालाला अमृतसर है तथा को अमृतसर में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर शेंदर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जनवरी 1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि गथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम
के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में बमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(द) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के प्रधीन,
निम्नलिखित अविस्तरों, अस्ति :—

1. श्रीमती सरसवी विधवा संत राम, कटडा कनईया,
अमृतसर

(अन्तरक)

2. श्री करशन लाल पुढ़ सन्त राम, प्लाट नं० 45
कटडा कनईया, बजार पश्चालाला, अमृतसर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में
सम्पत्ति है)।

4. और व्यक्ति सम्पत्ति में हच्छ रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
गमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
गच्छ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 45, कटडा कनईया अमृतसर शेंदर जैसा कि
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3568 है जो जनवरी 1978 में रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारी अमृतसर शिदर में लिखा है।

शिपी० एन० साहनी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 12 सितम्बर, 1978।

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईटी टी. एम. एस. —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनन रेज अमृतसर

दिनांक 4 अक्टूबर 1978

निदेश सं० ए० एस० आर०/78-79/61-यतः मुझे एन० पी०
साहनी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 875/IV-16-533/IV 16
कठड़ा मोहर सिंह अमृतसर, है तथा जो कठड़ा मोहर सिंह में
स्थित (और इससे उपबाहु अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शिदर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 27-3-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चवृ
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया
प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तव-
विक रूप से करित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा
के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1)
के अधीन विवरित वर्तितयों अवृन् -

1. श्री अरीदम जैन, राज कुमार जैन सुपुत्र श्री
जसवंत मल जैन रुद्धि भंडी, सदर बाजार दिल्ली through
श्री तिलक राज पुत्र श्री परेम चन्द, Kt. खजाना मोती मोहल्ला,
अमृतसर
(अन्तरक)

2. श्री परेम चन्द पुत्र करम चन्द मकान नं०
875IV- 16/533IV 16 कठड़ा मोहर सिंह अमृतसर-
(अन्तरिती)

3. जैसा कि मं० 2 ऊपर में है वा कोई कि रायेवार हो
तो (वह व्यति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई व्यक्ति जो कि इस सम्पत्ति में रुचि
रखता हो तो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याप्तिप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर भूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
भाव में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, और उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अमृतसर

माकन नं० 875/IV-16-533/IV-16- कठड़ा मोहर
सिंह अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीफ्लूट विलेख नं० 4375 है जो मार्च
1978 को अमृतसर शहर रजिस्टरिंग अधारिटी अमृतसर
शहर में है।

एन० पी० साहनी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 4 अक्टूबर, 1978।

मोहर :

प्रस्तुप ग्राइंड टी० एन० एस०---

1. कुन्जम्मा (2) वेबकि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. सी० वी० शन्करण

(अन्तरिती)

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 अगस्त 1918

निर्देश सं० एल० सी० 228/78-79—यतः मुझे पी० ओ० जार्ज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सभ्यता प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिस सं० अनुसूची के अनुसार है, जो मण्डला में स्थित है (और इससे उपावदू अनुसूची में पुर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चावकाड में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन 11-3-1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से लिखत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

1.85 acres of agricultural land as per schedule to document No. 314/78 dated 11-3-1978.

(ब) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

पी० ओ० जार्ज
समक्ष प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, एरणाकुलम

अतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधार्तः—

6—366 GI/78

दिनांक 21-8-1978
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

- (1) 1. Smt. Reinamma.
2. Sri Sugathan.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(प्रत्तरक)

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

- (2) Smt. Rajamony.

(अन्तरिती)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम्,

कोल्किता-16, दिनांक 25 अगस्त 1978

निर्देश सं० एल० सी० 238/78-79-यतःमुझे के०
नारायणमेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सकारा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची में अनुसार है, जो प्राप्तपूषा में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलेप्पुषा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-3-1978।

को पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृद्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे बृद्धमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने ये सुविधा के लिए;

अनुसूची

34 cents of land and buildings in Alleppey vide Schedule to Document No. 714/1978.

के० नारायण मेनोन
सकारा प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम्

तारीख : 25-9-1978

मोहर : |

न.०८: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण म, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रृष्ठ पाई ० टी० एन० एस०—————

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज, एरणाकुलम

कोचिन-16, दिनांक 25 अगस्त 1978

निदेश सं० एल० सी० 239/78-79—यतः मुझे के० नारायणमेनोन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सकाम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब्ल, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. डॉक्टर, शान्ता कुरुप 2. श्रीमती, सुवर्ण-कुमारी (अन्तरक)

(2) श्री 1. वी० के० श्रीनिवासन 2. श्रीमती, विनवासोमनी (अन्तरिती)

(3) पालाय सेंट्रल बैंक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्विरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2/3rd sight over 35 cents of land and building No. 35/74 of Cochin Corporation—vide Schedule to Document No. 883/1978.

के० नारायणमेनोन
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 25-9-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, सरणाकुलम
कोवीन-16, दिनांक 7-10-1978

निर्देश सं० एल० सी० 241/78-79—यतः मेज्जे वी०
मोहनलाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ए० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो तिथ्वनन्त-
पुरम, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
तिथ्वनन्तपुरम में भारतीय ऐजेंसीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 31-3-1978।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है, भौति भूमि यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से
अधिक है भौति अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित
उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की आवत, उक्त प्रधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने
या उससे 'बचने में सुविधा के लिए; और/या

(1) श्रीमती एल० दावषाणि प्रस्ता and 7 othe
(अन्तरक)
(2) श्रीमती अर० गीता वसन्त
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी अभेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30-दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

41 cents 672 sq. links of land with buildings in Sy. No.
1269 of Vanchiyoond village.

वी० मोहनलाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, एरणा-

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथाति :—

तारीख : 7-10-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०----

1. श्री वी० माथवन तपी

(प्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री पी० एस० मोहनन नायर

(प्रन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

3. रीजनल डिप्युटी डिरेक्टर आफ पब्लिक इनस्ट्रक्शन,
ट्रिवान्मुम।(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

अर्जन रेंज, सरणाकुलम

कोचीन, दिनांक 7 अक्टूबर 1978

निदेश सं० एल० सी० 242/78-79—यतः मेझे वी०
मोहनलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सभी स्थान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो तिरुवनन्तपुरम
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
तिरुवनन्तपुरम, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 15-3-1978।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ है प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने के सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यात् :—

1. श्री वी० माथवन तपी

(प्रन्तरक)

2. श्री पी० एस० मोहनन नायर

(प्रन्तरिती)

3. रीजनल डिप्युटी डिरेक्टर आफ पब्लिक इनस्ट्रक्शन,
ट्रिवान्मुम।(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोहस्ताशी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भी और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अमृषु १

44½ cents of land with buildings in Sy. No. 1232, 1230,
1231/A of Palkulangara village.

वी० मोहनलाल
सभी स्थान प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 12 अक्टूबर, 1978

मोहर :

प्रावृप्त प्राई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती संनदा बी० वी०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री डी० ए० सैदमुहम्मद

(अन्तरिती)

269ए (1) के प्रधीन सूचना

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 7 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० एल० सी० 243/78-79—यतः मुझे, बी० मोहनलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ए के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है,

और जिनकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो कोट्टयम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोट्टयम में पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोट्टयम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-3-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कालित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

इस: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्यात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

6½ cents of land with buildings in Sy. No. 8/6A/3/37 of Kottayam Village.

[बी० मोहनलाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 7-10-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰—

(1) श्रीमती बी॰ गुणपोद्मसाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(प्रन्तरक)

269-प(1) के अधीन सूचना

(2) श्री एल॰ कुन्जूकुन्ज

भारत सरकार

(अम्भारिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(3) श्री वेनकटाचला रेड्डियार और अन्य (वह अक्षित

अर्जेन रेज एरणाकुलम्

जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

कोषीन-16 तारीख 9 अक्टूबर 1978

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन के लिए कार्यवाहिया करता है।

निवेद सं॰ एल॰ सी॰ 244/78-79—यतः मुझे, बी॰ मोहनलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से प्रधिक है।

और जिसकी सं॰ अनुसूची के अनुसार है, जो कोमिलोण में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, केविकोण में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-3-1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रतिरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कृप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी भन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प(1) के अनुसार में, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-प(1) की उपचारा (1) निम्नलिखित अक्षितयों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जेन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अक्षितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षितयों में से किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-फ में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

40 cents 175 sq. links of land with buildings in Onilon village Sy. No. 8593, 8594, 8595.

बी॰ मोहनलाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जेन रेज- एरणाकुलम्

दिनांक : 9-10-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी० एन०एस०————

(१) श्री अष्टपूर्णनी (अन्तरक)

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (१) के अधीन सूचना

(२) श्री आर० वीरमनी और तीन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अगस्त 1978

निदेश सं० ३ से ६ मार्च १९७८—यतः, मुझे, ओ० आनन्दराम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ₹ से अधिक है,

और जिसकी सं० है जो तड़गम गांव, दरमपुरी तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ओ०, दरमपुरी नारत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन 4-2-1978 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पांच गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आगरीकलचरल लेड्स- 670 एकरस और टेरास्ड बिलडिंसज 2000 स्कोयर फट अट तड़गम बीलजे, दरमपुरी तालुक।

ओ० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपकारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 29-8-1978

मोहर :

प्रदूष प्राईटी ८० एन० एस० ----

(१) श्री मोहम्मद बाग अबदुल हुसैन (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269-वा (१) के अधीन सूचना

(२) श्री शीफाकाना II इयेवना यूसुफ (अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 सितम्बर 1978

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप :--

निवेश सं० 28 मार्च 1978—यतः मुझे ओ० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 27/28, है, जो यगमूर है रोड, मद्रास-८ में स्थित है (और इससे उपावन्द में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जा० सब-रजिस्ट्रार मद्रास नारत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-३-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रतिफल (प्रतिशतों) और अन्तरक (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप में कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।

प्रभुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि और बीलडीग्जस, सं० 27/28 (ओलड सं० 21/22), यगमूर है रोड, यगमर, मद्रास ।

ओ० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की वारा 269-वा के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की वारा 269-वा की उपवारा (१) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, यथात् :—

7-366GI/78

दिनांक 19-९-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन०एस०—————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

को धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-१, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20, सितम्बर 1978

निदेश सं० 18/मार्च/78—यत् मुझे औ० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

झौर जिसकी सं० डेपो सं० 200 है जो नेहरू टीम्बर मारट वेपेरी मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार पेरीयमेट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-३-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्ति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरक्तो) और अन्तरिती (ग्रन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के बायित्य में करी करने या उससे बचते में सुविधा के लिए; और/था

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या ग्रन्त आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ ग्रन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्किल के लिए;

ग्रन्त: ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के ग्रन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारीयोंग्राह्यतः:—

- (1) श्री पी० सीबप्रकाश मूलीयार (ग्रन्तरक)
(2) श्री रामजी ओपाल पठेल (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्तन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्तन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अविक्षितियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षितियों में से किसी अविक्षित द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्पावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्त अविक्षित द्वारा अधिवृहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

इच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रन्त्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रन्त्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डेपो सं० 200, "नेहरू टीम्बर मारट, सैड्नेंडाम्स रोड, वेपेरी, मद्रास।

ओ० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-१, मद्रास

तारीख : 20-९-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंट टी० एन० एम०--

(1) श्री चिन्नदुरै और एक

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री गणेशन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)।

अर्जन रेंज- I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 सितम्बर 1978

निवेश सं 9 मार्च 1978—यतः, मुझे श्रो० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं ० है जो उत्तमपूरम गांव में स्थित है (और इससे उपाख्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० श्रो० कमबम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सायंत्र में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

4.98 acres of dry garden land in Uthamapuram Vgc.

श्रो० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

प्रतः ग्रन्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रकृष्टरच में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) अधीन, निम्नलिखित अधिस्थायों, अर्थात्:—

दिनांक : 30-9-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आवा
269वां (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 सितम्बर 1978

निदेश सं. 10 मार्च 1978—यतः मुझे ओ० आनन्दराम प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269वां के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. है जो उत्तमपुरम गांव में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० ओ० कमबम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पनडू प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिये तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाव को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के प्रस्तावक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी घाव या किसी छन या अन्य घासियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः उक्त अधिनियम की आरा 269वां के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की आरा 269वां की उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारों, अवधारित—

(1) श्री वी० चंद्रसेकरन और एक (अन्तरक)

(2) श्री के० मूरुगेसन (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तमांधी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

4. 98, एकरस डीरे भूमि, उत्तमपुरम गांव में।

ओ० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर भागुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख 30-9-1978

मोहर :

प्रस्तुप थाई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 सितम्बर 1978

निवेश सं० 25 मार्च 1978—यतः, मेहो ओ० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की ओरा 269-व के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 7, है जो अकील कोटनू स्ट्रीट, रामनादपुरम डिस्ट्रीक्ट में स्थित है (और इससे उपानद्वे में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ओ० रामनादपुरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-3-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चव अधिकार से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कापित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की ओरा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की ओरा 269-व की उपचारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवार्त:—

(1) श्री पी० एम० मुस्तफा (अन्तरक) (अन्तरक)

(2) श्री एस० अब्दूल हासन (अन्तरिती) (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोषित द्वारा, अस्तोत्तराक्षरी के पास लिखित में निए त्रा नहें।

ल्पव्वोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भुमि और मकान, 7, अकील कोटनू स्ट्रीट, रामनादपुरम डिस्ट्रीक्ट।

ओ० आनन्दराम
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज,- मद्रास

तारीख : 30-9-1978

मोहर :

प्रलय आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१ मद्रास

मद्रास दिनांक 30 सितम्बर 1978

निदेश स० 33/मार्च 1978—यतः, मुझे ओ० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम हा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी स० है, जो सेतुरायन पुद्दर गांव पक्कर गांव और बैंकटरणपूरम गांव तिरुनेलवली डिस्ट्रीक्ट में स्थित है (ग्रौर इसे उपावद्ध में और पृण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ओ० तिरुनेलवली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-३-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—

(1) श्री सामी प्रकट लिमिटेड (अन्तरक)

(अन्तरक)

(2) अगरीकलचरल फार्म लिमिटेड (अन्तरिती)

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इम सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किए अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोस्त्खानी के पास निवित म किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुखसूची

53.75 एकरस भूमि सेतुरायनपुद्दर गांव, तिरुनेलवली डि० में, 50.00 एकरस मूलि पुद्दर गांव में, और 12.13 एकरस बैंकटरणपूरम गांव में।

ओ० आनन्दराम
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-१, मद्रास

तारीख: 30-९-१९७८।

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंस टी० एन० एस०-----

(1) श्रीमती पालत गंगा वेबी (ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के प्रधीन सूचना

(2) श्रीमती आर० मरोजा (ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 अक्टूबर 1978

निदश स० 37 मार्च 197—यतः, मृष्टे श्रो० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० 31 और 32, है, जो खानपालयम फोरत स्ट्रीट मदूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जै० एस० आर० श्रो० II मदुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मृष्टे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्षुतिबद्ध किसी ग्रन्त व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही मर्यादा होगा, जो उस परिभाय में दिया गया है।

अनुसूची

2340 स्कोपर फूट भूमि और मकान 31 और 32 खानपालयम फोरत स्ट्रीट, मदुरै।

श्रो० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या ग्रन्त आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 के ग्रन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ख की उपशाश (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्ति :—

तारीख : 4-10-78

मोहर:

प्रसूप प्राईडी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास,

मद्रास, दिनांक 3 नवम्बर 1978

निवेश स० 8165—पत्रः, मुझे टी० जी०
कृष्णमूरती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी स० 1 है, जो श्रीनगर कालौनी, मद्रास, 15
में स्थित है (और इससे उपावद्व में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सैंडा मद्रास
(ठाक स० 296/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती स्वरनम रमनी, श्री आर० राममूरती
प्रीर श्रीमती विजयलक्ष्मी (प्रबागर)

(अन्तरक)

(2) एस० पी० एस० एस० रासधी, सुशमनीय चट्टीयार
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन वही अवधि या तस्वीरभूषी आक्तियों वर
सूचना की तारीख से 30 दिन की आवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोक्षेत्रकारी के पास
लिखित में किए जा सकें।

रजिस्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और धर अट स० श्रीनगर कालौनी, मद्रास-15

टी० बी० जी० कृष्णमूरती
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 3-11-1978

मोहर :

प्रकल्प ग्राइंड टी० एन० एस०—————

(1) श्री जी० एम० मोहम्मद ईस्वमायिल (अन्तरक)

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री के० बाडिराजा (अन्तरिती)

बारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास,

मद्रास, दिनांक 3 नवम्बर 1978

निदेश सं० 8136—यतः मुझे टी० वी० जी० कृष्ण-
मूर्ति,ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की बारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक हैश्रीर जिसकी सं० 23/373, है, जो श्रीफनकार स्ट्रीट कोयम-
बास्तुर, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पण्ठ रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम-
बास्तुर डाकूमेन्ट सं० (580/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्या
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में
लिखित बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः यदि उक्त अधिनियम की बारा 269 व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की बारा 269 व की उपायारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
8-366GI78को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माझेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि पर उसमध्ये व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी भाय व्यक्ति द्वारा, भाग्यहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि और घर अड 23/373, श्रीफनकार स्ट्रीट,
कोयमबास्तुरटी० वी० जी० कृष्णमर्ति
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख : 3-11-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जून 1978

निर्देश सं० 966/अर्जन/मथुरा/7778—अतः मुझे
आर० पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में
और पर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय मथुरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख मार्च 1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्दृष्टि किसी आय की वायत उक्त
अधिनियम के अधीन कर बोने के प्रस्तरक
के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी ब्रन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या छन्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थात् :—

1 श्री मोती लाल खेतान प्लाट नं० 5 माधो निवास
वृन्दावन जिला मथुरा

(अन्तरक)

2 श्री आनन्दमयी आश्रम वृन्दावन, जिला मथुरा
(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाश्री के पास
विद्वित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही मर्याद होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

अन्वेत सम्पत्ति भूमि एवं बिल्डिंग माधो निवास प्लाट
नं० 5 वृन्दावन जिला मथुरा 65,000 के विक्रय मूल्य ने
बेची गयी।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक 16-6-1978

मोहर :

प्रसूप माई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 सितम्बर 1978

निदेश नं० अर्जन/3/कझौज/1978-79/2026—ग्रतः मुझे
आर० पी० भार्गव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को
धारा 269-व के प्रधान सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- ६० से अधिक है

और जिसकी सं..... है तथा जो..... में स्थित
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कझौज में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख माघ 78
को पूर्वीत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रमत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि दृश्यपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से
प्रधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और प्रत्यक्षी
(प्रत्यक्षियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

(5) प्रत्यक्ष में हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(6) एसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अमरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः प्रब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के अनुसंदर्भ
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, भर्ता :—

1. श्री सुखदेव बहादुर सिंह पुत्र देवेन्द्र सिंह निवासी लोहामढ
परगना व तह० कझौज जिला फरखाबाद (अन्तरक)
2. श्री तुलाराम व खुशीराम पुत्र जुग्गा निवासी नथडुब्बी
मैजा राजामऊ पी० लोहामढ परगना व तह० कझौज
जिं० फरखाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के
लिए कार्यवाहिमां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के ग्रंथन के संबंध में कोई भी आश्रेप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अधिकारी द्वारा अधिवहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 के परिमाणित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

ग्रचल कृषि सम्पत्ति 7-91 एकड़ स्थित लोहामढ कझौज
जिला फरखाबाद 78900/- में बेची गयी ।

ग्राम पी० भार्गव,
सक्रम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 28-9-78

मोहर :

प्रस्तुप माई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 जून 1978

निदेश नं० अर्जन/14/मथुरा/77-78/2027—अतः मुझ,
आर० पी० भार्गव

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं..... है तथा जो..... में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-3-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय को बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या।

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों, को जिन्हे भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या छन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बहु: अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के प्राप्तशरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री लव खट्टी खुद व मस्तारश्वाम कुश खट्टी व स्त्री द स्त्री द ख निवासी क्रमशः अमेरिका व लन्दन व श्रीमती कृष्ण खट्टी निवासी डैम्पियर नगर, मथुरा (अन्तरक)

2. श्री प्रोन प्रहार व गोपील दास निवासी सतघड़ा जिला मथुरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यबाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

यह सम्पत्ति नं० 1896/7 डैम्पियर नगर, मथुरा 90,000 में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव,
सक्षम प्राधिकारी,
(सहायक प्रायकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 28-6-78

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 जून 1978

निदेश नं० अर्जन/12/मथुरा/78-79/2029—ग्रतः मुझे,
आर० पी० भार्गव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं०.....है तथा जो.....में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मथुरा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-3-78
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से मुझे किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1)
निम्नलिखित अविक्षियों, ग्रथतः:—

1. फतेह लाल व रतन लाल पुत्रगण रमन लाल उमरा पुत्र
फतेह लाल हेमत पुत्र रतन लाल निवासी डैम्पियर नगर, मथुरा
(अन्तरक)

2. श्री राम बाबू पुत्र न्यासी राम भरतपुर वरवाजा मथुरा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
विद्या गया है।

अनुसूची

भूमि व मकान नं० 102/5 भरतपुर वरवाजा जिला मथुरा
65,000 में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव,
सहायक आयकर आयकर, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 28-6-78

मोदर:

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 जून 1978

निदेश नं० अर्जन/13/मथुरा/78-79/2030—अतः मुझे, आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी स०.....है तथा जो.....में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मथुरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-3-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री फतेह लाल व रतन लाल पुत्रगण रमन लाल, उमण पुत्र फतेह लाल व हेमत पुत्र रतन लाल निवासी डैम्पियर नगर मथुरा (अन्तरक)
2. श्रीमती विद्या देवी स्त्री बिहारी लाल व बिहारी लाल पुत्र मोती लाल निवासी भरतपुर दरवाजा जिला मथुरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि व भवत नं० 102/10 भरतपुर दरवाजा बड़ीनगर मथुरा 55,000 में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 28-6-78

मोहर:

गढ़ा माई० टो० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 26 जुलाई 1978

निदेश नं० अर्जन/10/इटावा/78-79/—अतः मुझे, एल०
एम० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं०..... है तथा जो.....में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय इटावा में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख माच 78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रमत्रक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपचारा (1)
प्रधीन, निम्नलिखित उपलब्धों, अर्थात्:—

1. श्रीमती गोमती देवी पुत्री दुलाराम स्त्री बादन सिंह निवासी
बिहारी भटपुरा पो० गीजा जिला इटावा (अन्तरक)

2. श्री कृपाल सिंह (व्यस्क) विजयपाल सिंह दन्दपाल सिंह,
चन्दपाल सिंह (ना० वा०) द्वारा छेदीलाल (पिता) व

श्री छेदीलाल पुत्र सूरज पाल सिंह, साधू सिंह, नाथूराम,
ठोटे लाल पुत्रगण हजूरी सिंह निवासी धमना की मड़या
डा० अर्जनपुर जिं० इटावा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मात्थी व्यक्तियों पर
सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होली हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अन्तरिती
नियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही
घर्ष होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 16-19 एकड़ (1/2 भाग) स्थित ग्राम धमना
जिला इटावा 24,000 में बेची गयी।

एल० एन० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर।

तारीख: 26-7-78

मोहर:

प्रकाप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 सितम्बर 1978

निदेश नं० 18070/अर्जन/मेरठ/77-78—अतः मुझे थी०
सी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार
में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-3-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृथमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और भास्तरक (भास्तरकों) और भास्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भास्तरण सिद्धित में वास्तविक
रूप से कथित महीं किया गया है :—

(क) भास्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के भास्तरक
के बायित्व में कभी करने या उससे बदने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना आवृद्धि था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के
अनुतरण में, मेरठ अधिनियम की धारा 269-व की
उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती ओमवती पत्नी महेन्द्र कुमार गर्ग एडवोकेट
85, नवयुग मार्केट गाँव बाद (अन्तरित)

2. मैसर्से फतेहचन्द जगमंदर दास जैन 73 दालमंडी, सदर,
मेरठ द्वारा श्री जगमेदर दास (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

उपचारण :—इसमें प्रपुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय
में दिया गया है।

मनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि एवं बिल्डिंग नं० 73 स्थित दालमंडी
सदर मेरठ कैन्ट 35,000 के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

बी० सी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 20-9-78

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 सितम्बर 1978

निदेश नं० 1054/अर्जन/हरिद्वार/78-79—अतः मुझे
बी० सी० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 खे
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-3-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य स्वास्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति:—

9-366GI/78

1. श्री राम किशोर दास चेला श्री बलदेव दास मुख्तार आम
महंत बलदेव दास चेला महंत हरिहर निं० राम मंदिर
देवलम रोड खारा अस्सी-52 (अन्तरक)

2. श्री डाक्टर आनन्द प्रकाश मेहता पुत्र श्री सीताराम मेहता
निं० माफेत, अवण नाथ नगर हरिद्वार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताश्री के पास
लिखित में किए जा सकते।

स्वास्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि एवं बिल्डिंग नं० 232 श्रवणनाथ नगर
हरिद्वार 70,000 के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 20-9-78

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269ब (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त । (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 सिसम्बर, 1978

निदेश नं० अर्जन/169/ग्रागरा/78-79—अतः मूल्य बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं०.....है तथा जो.....में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, देल्ही में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-3-78 को पूर्णकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया यदा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में रुपों करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और अंग

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी घन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जी० एल० सिप्सटोन, सोगानी भवन लाल कोठी एवरेस्ट कालोनी जयपुर-302004 (अन्तरक)

2. श्री विवेक लाल सी-3/1 सफदरगंज इनक्लेव नई दिल्ली-16 (अन्तरिती)

मैं यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधीय व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयृष्ट शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि व भवन नं० 62 खण्डारी रोड, ग्रागरा 88,000/-में बेची गयी।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 25-9-78
मोहर :

प्रलग्न आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 26 सितम्बर, 1978

निदेश नं० अर्जन/135/आैरैया/78-79—श्रतः मुझे बी० सी०
चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं०.....है तथा जो.....में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आैरैया में, रजिस्ट्रीव रण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख
21-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विद्या
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री खूरदू पुत्र राम किसन निवासी ग्राम मिहौली पो०
पनहर परगना आैरैया जिला इटावा (अन्तरक)
2. श्री हरीदत्त पुत्र बालकराम दुबे निवासी ग्राम मिहौली
पो० पनहर परगना आैरैया जिला इटावा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

अचल कृषि सम्पत्ति 4. 30 एकड़ स्थित ग्राम मिहौली परगना
आैरैया जिला इटावा 23000) में बेची गयी।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 26-9-78

मोहर:

प्रस्तुप प्राईटी टी. एन. एस.—

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269वाँ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 अक्टूबर 1978

निदेश नं० अर्जन/56-ए/देहरादून/78-79—अतः मुझे भी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वाँ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-3-78 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269 वा० के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 वा० की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री मेजर पाल सिंह सिंदू पुत्र स्व० स० भगवान सिंह सिंदू निवासी मकान नं० 448, सैकटर 35-ए चन्डीगढ़ (अन्तरक)

2. श्रीमती रमा प्रसाद पत्नी स्व० रामेश्वर प्रसाद निवासी 2/1415, नन्द कुटीर एहमद बाग देल्ली रोड, सहारनपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अधीन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति नं० 3 टरनर रोड क्लिमेट टाउन, देहरादून में स्थित है। जिसका हस्तांतरण 80,000/- में हुआ है।

भी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 9-10-78

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 अक्टूबर 1978

निकेश नं० अर्जन/977/कानपुर/77-78—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इष्टए से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-3-78 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रतिशत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स एच० टी० कैमिकल्स लेब्रोट्रीज, 97 इण्डस्ट्रियल स्टेट, कानपुर
(अन्तरक)

2. श्री प्रवीन चन्द्र पुत्र मथुरा दास निवासी 50/222 दालसी रोड, कानपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजनन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

अन्तर्ल सम्पत्ति नं० 97 जो कि इण्डस्ट्रियल स्टेट कालपी रोड पर स्थित है। जिसका हस्तांतरण 1,00,000) में हुआ है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 9-10-78

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ए(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निदेश नं० अर्जन/1/कोंच/78-79—अतः मुझे, विजय भार्गव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दफ्तर के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन संथाम प्राधिकारी को यह विश्वास वारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०..... है तथा जो..... में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूतों में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर अधिकारी के कार्यालय कोंच, जालौन में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 23-3-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घटनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्घटनान प्रतिफल से, ऐसे दूर्घटनान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाशा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ओप को बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के जालियन में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या भूम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27) के प्रयोजनायां अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अपत्ति:—

1. श्री अश्वुल समद पुत्र बनजी रखां ग्राम छानी कोंच हाल, भगत सिंह नगर कोंच, जालौन (अन्तरक)
2. श्री राम सिंह व रामजी पुत्र टीका राम ग्राम मैनपुरा पो० गुरावली जिं० जालौन (अन्तरिती)
3. श्री राम सिंह व रामजी पुत्र श्री टीका राम ग्राम मैनपुरा पो० गिरावली जिला जालौन (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर पूछना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृष्टाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 14-43 एकड़ स्थित ग्राम छानी भगत सिंह नगर कोंच 66435/- में बेची गयी।

विजय भार्गव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 4-11-78

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिसंबर 4 नवम्बर 1978

निदेश नं० अर्जन/20/मेरठ/77-79—अतः मुझे, विजय भार्गव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं०..... है तथा जो..... में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-3-78 को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्रीमती सूर्यवाला गुप्ता श्री सुरेशचन्द्र गुप्ता 274 नुनिया मोहला मेरठ कैन्ट (अन्तरक)

2. श्री ग्यानर्सिंह पुत्र फर्मी याह, गुलजीत सिंह व जसपालसिंह पुत्रगण श्री ग्यानर्सिंह निवासी बी०/एफ० 31 टैगोर गाँड़न, नई दिल्ली (अन्तरिती)

3. जैसा कि 1 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक—

(क) इन पुत्रों के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में अप्रत्यक्ष होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इन पुत्रों के राजपत्र भ प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबम्ब हिसों अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके।

सहाय्यक:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के प्रत्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अथ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति सरीला लाज व माल साइड वर्तमान नाम होटल बुडलैंड स्थित दिमाल मंसूरी रोड ऑफिल 60 एकड़ 130,000 में वेची गयी जिसका कि बाजारी मूल्य 2,76,300 है।

विजय भार्गव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 4-11-78

मोहर :

प्रस्तुप माझे० टी० एम० एस०—

1. श्रीमती के० रामशेषम्मा प्रसादमपाडु (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री बी० सुब्राह्मासार्त्ति गुनादका (अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 31 अगस्त 1978

सं० 781—यतः मुझे, एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
से अधिक है।

और जिसकी सं० 57/1 है, जो प्रसादमपाडु में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-3-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यद्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छत या अन्य आस्तियों
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वयन
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिये;

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाँक्षिक अन्त 15-3-78
में पंजीकृत वस्तावेज नं० 795/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
एम० वि० अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 31-8-78

मोहर :

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, जे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

1. श्री पठान विक्रु विजयवाडा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 31 अगस्त, 1978

सं० 782—यतः मुझे, एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 249/2 है, जो जक्कामपूडी में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-3-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत, से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी में पाक्षिक अंत 15-3-78
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 884/78 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ति ।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
एम वि अर्जन रेज, काकीनाडा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

10-366 GI/78

तारीख: 31-8-78

मोहर :

प्रखण्ड धाई० टी० एन० एस० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्तुक्ष (निरीक्षण)

अर्जन रज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 31 अगस्त 1978

सं० 783—यतः मुझे, एन० के० नागराजन, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/115 है, जो बोम्मुलूर में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडिवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-3-78 को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्री एल० सीतारामन्जेनयुलू, को बोम्मुलूर। (अन्तरक)

2. श्री एल० श्रीलक्ष्मीवर प्रसूनामवा बोम्मुलूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सांकेतिकरण :—इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वह अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की वावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुश्किल के लिए;

एवं, यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुमति में, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपदारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

गुडिवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाँचिक अंत 15-3-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 677/78 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
एम वि अर्जन रेज, काकीनाडा

तारीख: 31-8-78
मोहर:

प्रकृष्ट प्राइंटी ट्री० एन० एस० ——

1. श्रीमती एम० लक्ष्मीनरसम्मा विजयवाडा (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 31 अगस्त, 1978

सं० 784—यतः मुझे, एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सम्भव प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० II/38पी है, जो माचबरम में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-3-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रत, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी—

2. श्री सी० एच० वज्रकुमारी, विजयवाडा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षि द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितृष्ठ द्वितीय अन्य अविक्षि द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

सम्पादकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही प्रयोग होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-3-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 813/78 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
एम वि ग्रन्जन रेज, काकीनाडा

तारीख: 31-8-78

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी ० एन० एस० —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वां (1) के भवीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 31 अगस्त 1978
सं० 785—प्रतः मुझे, एन० के० नागराजन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वां
के भवीत सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक है

और जिसकी सं० II/38पी है, जो माजबरम में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों)
और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथ याय गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के भवीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रथ्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वां के अनुसार सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269वां की उपस्थाता (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात्:—

1. श्रीमती एम० लक्ष्मीनरसम्मा, विजयवाडा (अन्तरक)

2. कुमारी सिंह० एच० वज्रकुमारी, विजयवाडा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के नीतर पूर्वोक्त अधिकारी में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाकिश अंत 15-5-78
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2182/78 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
एम० वी० अर्जन रेज, काकीनाडा

तारीख: 31-8-78

मोहर :

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 14 सितम्बर, 1978

सं० 790—यतः मुझे, एन० के० नागराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एवं 63/3 है, जो एलूरू में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एलूरू में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-3-78 कौ पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) एस० मुश्हमन्य चक्रधर (2) एस० रामानारायण राव (3) एस० गिरिधर गोपाल एलूरू (अन्तरक)

2. श्री यालंगडा स्वर्नलता एलूरू (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोषिताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वन्नी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एलूरू रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-3-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1028/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
एम० वी० अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 14-9-78

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 14 सितम्बर, 1978

सं० 791—यतः मुझे, एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 463/3 है, जो एलूरु में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, एलूरु में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्याति:—

1. श्री एम० सुब्रह्मन्या चक्रधर (2) एस०रामा नारायणराव
(3) एस० गिरिधर गोपाल एलूरु।
(अन्तरक)

2. श्री यालंगडा जगन मोहन राव एलूरु (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाहीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एलूरु रजिस्ट्री अधिकारी से पालिक अंत 30-3-78 में पंजी-
कृत दस्तावेज सं० 1029/78 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ती ।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
एम० वी० अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 14-9-78

मोहन:

प्रस्तुता आई०टो०एन०एम०—→

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 14 सितम्बर, 1978

निर्देश सं० 792—यतः मुझे, एन० के० नागराजन प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 13-4-3 है, जो विजयनगरम म स्थित है और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय विजयनगरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-3-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से बुर्ड किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्ति :—

1. श्रीमति बी० रामबाई विजयनगरम (अन्तरक)

2. श्री अरुणकुमार मुरारका विजयनगरम (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तावारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे :

हाउटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयनगरम रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी से पांचिक अंत 15-3-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 893/78 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति ।

एन के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
एम० बी० अर्जन रेंज, काकिनाडा

दिनांक 14-9-1978
मोहर

प्रस्तुप मार्गी० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सदूयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 23 सितम्बर, 1978

सं० 797—यतः मुझे, एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० 134/2 है, जो रामाकरप्पाडु में स्थित
है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में भार-
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 21-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
मिळनलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
पो, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा—

1. श्री एन० सत्यनारायण विजयवाडा (अन्तरक)

2. श्री हिंदुस्तान मुगरस विजयवाडा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के लिए
कार्यशालियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताकरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्थापोकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथं
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-3-78
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1045/68 में निर्गमित अनुसूची
संपत्ति ।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
एम बी अर्जन रेंज, काकिनाडा

दिनांक 23-9-78
मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्रीमति एन० सीतामहलक्ष्मी विजयवाडा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 23 सितम्बर 1978

सं० 798—यतः मुझे, एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा
के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक है

और जिसकी सं० 135/1 है, जो रामावरपाड में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 21-3-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति
प्रतिष्ठान से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रथ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री प्रधिकारी से पाक्षिक अन्त 31-3-78 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 1046/78 में निगमित अनुसूची
संवत्ति ।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, काकीनाडा

अतः, घब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मेरे उक्त अधिनियम, की धारा 269ष की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अविक्षियों अवार्द्ध :—

11—366 GI/78

दिनांक 23-9-78
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 23 सितम्बर 1978

सं० 799—अतः मुझे एन० के० नागराजन
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० 1621 है, जो पालाकोल में स्थित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पालाकोल में भार-
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन मार्च, 78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या निनी व्यव या अन्य आस्तियों को,
जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धननकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
निम्नलिखित व्यक्तियों, के अधीन अर्थात् :—

1. श्री एन० पापाराव (2) एन० बेंकटासुन्नाराव
(3) एन० बेंकटा रामाकृष्ण पालाकोल। (अन्तरक)

2. श्रीमति जि० सर्वनू मुख्यी पालाकोल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संधीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पालाकोल रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-3-78
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 383/78 में निगमित अनुसूची
संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 23-9-78

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकीनाडा
काकीनाडा दिनांक 23 सितम्बर, 1978

सं० 800 —अतः मुझे एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 268-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 30-1-20 है, जो पालाकोल में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पाल
कोल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, पाल
कोल में अधीन मार्च, 78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् ।—

1. श्री एन० पापाराव (2) एन० वैकटासुब्राह्मण
(3) एन० वैकटारामाकृष्ण पालाकोल (अन्तरक)
2. जि० राधाकृष्णमूर्ति पालाकोल (अन्तरिती)
3. श्री बि० रामाचन्द्राराज (2) एम० कृष्णमूर्ति
पालाकोल (वह यक्ति जिसके अधिभोग से संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

पालकोल रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-3-78
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 384/78 में निगमति अनुसूची
संपत्ति ।

एन० के० रानागराजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकीनाडा

दिनांक : 23-9-78

मोहर :

प्रलुप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 23 सितम्बर 1978

सं० 801—अतः मुझे, एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को
आरा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1621 है, जो पालकोल में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पालकोल में भार-
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन मार्च, 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अस्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भग्न आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, को आरा 269-व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की आरा 269-व (1) की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एन० पापाराव (2) एन० वेकटा सुब्बाराव
(3) एन० वेकटारामाशुण पालाकोल (अन्तरक)

2. श्रीमति जि० चिट्ठी अम्माजी पालाकोल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविकल्पों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अस्तियों में से किसी अस्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी भग्न अस्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं
वही प्रथम होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

पालकोल रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-3-78
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 385/78 में निर्गमित अनुसूची
संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकीनाडा

दिनांक : 23-9-78

मोहर :

प्रस्तुप पाई० टी०एन० एसः—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
बारा 269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 23 सितम्बर 1978

सं० 802—अतः मुझे, एन० के० नागराजन
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-अ
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 30-1-26 है, जो पालाकोल में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पालाकोल में भार-
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन मार्च, 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजू, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-अ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की बारा 269-अ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित अवताः :—

1. श्री एन० पापाराव (2) एन० वेंकट सुम्माराव
(3) एन० वेंकटारामाकृष्ण, पालाकोल (अन्तरक)
2. श्रीमति जिं लक्ष्मीकान्तम पालाकोल
(अन्तरिती)

3. श्री बिं रमचन्द्राराजू (2) जिं अप्पाराव, पालाकोल
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि धाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पालाकोल रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-3-78 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 386/78 में निगमति अनुसूची
संपत्ति ।

एन० के० नागराजन
सक्रम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकीनाडा,

दिनांक : 23-9-78

मोहर :

प्रैरुप आई० ई० एन० एस०————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 23 सितम्बर, 1978

दिनांक 803—यतः मुझे, एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 30-1-23 है, जो पालाकोल में स्थित
है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पालाकोल में भार-
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन मार्च 78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः:—

- 1. श्री एन० पापाराव (2) एन० वेंकटासुभ्बाराव
(3) एन० वेंकटरामाकृष्ण पालाकोल (अन्तरक)
- 2. श्रीमति जि० सुरभा पालाकोल (अन्तरिती)

3. सर्वे श्री (1)बि० रामाचन्द्रराजु (2)एन० सत्यनारायण
पालाकोल (वह यक्ति जिसके अधिभोग से संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पालाकोल रजिस्ट्री अधिकारी से पालिक अंत 31-3-78
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 387/78 में निगमति अनुसूची
संपत्ति ।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकीनाडा

तारीख : 23-9-78

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-थ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 23 सितम्बर, 1978

सं० 804—यतः मुझे, एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

प्रीर जिसकी सं० 30-1-22 है, जो पालाकोल में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पालाकोल में भार-
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन मार्च, 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वे श्री (1) एन० पापाराव (2) एन० वेंकटामुख्याराव
(3) एन० वेंकटारामाकृष्ण पालाकोल (अन्तरक)
2. श्री जि० सत्यनारायण पालाकोल (अन्तरिती)

3. सर्वे श्री (1) भूपतिराजु रामचन्द्राराजु (2) वि० गमा-
निथेलु पालाकोल (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग से संपत्ति है)।
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

[अनुसूची

पालाकोल रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-3-78
में पंजीकृत बस्तावेज नं 388/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 23-9-78

मोहर :

प्रख्य प्राईंट टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 27 सितम्बर, 1978

सं० 805—अतः मुझे वि० वी० सुब्बाराव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 4-2-40 है, जो विजयनगरम में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयनगरम में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 20-3-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
प्रद्वाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में;
मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अवित्यों अवार्ता:—

1. सर्वश्री (1)टी० कृष्णराव (2) ति० अरविंद बाबू (3)
साई माधव हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री अप्पना सूर्यनारायण मूर्ति (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजनन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजनन के संबंध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्यों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाबू
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से
किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्य द्वारा प्रबोहस्तान्तरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्तर्याम 20-क में परिभाषित
हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस अन्तर्याम में
विद्या भया है।

मनुसूची

विजयनगरम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-3-78
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 961/78 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति ।

वि० वी० सुब्बाराव
सकाम अधिकारी
संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 27-2-78

मौहर:

प्रलेप आई टी एन एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 27 सितम्बर 1978

सं० 806—अतः मुझे बी० बी० सुब्बाराव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० में प्रधिक है

और जिसकी सं० 26-13-54ए है, जो विजयवाडा में स्थित है
(प्रीर इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन
31-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल वे लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के
शर्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; प्रोर/पा

(ख) ऐसी किसी पाय या किसी घन या अन्य ग्रासियों
को, जिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

12-366 GI/78

1. श्रो सी० एच० प्रफुण कुमार विजयवाडा (अन्तरक)

2. पापुलर शू मार्ट विजयवाडा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यशाहित करना है।

उक्त सम्पत्ति के प्रवृत्ति के सम्बन्ध में कोई और आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-3-78 म
पंजीकृत दस्तावेज नं० 1238/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

बी० बी० सुब्बाराव
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
अर्जन रेज, काकीनाडा

तारीख 27-9-78

मोहर:

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा दिनांक 9 अक्टूबर 1978

सं० 807—यतः मुझे वि० वि० सुव्वाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 27-9-52 है, जो काकीनाडा में स्थित है (और इससे उपाबन्द्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकीनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-3-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, प्रन्तरित की गई है और नूँझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात्:—

1. (1) एम० रामादास (2) एम० पवन कुमार हैदराबाद

2. श्रीमती वि० सावित्री काकीनाडा (अन्तरिती)

3. सर्वथ्री (1) के० सोभनाद्वी (2) वि० नरायनाचारी काकीनाडा (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तेप यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की आवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ झोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकीनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाँचिक अंत 31-3-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1123/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

वि० वि० सुव्वाराव
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेंज काकीनाडा

तारीख : 9-10-78

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा
२६९थ (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंथालय काकीनाडा

काकीनाडा दिनांक १३ अक्टूबर १९७८

सं० ८०८—पतः मुझे एन० के० नागराजन

प्रायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-वा के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ३३३ है, जो वेलपूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कन्किपाडू में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन १८-३-१९७८

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-वा के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा २६९-वा की उपषारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

१. श्रीमति एम० शेषम्माराव विजयवाड़ा (अन्तरक)
२. श्री वि० सत्यनारायण वेलपूर (अन्तरिती)
४. पि० सुब्बाराव कनकिपाड (व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितवधि है)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के लिए कार्यवाहियाँ रखता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के संबंध में कोई भी ग्राहक यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवधि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०क में यथा परिभाषित हैं, वही मर्यादित होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कनकिपाडू रजिस्ट्री अधिकारी से पर्याकर अंत १५-३-७८ में पंजीकृत दस्तावेज नं० १५६/७८ में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम अधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रंथालय काकीनाडा

दिनांक १३-१०-१९७८

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज काकीनाडा

काकीनाडा दिनांक 13 अक्टूबर 1978

सं० 809—यतः मुझे एन० के० नागराजन

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 च के प्रधीन सभी प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 9-7-41 है, जो विजयनगरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में शीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयनगरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (190 16) के अधीन 4-3-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रभारण लिखित में वास्तविक रूप से ऊर्ध्वता नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी ग्राम को बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य स्वस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमति के० आदि लक्ष्मी (2) के० रवीश्र कुमार विजयनगरम
(अन्तरक)

2. श्रीमति बि० अन्नपूर्णमा विजयनगरम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्रामेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीर्वशी ध्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी प्रत्यक्षित द्वारा, अष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौढ़ों पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में तथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयनगरम में रजिस्ट्री अधिकारी में पाँचिक अंत 15-3-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 770/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति

एन० के० नागराजन
सभी अधिकारी
कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज काकीनाडा

दिनांक 13-10-78
मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA
(ADMN. BRANCH I)

New Delhi, the 18th November 1978

No. F. 6/78-SCA(I).—On the reversion of Shri C. M. Rajagopalan from the Shah Commission of Inquiry with effect from the afternoon of 15 September, 1978 and on the expiry of his leave the Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to appoint him as Section Officer in the Supreme Court of India with effect from 16 October, 1978.

2. The Hon'ble the Chief Justice of India has also been pleased to promote and appoint Shri S. P. Jain, P.A. to Registrar, as officiating Private Secretary to the Hon'ble Judge, Supreme Court of India with effect from the forenoon of 18 October, 1978, until further orders.

3. The Hon'ble the Chief Justice of India has further been pleased to promote and appoint Shri M. M. P. Sinha as officiating Section Officer with effect from 8 November, 1978, until further orders.

MAHESH PRASAD
Deputy Registrar (Admn. J)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 3rd November 1978

No. A. 12019/2/78-Admn. II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Smt. Sudha Bhargava and Shri Chand Kiran permanent Research Assistants (Hindi) of this office to officiate on an *ad hoc* basis as Junior Research Officer (Hindi) for the period from 2-11-1978 to 31-12-1978 or until further orders, whichever is earlier.

The 8th November 1978

No. A. 12026/1/78-Admn. II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri S. L. Chopra, a permanent Receptionist and officiating Reception Supervisor to officiate on an *ad hoc* basis as Reception Officer in the office of Union Public Service Commission for the period from 6-11-1978 to 31-12-1978, or until further orders, whichever is earlier.

S. BALACHANDRAN
Under Secy,
for Secy,
Union Public Service Commission

New Delhi-11, the 1st November 1978

No. P/1044-Admn. I.—Consequent on his having been selected for appointment as Deputy Director General (Administration) in the Indian Council of Medical Research, on foreign service terms, Shri P. N. Mukherjee, an officer of Grade I of CSS, has been relieved of his charge in the office of Union Public Service Commission, w.e.f. 1-11-78 (FN).

No. P/1369-Admn. I.—Consequent on his selection for appointment as Joint Secretary to the Govt. of Manipur, on deputation terms, Shri R. R. Shimray, an officer of Grade I of CSS, has been relieved of his charge in the office of Union Public Service Commission, w.e.f. 1-11-1978 (FN).

No. P/1822-Admn. I.—The services of Dr. D. N. Prasad, formerly Associate Professor in the National Dairy Research Institute, Karnal, and officiating as Deputy Secretary, Union Public Service Commission, are replaced at the disposal of the N.D.R.I., w.e.f. 1-11-1978 (AN).

The 3rd November 1978

No. A. 19014/7/78-Admn. I.—The President is pleased to appoint Shri A. M. Mondal, an officer of the Indian Economic Service, as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 16th October, 1978, until further orders.

The 13th November 1978

No. A. 32011/1/77-Admn. I.—In partial modification of this office notification No. A. 32014/1/77-Admn. I dated

31-5-1977 and in supersession of this office notifications of even No. dated 20-7-77, 29-9-77, 2-12-77, 13-3-78, 8-6-78 and 11-9-78 the President has been pleased to appoint Shri K. Sundaram permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) and officiating in the Selection Grade for Grade C Stenographer in the office of Union Public Service Commission to temporary post of Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) on regular basis w.c.f. 20-6-1977 or until further orders.

S. BALACHANDRAN
Under Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 21st November 1978

No. 87 RCT 28.—In supersession of Commission's Notification No. 87 RCT 28 dated 4-11-78, the Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri H. S. Rathour, a permanent Assistant in the Central Vigilance Commission, as Section Officer in the Commission, in an officiating capacity with effect from 26-10-78 to 23rd January, 1979, or until further orders, whichever is earlier.

SHRI NIVAS
Under Secy.
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPTT. OF PERSONNEL & A.R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 16th November 1978

No. PF/S-157/67 Ad.V.—On the expiry of his term of deputation, the services of Shri Surjit Singh, Dy. S.P., an Officer of Delhi Police are placed back at the disposal of the Delhi Administration with effect from the forenoon of 1-11-1978.

The 17th November 1978

No. F. No. A-9/65-Ad. V.—On attaining the age of superannuation, Shri A. C. Das, Dy. Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, retired from Government service on the afternoon of 31st October, 1978.

The 18th November 1978

No. A-19035/1/78-Ad. V.—The Director, C.B.I. and I.G.P., S.P.E. hereby appoints Shri Jagat Singh, Crime Assistant, C.B.I. to officiate as Office Supdt. on *ad hoc* basis in the C.B.I. with effect from the forenoon of 30-10-1978 and until further orders.

The 20th November 1978

No. A-19036/33/78-Ad. V.—The Director, C.B.I. and I.G.P., S.P.E. is pleased to promote Shri B. N. Mishra, Permanent Inspector of C.B.I. to officiate as Dy. Supdt. of Police on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 23-10-1978.

RIPDAMAN SINGH
Administrative Officer (A)
C.B.I.

New Delhi, the 20th November 1978

No. A-20014/102/76-Ad. I.—Shri M. A. Ahiwale, an officer of Maharashtra State Police on deputation to CBI as Inspector of Police, has been relieved of his duties in the CBI GOW Bombay Branch on the afternoon of 23-8-1978 on repatriation to the Maharashtra State Police.

JARNAIL SINGH
Administrative Officer (E) CBI

DIRECTORATE GENERAL, CRPF FORCE

New Delhi-110001, the 10th November 1978

No. D. I-12/77-Estt.—On his services having been replaced at the disposal of the CRPF by the Mizoram Police, Shri Rajpal Singh is appointed as Dy. S.P. (Coy. Comdr.) in 14 Bn. of this Force w.e.f. the forenoon of 28th Oct., 1978.

The 15th November 1978

No. O.II-1105/72-Estt.—Consequent on his retirement from Government service on attaining the age of superannuation Shri Harnam Singh relinquished charge of the post of Dy.S.P., 32 Bn., CRPF, on the afternoon of 30-9-1978.

The 16th November 1978

No. O.II-1096/78-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Rich Pal as General Duty Officer, Grade II (Dy.S.P./Coy. Commander) in the C.R.P. Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 30th September, 1978 until further orders.

The 20th November 1978

No. O.II-1084/78-Estt.—The President is pleased to accept resignation of Dr. Gurdarshan Singh Sarna, Junior Medical Officer (GDO; Gd. II) of Group Centre, CRPF, Nagpur with effect from 18-8-78 (AN).

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm.)

**OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE**

New Delhi-110019, the 13th November 1978

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer to Visakhapatnam Shri S. S. Prasad relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit CCWO Dhanbad w.e.f. the forenoon of 25th September 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Dhanbad Shri S. S. Prasad assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit VPT Visakhapatnam with effect from the afternoon of 4th October 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer to Guhati Shri P. N. Deo relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit Farakha Barrage Project w.e.f. the afternoon of 26th Sept., 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Bhilai Shri Bhup Singh Rana assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit CCWO Dhanbad w.e.f. the forenoon of 25th September 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—The President is pleased to appoint Shri N. K. Sen as Asstt. Commandant on *ad hoc* basis until further orders and assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit BIL Bhilai w.e.f. the forenoon of 30th September 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer Shri C. D. Kukreti assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. Trg Reserve contingent at ASP Durgapur w.e.f. the afternoon of 21-9-1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from New Delhi Shri L. N. Mohla assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit DSP Durgapur w.e.f. the forenoon of 22nd September, 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer Shri T. P. Balakrishnan Nambiar assumed the charge of the post of Asstt. Commandant (JAO), CISF Zonal HQs Madras w.e.f. the forenoon of 25th Sept., 1978.

The 15th November 1978

No. E-16015/2/77-Pers.—On repatriation to his parent Ministry Shri M. R. Narota relinquished the charge of the post of Section Officer CISF HQs New Delhi with effect from the afternoon of 27th October 1978.

On appointment on deputation Shri Q. R. Sikri assumed the charge of the post of Section Officer in the Office of Inspector-General/CISF, New Delhi w.e.f. the afternoon of 27th October 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Pimpri Shri S. K. Kohli assumed the charge of the post of Assistant Commandant (JAO), Recruitment Section, CISF HQs New Delhi with effect from the afternoon of 28th October 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer to Bhilai Shri P. S. Nandal relinquished the charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit RC&F Ltd., Bombay w.e.f. the forenoon of 25th October 1978.

NARENDRA PRASAD
Asstt. Inspector-General (Pers)
CISF HQs.

**OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL
INDIA**

New Delhi-110011, the 13th November 1978

No. 11/20/78-Ad. I.—The President is pleased to re-employ Dr. U. B. Mathur, with effect from 1 December, 1978 for a period of 6 months as Deputy Director of Census Operations in the scale of Rs. 1100—50—1600/- in the office of the Director of Census Operations, Rajasthan.

The 20th November 1978

No. P/P (35) Ad. I.—In continuation of this Office Notification of even number dated 29-8-1978, the President is pleased to extend the *ad hoc* appointment of Shri K. N. Pant, a permanent Hindi Translator in the Secretariat of Election Commission of India, as Hindi Officer in the Office of the Registrar General, India by transfer on deputation, upto 31 December, 1978 with effect from 1 October, 1978 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

2. The headquarters of Shri Pant will continue to be at New Delhi.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 2nd December 1978

No. 23/3/78-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960=100 increased by four points to reach 340 (three hundred and forty) during the months of October, 1978. Converted to base 1949=100 the index for the month of October, 1978 works out to 413 (four hundred and thirteen).

A. S. BHARDWAJ
Joint Director.

MINISTRY OF FINANCE

(DEPTT. OF E.A.)
INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 12th November 1978

No. 1222/M.—On his voluntary retirement from Govt. service, Shri B. T. Deo relinquished charge of the office of the Administrative Officer, India Security Press, Nasik Road, with effect from 3rd November, 1978 (AN).

D. C. MUKHERJEA
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE A.G.C.R.

New Delhi, the 18th November 1978

No. Admn.I/O.O. No. 384/5-5/Promotion/78-79/1780.—The Accountant General hereby appoints the following permanent/Officiating Section Officers of this office to officiate as Accounts Officers, with effect from the forenoon of 8-11-1978 until further orders.

Sl. No. and Name

1. Sh. S. L. Jatav.
2. Sh. J. K. D. Gupta.

Sd. ILLEGIBLE

Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
HARYANA

Chandigarh, the 24th June 1975

No. Admn.I/72-Misc/75-76/1655.—In pursuance of sub-rule (1) of the Rule 5 of Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965 I hereby give notice to Shri Ravinder Kumar Sharma, Auditor that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on or, as the case may be tendered to him.

Sd. ILLEGIBLE
Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
MAHARASHTRA-I

Bombay-400 020, the 13th November 1978

No. Admn. 1/Genl/31-Vol. III/C 1(I)/9.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint the following members of the S.A.S. to officiate as Accounts Officers in the office with effect from the date mentioned against each, until further orders.

- (1) Shri V. N. Unde—21-10-1978 (AN).
- (2) Shri N. J. Karulkar—21-10-1978 (AN).
- (3) Shri R. T. Kale—21-10-1978 (AN).
- (4) Shri C. S. Chaure—1-11-1978 (F.N.).

Sd. ILLEGIBLE
Sr. Dy. Accountant General/Admn.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
RAJASTHAN

Jaipur, the 15th November 1978

No. Admn. II/G-G, Notn. 1983.—The Accountant General is pleased to appoint Shri Kanwar Pal, Section Officer of this Office as Officiating Accounts Officer until further orders with effect from 28-10-1978 (AN).

Sd. ILLEGIBLE
Sr. Dy. Accountant General/Admn.

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR POSTS & TELEGRAPHHS

Delhi-110054, the 9th November 1978

No. Admn. V-327/23(A) (2) Notification.—The Chief Auditor, Posts & Telegraphs has been pleased to promote and appoint the following Section Officers as Officiating Audit Officers and to post them in the P. & T. Branch Audit Offices indicated against each until further orders. Their promotions are on Adhoc basis and are subject to revision.

Sl. No.	Name	P. & T. Br. Audit office to which belongs as S.O.	P&T Br. Audit office to which posted	Date of promotion as A.O.
1.	Shri Kuldip Raj	Kapurthala	Nagpur	22-8-78 F.N.
2.	„ Avtar Singh Bhatia	Do.	Lucknow	22-8-78 F.N.
3.	„ Raghavchari	S.W.T.C. Calcutta	Nagpur	28-8-78
4.	„ Aswi Venkatachary Kasthuri	Madras	Nagpur	11-9-78 F.N.
5.	„ Pranabh Nath Roy	S.W.T.C. Calcutta	Patna	11-9-78 F.N.
6.	„ Anil Barua Chakrobarty	S.W.T.C. Calcutta	Cuttack	29-8-87 F.N.

S. KRISHNAN
Sr. Dy. Chief Auditor (H. Qrs.)

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 28th October 1978

No. 70/G/78.—On attaining the age of superannuation the undenoted officers retired from service with effect from the date shown against each :—

Sl. No.	Name and Designation	Date of retirement
1.	Shri S.C. Das Gupta, Subst. & Permt. Addl. DGOF	30th Apr. 1977/AN
2.	Shri S. N. Das, Offg. Sr. DADGOF (Subst. & Permt. DADGOF)	30th Apr., 1977/AN
3.	Shri B. D. Sachdeva, Subst. & Permt. Sr. DADGOF	30th Jun., 1977/AN
4.	Shri V. P. Goel, Subst. & Permt. ADGOF Gr. II	31st Oct., 1977/AN
5.	Shri B. Roy, Subst. & Permt. ADGOF Gr. II	31st Dec., 1977/AN
6.	Shri D. N. Sarkar, Offg. ADGOF Gr. II (Subst. & Permt. Sr. DADGOF)	31st Dec., 1977/A.N.
7.	Shri Sudhir Kumar Roy, Subst. & Permt. Sr. DADGOF	31st Jan., 1978/AN
8.	Shri J. K. Banerjee, Subst. & Permt. ADGOF Gr. II	28th Feb., 1978/AN
9.	Shri T.N. Sen, Offg. Sr. DADGOF (Subst. & Permt. DADGOF)	30th Apr., 1978/AN
10.	Shri G.R. Sundaram, Offg. Sr. DADGOF (Subst. & Permt. DADGOF)	31st Jul., 1978/AN

No. 71/G/78.—On expiry of extension of service for 3 months with effect from 1-9-1977, Shri M. P. R. Pillai, Offg. ADGOF Gr. I, (Subst. & Permt. ADGOF Gr. II), retired from service with effect from 30th November 1977 (AN).

The 15th November 1978

No. 76/78/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri E. A. Truter, Offg. Manager (Subst. and Permt. Dy. Manager) retired from service with effect from 30-9-1978 (AN).

V. K. MEHTA
Assistant Director General,
Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES &
COOPERATION
(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 17th November 1978

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
ESTABLISHMENT

No. 6/1166/77-Admn(G)/8054.—The President is pleased to appoint Shri M. L. Bassi, a permanent Grade 'C' Stenographer of the CSSS as Stenographer Grade 'B' of that Service in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, in an officiating capacity with effect from 23rd October, 1978, until further orders.

K. V. SESHAHARI
Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 8th November 1978

No. 12(367)/62-Admn.(G).—Consequent upon his appointment as Director of Industries, Government of Mizoram, Shri L. M. Mathur, relinquished charge of the post of Deputy Director (Mechanical) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi with effect from the afternoon of 17th October, 1978.

2. The services of Shri L. M. Mathur are placed at the disposal of the Government of Mizoram with effect from 17-10-1978 (AN).

The 13th November 1978

No. 12(648)/70-Admn.(G).—Consequent upon his appointment on deputation as Assistant Manager (Admn.) in the Central Tool Room and Training Centre, Calcutta, Shri S. K. Basu, relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. II) (GAD) in the Small Industries Service Institute, Kanpur on the forenoon of 1st May, 1978.

M. P. GUPTA
Deputy Director (Admn.)

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay, the 16th November 1978

No. CLBI/1/6-G/77—In exercise of the powers conferred on me by Clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CLB I/1/6-G/71 dated the 13th January 1972 namely :—

In the Table appended to the said Notification against S. No. 7 for the existing entries in columns 2, 3 and 4 the following shall be substituted namely :—

1	2	3
“(i) Director of Handlooms and Textiles Madras	Tamil Nadu	12(6), 12 (6A) 12(7A), 12(7AA) 12C and 12E
(ii) Joint Director of Handlooms and Textiles, Madras	Do.	12(6), 12(6A) 12(7A), 12(7AA) 12C and 12E
(iii) Secretary to Government, Industries Department	Do.	12(7A) and 12(7AA)
(iv) Deputy Director (Textiles) Office of the Director of Handlooms and Textiles, Madras.	Do.	Do.
(v) Assistant Director (Textiles) Office of the Director of Handlooms and Textiles, Madras.	Do.	Do.
(vi) Assistant Director (Powerlooms) Office of the Director of Handlooms and Textiles, Madras.	Do.	Do.
(vii) Assistant Director of Handlooms and Textiles in charge of circle Offices	Do.	Do.

1	2	3
(viii) Textile Control Officers in the circle offices of the Assistant Directors of Handlooms and Textiles	Tamil Nadu	12(7A) and 12(7AA)
(ix) Handloom officers working under the circle Assistant Directors of Handlooms and Textiles	Do.	Do.
(x) Handloom Inspectors working under the Control of circle Assistant Directors of Handlooms and Textiles	Do.	Do.
(xi) Junior Technical Assistants working under the control of the circle Assistant Director of Handlooms and Textiles.	Do.	Do.
(xii) Textile Inspectors in the circle office of the Assistant Directors of Handlooms and Textiles	Do.	Do.
(xiii) Officers of the Revenue Department not below the rank of Revenue Inspectors.	Do.	Do.
(xiv) Officers of the Commercial Tax Department not below the rank of Assistant Commercial Tax Officer	Do.	Do.
(xv) Officers of the Police and Excise Department not below rank of Sub-Inspector	Do.	Do."

No. 18 (1)/77-CLB II.—In exercise of the power conferred on me by Clause 11 of the Textiles (Production by Powerloom) Control Order, 1956, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 15 (2)/67-CLB II/B, dated the 13th January, 1972, namely :—

In the Table appended to the said Notification, against Serial No. 7, the existing entries under columns 1,2,3 and 4 shall be substituted by following entries, namely —

1	2	3
“(i) Director of Handlooms and Textiles, Madras.	Tamil Nadu	6, 6C, 7A, 8 and 8A
(ii) Joint Director of Handlooms and Textiles, Office of the Director of Handlooms and Textiles, Madras.	Do.	Do.
(iii) Deputy Director (Textiles)	Do.	6,8 and 7A
(iv) Assistant Director (Textiles)	Do.	Do.
(v) Assistant Director (Powerlooms) Office of the Director of Handlooms and Textiles.	Do.	Do.
(vi) Assistant Directors of Handlooms and Textiles incharge of the Circles	Do.	Do.

1	2	3
(vii) Textile Control Officers (viii) Handloom Officers.	Under the control of the Circle	8"
(ix) Handloom Inspectors (x) Textile Inspectors (xi) Junior Technical Assistants	Assistant Directors of Handlooms and Textiles	
	G. S. BHARGAVA Joint Textile Commissioner	

**DTE. GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMN. SECTION A-6)**

New Delhi, the 15th November 1978

No. A-17011/141/78-A6.—The Director General of Supplies & Disposals, has appointed Shri Bipra Das, Asstt. Director of Supplies (Grade II) in the office of Director of Supplies (Textiles), Bombay to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Met.) in the office of Dy. Director of Inspection (Met.), Bhilai under Jamshedpur Inspectorate w.e.f. the forenoon of 3rd October 1978 until further orders.

SURYA PRAKASH
Dy. Director (Admn.)

**ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA
(KHAN VIBHAG)****GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA**

Calcutta-700016, the 10th November 1978

No. 7592B. 2222(PKB)/19A.—Shri Pranay Kumar Biswas is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 26th August, 1978, until further orders.

No. 7604B. 2222(NKD)19A.—Shri Nalin Kumar Dhir is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 1st September, 1978, until further orders.

No. 7616B. 2222(SB)/19A.—Shri Shashank Bhatnagar is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 30th August, 1978, until further orders.

No. 7667B. 2222(UB)/19A.—Shri Udaybhanu Bhattacharya is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 11th September, 1978, until further orders.

No. 769B. 2222(ANS)19.A.—Dr. Avadh Narayan Singh is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the afternoon of the 28th August, 1978, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY
Director General

**ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA
INDIAN MUSEUM**

Calcutta-16, the 16th November 1978

No. 4-155/77/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri S. P. Lala to a

13-366GI/78

post of Assistant Anthropologist (Cultural) in this Survey at Western Region, Udaipur, in a temporary capacity, with effect from the afternoon of 26th September, 1978, until further orders.

C. T. THOMAS
Senior Administrative Officer

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi, the 21st November 1978

No. 14/12/78-M(T).—In exercise of the powers conferred under Rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules 1959, I, K. V. Soundara Rajan, Director (Monuments), hereby direct that no fee shall be charged for entry into the Buddhist Monuments of Sanchi Distt. Raisen (Madhya Pradesh) from 28th November to 30th November, 1978 on account of the 26th anniversary celebrations of Chetiya Giri Vihara.

K. V. SOUNDARA RAJAN
Director (Monuments)

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 15th November 1978

No. F. 11-9/77-A. 1.—The Director of Archives, Govt. of India, hereby sanctions proforma promotion to Shri C. P. Mathur, Asstt. Archivist (Gr. I) (Genl.) and at present on deputation with the Govt. of Haryana to the post of Archivist (General) in the National Archives of India, New Delhi w.e.f. 24-8-1977 (F.N.) until further orders under proviso below F.R. 30(1) (Next below Rule).

No. F. 11-9/77-A. 1.—Shri S. S. Rekhi, Asstt. Archivist (Gr. I) (General) and Officiating Archivist (General) on ad hoc basis is appointed to officiate as Archivist (General) on a regular temporary basis with effect from 8-11-1978 (F.N.) till the date Shri C. P. Mathur, Archivist (General) (Under Next Below Rule) now on deputation with the Government of Haryana reverts to the National Archives of India.

S. N. PRASAD
Director of Archives

**DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO
(CIVIL CONSTRUCTION WING)**

New Delhi, the 21st November 1978

No. A-12023/2/78-CW.I.—The Director General, All India Radio, New Delhi is pleased to appoint Shri Vijay Kumar Gogna as Assistant Surveyor of Works (Elect.) Civil Construction Wing, All India Radio, New Delhi in an officiating capacity in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from the forenoon of 24th October, 1978.

2. The appointment of Shri Gogna will be governed, inter alia, by the terms and conditions contained in the offer of appointment already issued to him.

S. RAMASWAMY
Engineer Officer to Addl. CE(C)
for Director General

**MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL
PUBLICITY**

New Delhi-1, the 13th November 1978

No. A 12026/5/78-Estt.—Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri B. N. Rajbhar, officiating Grade III CIS Officer as Assistant Media Executive in the Directorate of Advertising and Visual Publicity on ad hoc basis on usual deputation terms with effect from the forenoon of 17th October, 1978, until further orders.

2. On reversion to the post of Technical Assistant (Advertising), Shri Bhaskar Nayar relinquished charge of the

post of Assistant Media Executive on 13th October, 1978 (afternoon).

R. DEVASAR
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising & Visual Publicity

**MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE
(DEPTT. OF HEALTH)**

New Delhi, the 17th November 1978

No. A. 12025(i)-20/78-CHS. I.—Consequent on his appointment as Radiologist under the Municipal Corporation of Delhi, Dr. Ashok Virmani relinquished charge of the post of Junior Medical Officer GDO Grade II of the C.H.S. at Safdarjang Hospital, New Delhi on the forenoon of the 14th September, 1978.

K. VENUGOPAL
Under Secy.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 8th November 1978

No. A 38012/2/78-SI.—On attaining the age of superannuation Shri M. R. Sharma, Depot Manager, Govt. Medical Stores Depot Karnal, retired from Government service with effect from the forenoon of 1st November 1978.

The 10th November 1978

No. A 38012/4/78-SI.—On attaining the age of superannuation Shri P. R. Haryal, Deputy Asstt. Director General (Medical Stores), Govt. Medical Stores Depot, Bombay, retired from Govt. service with effect from the forenoon of 1st November 1978.

K. C. MISRA
Deputy Director Administration (Stores)

New Delhi, the 16th November 1978

No. A. 32014/3/78(AIIPMR)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. M. A. Chauhan, Lecturer, All India Institute of Physical Medicine and Rehabilitation, Bombay in the post of Chief Vocational Guidance Department in that Institute with effect from the 18th April, 1978, in a temporary capacity, and until further orders.

No. A. 32014/3/78(AIIPMR)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. B. N. Chhabria, Lecturer, All India Institute of Physical Medicine and Rehabilitation, Bombay in the post of Chief Medical Social Work Department in that Institute with effect from the 10th April, 1978, in a temporary capacity, and until further orders.

The 20th November 1978

No. A. 12025/4/78(HQ) Admn. I.—The President is pleased to appoint Dr. R. C. Sharma to the post of Assistant Director General (Stores) in the Directorate General of Health Services in a temporary capacity with effect from the forenoon of 2nd November, 1978 until further orders.

No. A. 32014/6/78(SJH) Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Onkar Singh Gujral, Head Clerk, Safdarjang Hospital, New Delhi to the post of Assistant Administrative Officer at the same Hospital for a period of 52 days against the leave vacancy of Shri Kishnarmal Bhimani from the forenoon of 8-9-1978 to 29-10-1978 (afternoon).

No. A. 32014/5/78(SJH) Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Jaswant Ram, Confidential Assistant, Safdarjang Hospital, New Delhi to the post of Assistant Administrative Officer in the same

Hospital, with effect from the forenoon of the 1st September, 1978, on temporary basis, and until further orders.

S. L. KUTHIALA
Deputy Director Administration (O&M)

**BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNEL DIVISION**

Bombay 400 085, the 28th August 1978

No. 5/1/78/Ett. II/3071.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri PULLANNIKALAYIL CHACKO THOMAS, permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accounts Officer in Bhabha Atomic Research Centre to officiate as Accounts Officer II in the same Research Centre as under :

- (a) From April 10, 1978 (FN) to July 31, 1978 (AN), on an *ad hoc* basis.
- (b) From the Forenoon of August 1, 1978, on a regular basis until further orders.

P. S. VENKATASUBRAMANIAN
Dy. Establishment Officer

Bombay, the 16th September, 1978

No. 5/1/78-Ett. II/3273—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an *ad-hoc* basis as Assistant Personnel Officer for the period shown against their names:

Sl. No.	Name & Desgination	Appointed to officiate as	Period	
			From	T
1.	Shri B. M. Naik Selection Grade Clerk	Asstt. Personnel Officer	19-7-78 (FN)	29-8-78 (AN)
2.	Shri P. B. Karandikar Assistant.	Asstt. Personnel Officer	19-7-78 (FN)	29-8-78 (AN)

The 18th November 1978

No. B/1569/Med/Ett.I/4472.—Director, BARC has accepted the resignation from service tendered by Dr. Shankar Keshaoorao Bakde, Resident Medical Officer, Medical Division with effect from the afternoon of 30-8-1978.

2. Dr. Bakde is deemed to have relinquished charge of his post on 30-8-1978 (AN).

M. S. RAO
Dy. Establishment Officer

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES**

Bombay 400 001, the 17th November 1978

No. DPS/23(4)/77-Est./28008.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints the following Purchase Assistants to officiate as Assistant Purchase Officers on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in the same Directorate for the period indicated against each :—

- 1. Shri K. T. Parameshwaran—from 29-8-1978 to 12-10-1978.
- 2. Shri D. S. Sakhre—from 4-10-1978 to 10-11-1978.

B. G. KULKARNI
Assistant Personnel Officer

Madras-600 006, the 6th November 1978

No. MRPU/200(19)/78-ADM.—In continuation of this office notification of even no. dated 10-4-1978 the

Director, Purchase & Stores is pleased to extend the officiating appointment of Shri R. Narayanan as Assistant Stores Officer for a further period from 7-5-1978 to 20-5-1978.

S. RANGACHARY
Purchase Officer

POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 12th September 1978

No. PPED/3(262)/76-Adm./12066.—Director, Power Project Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri H. H. Shah, a permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk of this Division, as Asstt. Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of September 11, 1978 to the afternoon of October 21, 1978 *vice* Shri G. S. Khurana, Assistant Personnel Officer deputed for training.

B. V. THATTE
Administrative Officer

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Narora, the 7th November 1978

No. NAPP/Adm/5(17)/78/S/11041.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project, Narora appoints Shri R. V. Avasthi, a Section Officer of the Western Railway, Bombay presently on deputation as Accountant in this Project, to officiate as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-960 in the same Project with effect from the forenoon of October 25, 1978 on the usual terms & conditions of deputation, until further orders.

S. KRISHNAN
Administrative Officer
for Chief Project Engineer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 25th October 1978

No. A. 32013/4/77-EC.—The President is pleased to appoint Shri N. Muniandy, Asstt. Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Safdarjung Airport, New Delhi to the grade of Communication Officer on *ad hoc* basis with effect from 27-9-1978 (FN) for a period of six months and to post him in the Office of the Regional Controller of Communication, Madras Airport, Madras.

The 13th November 1978

No. A. 32013/5/78-EC.—The President is pleased to appoint Shri R. P. Sharma, Assistant Director of Communication (*ad hoc*) D.G.C.A. (HQrs) to the grade of Deputy Director of Communication on *ad hoc* basis w.e.f. 13-10-78 (FN) upto 25-10-78 and to post him in the same office.

The 16th November 1978

No. A. 32014/1/78-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following two Technical Assistants to the grade of Asstt. Technical Officer on *ad-hoc* basis with effect from the date and at the station indicated against each :—

S. No.	Name	Present station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1.	Shr J. C. Ray	ACS, Calcutta	ACS, Calcutta	15-6-78 (FN)
2.	Shri R. N. Banerjee	ACS, Calcutta	ACS, Calcutta	26-6-78 (FN)

No. A. 32014/1/78-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following three Technical Assistants to the grade of Assistant Technical Officer on regular basis with effect from the date and at the station indicated against each :—

S. No.	Name	Present station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1.	Shri R.C. Pant	ACS, Calcutta	ACS, Calcutta	26-6-78 (FN)
2.	Shri Atma Ram	ACS, Belgaum	ACS, Bhopal	7-7-78 (FN)
3.	Shri P. N. Pant	CATC, Allahabad	CATC, Allahabad	15-7-78 (FN)

The 20th November 1978

No. A. 32014/2/77-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri A. K. Halder, Communication Assistant, Aeronautical Communication Station, Calcutta to the grade of Assistant Communication Officer on *ad hoc* basis w.e.f. 27-6-1978 (FN) and to post him at the same station.

No. A. 32014/2/77-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri A. K. Halder, who is at present working on *ad hoc* basis as Assistant Communication Officer at Aeronautical Communication Station, Calcutta to the grade on regular basis w.e.f. 1-10-1978 and to post him at the same station.

No. A. 32014/2/77-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Ram Chandra, Communication Assistant, Aeronautical Communication, Safdarjung Airport, New Delhi to the grade of Assit. Communication Officers, on regular basis w.e.f. 5-7-1978 (FN) and to post him at the same station.

No. A. 32013/4/78-EC.—The President is pleased to appoint Shri R. C. Chitkara, Communication Officer, Office of the Regional Controller of Communication, Bombay Airport, Bombay to the grade of Senior Communication Officer on *ad hoc* basis for a period of six months w.e.f. 30-9-1978 (FN) and to post him in the office of the Regional Director, Civil Aviation Department, Bombay Airport, Bombay.

No. A. 32014/1/78-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following four Technical Assistants to the grade of Assistant Technical Officer on regular basis with effect from the date and at the station indicated against each :—

Sl. No.	Name	Present station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1.	Shri T.L. Relwani	A.C.S., Bombay	ACS, Bombay	19-7-78 (FN)
2.	„ N.B. Sindphalkar	A.C.S., Washim	ACS, Jabalpur	29-7-78 (FN)
3.	„ N. K. Roy	A.C.S. Calcutta	ACS, Calcutta	17-8-78 (FN)
4.	„ B. Choudhury	A.C.S. Calcutta	ACS, Calcutta	11-9-78 (FN)

No. A. 38013/1/77-EC.—The following officers of Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of their office on the date

indicated against each on retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation:

S. No.	Name, Designation & Station of posting	Date of retirement
S/Shri		
1. B. G. Makhijani, Asstt. Comm. Officer Aeronautical Communication Station, Safdarjung Airport, New Delhi	30-6-78 (AN)	
2. K. L. Bhasin, Asstt. Technical Officer, Radio Const. & Dev., Units, New Delhi	31-3-78 (AN)	
3. V. R. Kesavan, Asstt Technical Officer, Central Radio Stores Depot, New Delhi.	31-8-78 (AN)	

S. D. SHARMA
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 9th November 1978

No. A. 39013/5/78-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to accept the resignation from Government service of Shri S. Raina, Asstt. Aerodrome Officer, Safdarjung Airport, New Delhi with effect from the 31st October, 1978 (A.N.).

V. V. JOHRI
Asstt. Director of Administration

VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHAVIDYALAYA

Dehra Dun, the 13th November 1978

No. 16/304/78-Ests-I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Dr. Samar Bahadur Singh as Research Officer under the Vth Five Year Plan Scheme "Forest Soil Laboratories (Forest Soil-cum-Vegetation Survey)" at the Regional Research Centre, Jabalpur with effect from the forenoon of 18th October, 1978, until further orders.

GURDIAL MOHAN
Kul Sachiv
Vana Anusandhan Sansthan Eevam
Mahavidyalaya

COLLECTOR OF CUSTOM AND CENTRAL EXCISE

Patna, the 15th November 1978

C. No. II (7)1-ET/77/11465—The following Group "B" Superintendent of Central Excise & Customs Collectorate Patna have retired from service on superannuation with effect from dates & hour as indicated against each:

Sl. No.	Name	Designation	Date of superannuation
1. Sri S. D. Mishra	Supdt.	31-7-78	
	C. Ex.	(A.N.)	
2. Sri Khalil Ahmed Khan	Supdt.	31-7-78	
	C. Ex.	(A.N.)	
3. Sri Md. Haroon	Supdt.	31-8-78	
	C. Ex.	(A.N.)	
4. Sri S. N. Sinha	Supdt.	30-9-78	
	C. Ex.	(A.N.)	
5. Sri H. P. Sen	Supdt.	30-9-78	
	C. Ex.	(A.N.)	
6. Sri J. D. Mullick	Supdt.	30-9-78	
	C. Ex.	(A.N.)	

C. No. II(7)2-ET/78/1466.—In pursuance of this office Establishment Order No. 13/78 dated 12-1-78 as notified under Establishment Order No. 169/78 dated 17-6-78 Sri Ram Charitar Prasad, Inspector of Central Excise & Customs on promotion to officiate as Superintendent Central Excise & Customs Group 'B' has assumed charge as Superintendent Central Excise, Ailoth Chouk Range, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- plus usual allowances as admissible under rules in the forenoon on 30-9-78.

D. K. SARKAR,
Collector.

Madras, the 25th September 1978

No. II/3/24/78 Estt.—The following Office Superintendents of Madras Central Excise Collectorate have been appointed to officiate as Administrative Officer/Assistant Chief Accounts Officer, Group 'B' until further orders and posted, with effect from the dates noted against each, to the places specified against their names.

Sl. No.	Name	Place to which posted	Date of joining
1.	Kum Doratha Roberts, Assistants Chief Accounts Officer	Hqrs. Office, Madras	18-1-78 AN
2.	Shri K. Viswanathan, Administrative Officer	Pondicherry Division	6-4-78 AN
3.	Shri L. Munirathinam, Administrative Officer	Coimbatore I Division	30-8-78 AN

M. G. VAIDYA,
Collector

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 13th November 1978

No. A-19012/746/78-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission, hereby appoints on promotion Shri V. B. Mundi, Research Assistant, to the grade of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Research Station, Pune in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary and *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 9-10-1978 upto 28-2-1979 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

The 18th November 1978

No. A-32012/9/75-Adm.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), the Chairman, Central Water Commission, hereby appoints on promotion Shri B. K. Saha, Research Assistant, presently officiating as Assistant Research Officer (Engineering) on *ad-hoc* basis, in the Central Water and Power Research Station, Pune, on a regular basis in the same post in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 w.e.f. the forenoon of 17th October, 1978, until further orders.

2. Shri Saha will be on probation to the post of Assistant Research Officer (Engineering) for a period of two years w.e.f. 17th October, 1978.

J. K. SHAH,
Under Secy.
Central Water Commission

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION (DEPARTMENT OF SUPPLY)

Calcutta-27, the 17th November 1978

No. G318/A.—Shri N. Madhavan, a permanent Assistant borne on the cadre of the Ministry of Finance, who was

appointed as Assistant Director (Admn.) (Grade II) in the National Test House, Bombay Branch, Bombay w.e.f. 20-11-74 (F/N) vide National Test House, Calcutta Notification No. G-318/A dated 12-12-74 was reverted to the Ministry of Finance w.e.f. the afternoon of 10-3-78.

E. K. RAMACHANDRAN, Jr. Director.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Bombay, the 10th November 1978

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Mudra (Exports) Private Limited

No. 18254/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Mudra (Exports) Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

L. M. GUPTA, Asst. Registrar

In the matter of Companies Act, 1956 and of Safari Travels Limited

Kanpur, the 10th November 1978

No. 12780/3391-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of the Safari Travels Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Foot Prints Private Limited

Kanpur, the 10th November 1978

No. 12779/3537-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of the Foot Prints Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. NARAYANAN
Registrar of Companies, U.P.
Kanpur

In the matter of Companies Act, 1956 and of Ghar Basau Construction Company Private Limited

Jullundur, the 17th November 1978

No. G/Stat/560/3372/8257.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Ghar Basau Construction Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Dayalbagh Trading Company Private Limited

Jullundur, the 17th November 1978

No. G/Stat/560/544/8258.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Dayalbagh Trading Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Khanna Brothers (Publishers) Private Limited

Jullundur City, the 17th November 1978

No. G/Stat/560/3398/8260.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Khanna Brothers (Publishers) Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. P. TAYAL
Registrar of Companies
Punjab, H.P. & Chandigarh

In the matter of Companies Act, 1956 and of U.P. Shock Absorbers Limited

Delhi, the 20th November 1978

No. 7269/8/2005.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of U.P. Shock Absorbers Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

(Mrs.) C. KAPOOR
Asstt. Registrar of Companies, Delhi

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. K. P. Dass & Company Private Limited

Calcutta, the 20th November 1978

No. 16697/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. K. P. Dass & Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Sunrise Minerals Private Limited

Calcutta, the 20th November 1978

No. 27909/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Sunrise Minerals Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Bengal Ruby Mica Supply Co. Private Limited

Calcutta, the 20th November 1978

No. 26182/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bengal Ruby Mica Supply Co. Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Mahamaya Mills Private Limited

Calcutta, the 20th November 1978

No. 2339/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Mahamaya Mills Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

N. R. SIRCAR
Asstt. Registrar of Companies
West Bengal

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Sri Venkateswara Automobiles Private Limited
Madras, the 21st November 1978*

No. DN/4846/560(5)/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560(5) of Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Sri Venkateswara Automobiles Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

C. ACHUTHAN
Asstt. Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Rama Fertilizers & Chemicals Private Limited*

New Delhi, the 21st November 1978

No. 4671/20119 Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Rama Fertilizers & Chemicals Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Ess Pee Waterwell Engineers Private Limited*

New Delhi, the 21st November 1978

No. 4826/20117.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Ess Pee Waterwell Engineers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

G. C. GUPTA
Asstt. Registrar of Companies
Delhi & Haryana

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
DELHI-V

New Delhi, the 7th November 1978
INCOME-TAX

F. No. JUR-DLI/V/78-79/27910.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 125A of the

Income-tax Act 1961 (43 of 1961) and in partial modification of the notifications issued earlier on the subject C.I.T., Delhi-V hereby directs that all or any of the powers or functions conferred on, or assigned to the Income-tax Officer, Doctor's Circles, New Delhi in respect of any area or persons or classes of persons or incomes or classes of income, or cases or classes of cases shall be exercised or performed concurrently by the I.A.C. Range-V-D.

2. For the purpose of facilitating the performance of the functions C.I.T., Delhi-V also authorises the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-V-D to pass such orders as contemplated in sub-section (2) of Section 125A of the Income-tax Act, 1961.

This notification shall take effect from 7-11-1978.

F. No. JUR-DLI/V/78-79/28041.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 123 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf and in modification of earlier orders on the subject the Commissioner of Income-tax, Delhi-V New Delhi hereby directs that the Inspecting Asstt. Commissioners of Income-tax, mentioned in column 1 of the schedule herein below shall perform all the functions of an Inspecting Asstt. Commissioners of Income-tax under said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons or of such incomes or classes of income or of such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction of the ITOs of the Directs/Circles mentioned in col. 2 of the said Schedule :—

SCHEDULE

Range	1
-------	---

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Range, V-C, New Delhi.

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, R-V-D, New Delhi.

Income-tax District/Circle	2
----------------------------	---

1. District-IV, New Delhi.
2. Foreign Section, New Delhi.
1. Doctors' Circles, New Delhi.

This notification shall take effect from 7-11-1978.

K. R. RAGHAVAN
Commissioner of Income-tax
Delhi-V, New Delhi

FORM ITNS

- (1) Shri Umesh Kumar Dhandhania, Punit Kumar Dhandhania and Anil Kumar Dhandhania, 74-D, Bondel Road, Calcutta.
(Transferee)
(2) Shri Mahesh Prasad Dhandhania 16, Ballygunj, Park Road, Calcutta.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 9th November 1978

Ref. No. III-280/Acq/78-79.—Whereas, I M. N. TIWARY, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Shujaganj, Bhagalpur,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 30-3-1978,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share in 1 Bigha, 7 Kathas, 18 dhurs and 3 Dhurkies of land at Shuja-ganj, Dt. Bhagalpur described more fully in Deed No. I-1679 dt. 30-3-1978.

M. N. TIWARY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna

Date : 9-11-1978
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY**

Bombay, the . August 1978

Ref. No. AR-I/3027-3/Mar.78.—Whereas, I F. J. FERNANDEZ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 1105, 1030 Lower Pearl Division situated at Elphiston Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 21-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Dhirajlal V. Saghavi.
2. Pramod Kumar K. Busa.
3. Smt. Bhanumati K. Busa.
4. Bharat Kumar K. Busa.

(Transferor)

- (2) Busa Industria Prem Co. Op. Hus. Society Ltd.

(Transferee)

- (3) Members of Society.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 509-75/Bom, and Registered on 21-3-78 with the Sub-Registrar Bombay.

F. J. FERNANDEZ
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Bombay

Date : 2-8-1978
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY**

Bombay, the 29th September 1978

Ref. No. AR.II/2541-3/Mar. '78.—Whereas, I, A. C. CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2,000/- and bearing No. CTS Nos. 1349, 1350, 1351 S. No. 87 situated at Pali Hills Bandra, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 20-3-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Jamshed Sorab Moos and Smt. Bhikhu Bohman Moos.
(Trans eror)

(2) Montreal Olympic Premises Co. op. Society Ltd.
(Trans eror)

(Flat)

- (3) 1. Mrs. Prafulla S. Gaitonde.
2. Mrs. Poonam V. Punjabi.
3. Mrs. Malty Syal.
4. Shri E. N. Nair.
5. Mrs. Mary Simpson.
6. Mr. Jaspal Singh Gandhi.
7. Mr. Chimanlal Khanna.
8. Mr. Mahender Pal Jain.
9. Mr. Marcel Lobo.
10. Mrs. Lilly Swami.
11. Mrs. Bharati Rana.

14—366GI/78

- 12. Mr. Balram Kukreja.
13. Mrs. Sheela Chhabria.
14. Mr. Jaisingh Shyam Lal.
15. Mrs. Sheela Mukherjee.
16. Capt. Suresh Kumar Khurana.
17. Mr. Naraian L. Bajaj.
18. Mr. C. M. Mohamed Kunhi.
19. Mrs. Lovleen Khanna.
20. Mrs. Lachmi M. Bharwani.
21. Mr. Anilkumar M. Parkar.
(Garages)
22. Mrs. Sheela Mukherjee.
23. Anilkumar M. Parkar.
24. Balram Kukreja.
25. Mr. Marcel Lobo.
26. Mrs. P. S. Gaitonde.
27. Mrs. Lachmi Bharwani.
28. Mr. Mohender Pal Jain.
(Parking space)
29. Mrs. Mary Simpson.
30. Mr. Jaspalsingh Gandhi.
31. Mr. Chimanlal Khanna.
32. Smt. Lovleen Khanna.
33. Mr. N. L. Bajaj.
34. Mrs. Sheela Mukherjee.
35. Mr. Jaisingh Shyamal.
36. Mrs. Poonam V. Punjabi.
37. Mr. Suresh Kumar Khurana.
38. Mrs. Lilly Swamy.
39. Mrs. Malty Syal.
40. Mr. E. N. Nair.
41. Mrs. Bharati Rana.
42. C. M. Mohamed Kunhi.

(4) Shri Chandru L. Raheja and Shri Telchand C. Rewani (confirming parties).

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground with the messuage tenement or dwelling house and structures standing thereon situate on the East Side of Pali Hill Road in Danda in the registration District and sub-district of Bombay City and Bombay Suburban and containing by admeasurement 2071 sq. metres equal to 2477 sq. yds. or thereabouts to the same a little more or less and registered by the Collector of Land Revenue, Thana under non-agricultural Survey No. 87 and assessed by the Municipality of Bandra under House No. 39 District Pali Hill and bearing C.T.S. Nos. 1349, 1350, and 1351 and bounded on or towards the North by City Survey No. 100 on or towards the East by City Survey No. 313 on or towards the south by non-agricultural Survey No. 97 and on or towards the west by the said Pali Hill Road.

A. C. CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 29-9-1978.

Seal :

FORM ITNS

- (1) Dr. Mahadeo Sitaram Joshi, 70-N, Saraswati D. Marg, Chembur, Bombay-71.
(Transferor)
- (2) Bank of Maharashtra, 1177, Budhwar Peth, Pune-411002.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th October 1978

No. Acqn. Range III/A.P. 279/78-79.—Whereas, I V. K. SUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 70-N of Scheme No. III situated at Chembur Garden, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 14-3-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ALL that piece or parcel of land in the village of Chembur in the Registration district and sub-district of Bombay City and Bombay Suburban, Scheme No. III Chembur garden being Plot No. 70-N and shown admeasuring 666 sq. yards that is 555.45 square metres in the Land Manager's Plan No. DD ss 111 965 of 11-5-1928. The said plot No. 70-N being a portion of the larger plot No. 70 as per layout sanctioned by the Bombay Municipality and bounded on or towards the South by Plot No. 70-K, on or towards the North partly by Plot No. 70-O and partly by passage known as 70-Y, on or towards the East by Plot No. 70-M and on or towards the West by Plot Nos. 26 & 27, together with the building standing thereon comprising of basement, ground and three upper floor.

V. K. SUBRAMANIAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-10-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. M. A. Baria

(Transferor)

(2) M/s. New Swastik Lands Development Corporation.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1978

Ref. No. AR IV/828-May/78-79.—Whereas, I, R. M. PANJWANI

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 123A, 124 (Part) 165 (Part) situated at Village Nahur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THOSE pieces or parcels of agricultural lands or ground situate lying and being at village Nahur in the Registration Sub-District of Bandra, Bombay suburban District in Greater Bombay containing by admeasurement 17271.10 square yards (i.e. 14440.37 square meters) and bearing S. No. 123A Hissa No. 1 (part) S. No. 124 (Part) and S. No. 165 (Part) and bounded as follows : that is to say on or towards the South Partly by land bearing S. No. 125 (Part) and partly by land bearing S. No. 123A Hissa No. 2, on or towards the West by lands sold to the President of India and on or towards the North and East by the boundary of Village Mulund.

R. M. PANJWANI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 13-11-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 20th November 1978

Ref. No. Acqn. Range III/1667/7/AP-280/78-79.—Whereas I, R. M. Panjwani being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 18, C.S. No. 1074 (1 to 5) Municipal Ward No. K-714 situated at Versova, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bandra on 29-5-1978, consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (i) 1. Shardagavri Jivanlal Shah,
2. Dhansukhlal Jivanlal Shah and
3. Panna Jivanlal Shah alias Panna Vipinchandra Parikh.

(Transferor)

- (ii) 1. Mohanlal Basudeo Sigtia.
2. Vinod Mohanlal Sigtia and
3. Ashok Mohanlal Sigtia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(i) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(ii) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ITEM: ALL THAT piece or parcel of Government land or ground, hereditaments and premises with the building had structures standing thereon and known as "Gwalior Palace" situated in the Revenue Village of Versova, in the Registration Sub-District of Bandra, formerly in the Taluka South Salsette but now in the Taluka Andheri, District Bombay Suburban now in Greater Bombay containing by admeasuring 2023.4235 square metres or thereabouts (i.e. 20 Gunthas or 2420 square yards or thereabouts) and bearing Survey No. 82 and Entry No. 198 of Record of Right and bounded as follows: that is to say, on or towards the East partly by public road, partly by a pond of water and partly by the property of Jan Cassim Mahomed Khoja; on or towards the West by a public passage formerly part of the land bearing Survey No. 82; on or towards the North by the Government Building Site No. 7 and on or towards the South by the remaining plot of Haji Abdul Haji Ahmed formerly belonging to Mr. Crish and now belonging to Framji Kawasji Bataliwala.

SECONDLY: ALL THAT piece or parcel of Government unoccupied land or ground forming part of the land Survey No. 9 situated in the Revenue village of Versova in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban now in Greater Bombay formerly in the Taluka of South Salsette but now in the Taluka Andheri containing by admeasurement 1416.4020 square metres or thereabouts (i.e. 14 Gunthas or 1694 square yards or thereabouts) and bounded as follows that is to say on or towards the North by the land bearing part of Survey No. 90; on or towards the South by Plot No. 6 on or towards the East by a road and on or towards the West by the land bearing Survey No. 82.

AND which said lands, hereditaments and premises First and Secondly described hereinabove are known as Plot No. 18 and contain by actual admeasurement 3637.1484 square metres or thereabouts (i.e. 4350 square yards or thereabouts) and bear Municipal Ward No. K-714 and Street No. 34, Sat Bungalow. City Survey No. 1074 (1 to 5).

R. M. PANJWANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Date 20-11-1978

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 17th October 1978

Ref. No. IAC. Acq.II/3672/78-79/3441.—Whereas, I KANWARJIT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1092 situated at Kucha Natwan, Chandni Chowk, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in March 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Bansi Dhar, Brij Mohan s/o Shri Bal Kishan S/Shri Padam Chand, Vijay Kumar s/o Shri Bawari Lal r/o 1, Under Hill Lane, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Ratan Lal Gupta s/o Shri Bhola Nath r/o 1103 Kucha Natwan, Chandni Chowk, Delhi.
(Transferee)
- (3) Shri Bhola Nath.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One 2½ storey house being No. 1092 area 225 sq. yds. Kucha Natwan, Chandni Chowk Area No. 2, Delhi is situated as under :—

East : Property of other person
West : Property of Gian Chand.
North : Property of Triloki Chand Goyal.
South : Door of house and Lane.

KANWARJIT SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Delhi/New Delhi

Date : 17-10-1978
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II**

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 17th October 1978

Ref. No. IAC. Acq.II/3667/78-79/3441.—Whereas, I KANWARJIT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12/3644-3647 situated at Gali Thanewali, Subzi Mandi, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Smt. Kusum Lata w/o Sh. Vijay Kumar Gupta alias Vidya Kumar Gupta r/o House No. XII/3644-47, Gali Thanewali, Old Subzi Mandi, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Murli Dhar s/o Shri Lal Chand r/o House No. 2929/XII, Aryapura, Old Subzi Mandi, Delhi-110007.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. XVI/3644-47 (New) area 120 sq. yds. Gali Thanewali, Old Subzi Mandi, Delhi is situated as under :—

East : Property No. XII/3647.
West : Gali.
North : Gali
South : Property No. XVII/3643.

KANWARJIT SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Delhi/New Delhi.

Date : 17-10-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 17th October 1978

Ref. No. I.A.C. Acq. II/3673/78-79/3441.—Whereas, I KANWARJIT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G-7 situated at Mansrover Garden, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in March 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Khan Chand Sharma and Shri Gian Chand Sharma, sons of Pt. Uttam Chand r/o 69-B, Block Nil, Malvia Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Bhupinder Pal 2. Satish Chander 3. Gulshan Kumar s/o Shri Ram Lal r/o A-2/59, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7 Block No. G area 459 sq. yds. Mansrover Garden, Basaidarapur Village Delhi State, Delhi is situated as under :—

East : Plot No. G-8 (built).

West : Road.

North : Lane

South : Road.

KANWARJIT SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Delhi/New Delhi

Date : 17-10-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Delton Cable Co., 3455/57, Delhi Gate, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Delton Cable Industries (P) Ltd., 24-Daryaganj, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 13th September 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. BGR(DLI)/14/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 46 kanals alongwith buildings situated at 17/4 Mile Stone, Mathura Road, Faridabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in March 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 46 kanal alongwith building and situated at 17/4 Mile stone, Mathura Road, Faridabad.

"Property as mentioned in sale deed Registration No. 210 dated 29-3-1978 and registered in the office of the Registering Authority, Delhi."

RAVINDER KUMAR PATHANIA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 13-9-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

FORM ITNS —————**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
SONEPAT ROAD, ROHTAK**

Rohtak, the 22nd September 1978

Ref. No. BGR/43/77-78.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Industrial Plot No. 93, Sector 24, situated at Faridabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in March 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

15—366GI/78

(1) 1. Smt. Pushpa Aggarwal W/o Shri R. P. Aggarwal,
2. Shri Suresh Aggarwal s/o Shri R. P. Aggarwal,
C/o M/s Faridabad Emery and Engg. Co., Faridabad.

(Transferor)

(2) M/s Maya Machine Tools, Plot No. 92, Sector 24, Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Plot No. 93, Sector 24, Faridabad.

(Property as mentioned in the Sale deed registered at serial No. 5976 dated 31-3-1978 with the Sub-Registrar, Ballabgarh).

**RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak**

Date : 22-9-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Rajkumar Gupta, S/o Sri Roop Kishore Gupta, H. No. 17/4 at Vigyanpuri, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th November 1978

Ref. No. RAC. No. 184/78-79.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-1-824/2, situated at J. N. Road, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on March 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Master Harishkumar, Minor/guardian and s/o Sri Ramvatar, C/o M/s Ram Electronics, H. No. 5-4-17 at J. N. Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mulgi, No. 4-1-824/2 situated at Jawaharlal Nehru Road, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1186/78 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 7-11-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Rajkumar Gupta, S/o Sri Roop Kishore Gupta,
H. No. 17/4 at Vigyanpuri, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th November 1978

Ref. No. RAC.No. 185/78-79.—Whereas, I K. S.
VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 4-1-824/1 situated at J. N. Road, Hyderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Hyderabad in March 1978,
for an apparent consideration
which is less than the fair market value
of the aforesaid property, and I have reasons to believe that
the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

(2) Smt. Gunawanti Bai, W/o Sri Rajendra Prasad, H.
No. 21-7-867 at Gandhi Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Malgi No. 4-1-824/1 situated at Jawaharlal Nehru Road,
Hyderabad registered vide Document No. 1187/78 with the
Joint Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

Date : 7-11-1978
Seal :

FORM ITNS —

(1) Sri Rajkumar Gupta, S/o Roop Kishore Gupta, H.
No. 17/4 at Vigyanpuri, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Moosa Bai, S/o Sri Hasham Bhai, H. No. 57-
288 New Agapura, Hyderabad.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th November 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. RAC. No. 186/78-79.—Whereas, K. S.
VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 4-1-824/3 situated at J. N. Road, Hyderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Hyderabad in March 1978,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957);

Mulgi No. 4-1-824/3 situated at J. N. Road, Hyderabad,
registered vide Document No. 1200/78 with the Joint Sub-
Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-11-1978

Seal :

FORM ITNS(1) Sri S. H. Askari, H. No. 6-3-1102/A at Somajiguda,
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th November 1978

Ref. No. RAC. No. 187/78-79.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22-7-282 situated at Dewan Devdi Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura Hyderabad in March 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Master : Abbas Ali Jeaukar S/o Haji Mohd. Joaukar (Minor) guardian, real father Sri Haji Mohd. Joaukar C/o Madina Hotel, Hyderabad.
2. Kumari Zahra Bi Bi, D/o Maji Mohd. Joaukar, minor. Represented by guardian father Sri Haji Mohd. Joaukar, C/o Madina Hotel, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 22-7-282 situated at Jilloo Khana, inside Dewan Deodi, Hyderabad, registered vide Document No. 583/78 in the Office of the Sub-Registrar Azampura, Hyderabad.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 7-11-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. Sunil Kumar Modi, (G.P.A.) Dr. C. L. Modi, and Smt. Pramila Modi, W/o Dr. C. L. Modi, H. No. 3-6-364 at Liberty, Buildings, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri P. J. Udani, H. No. 1-1-269 at Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th November 1978

Ref. No. RAC. No. 188/78-79.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-6-364/1/2/3 situated at Basheerbagh, Hyderabab, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 4-3-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Mulgies bearing M. No. 3-6-364/1/2/3 (300 Sq. Ft.) situated at Liberty Building Basheerbagh, Hyderabad, registered vide Document No. 824/78 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 8-11-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) M/s. Saloni Ownership Flats Schemes Pvt. Ltd., 6, Harrington Street, Calcutta-16.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Renu Kana Mazumder, 82, Ballygunge Gardens, Calcutta-19.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III, 54 RAFI AHMED KIDWAI
ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 8th November 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 416/Acq.R-III/78-79/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 'H' on 1st floor situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 10-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

All that entire Flat No. 'H' on the 1st floor of the building named "Jay Jayanti" situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

VASKAR SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, 54 Rafi Ahmed
Kidwai Road (3rd floor) Calcutta-16.

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-11-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, 54 RAFI AHMED KIDWAI
ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 8th November 1978

Ref. No. 417/Acq.R-III/78-79/Cal.—Whereas, I VASKAR SEN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flot No. 'B' on 4th floor situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 10-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Saloni Ownership Flats Schemes Pvt. Ltd., 6, Harrington Street, Calcutta-16.
(Transferor)

(2) Smt. Renu Sen 112A, Shyambazar Street, Calcutta-5.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire Flat No. 'B' on the 4th floor of the building named "Yay Zayanti" situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor)
Calcutta-16.

Date : 8-11-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Saloni Ownership Flats Schemes Pvt. Ltd., 6, Harrington Street, Calcutta-16.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ruby Mondal, 6/4, Fern Road, Calcutta.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 8th November 1978

Ref. No. 418/Acq.R-III/78-79/Cal.—Whereas, I VASKAR SEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 'E' on 3rd floor situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta. (and more fully described in the Scheduled exceed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 10-3-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
16—366 GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire Flat No. 'E' on the 3rd floor of the building named 'Jay Jayanti' situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor)
Calcutta-16.

Date : 8-11-1978.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Husn Ara Begum	(Transferor)
(2) Km. Rahmatun Nissa	(Transferee)
(3) Km. Rahmatun Nissa [Person in occupation of the property]	

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 13th November 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. R-128/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 596 situated at Dariyabad, Allahabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at—

on 17-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A house property bearing No. 596 measuring 282 sqr meter situated at Dariyabad Allahabad and all that description of the property which is mentioned in form 37-G No. 1146 and sale-deed, both duly registered on 17-3-1978 at the Office of the Sub-Registrar Allahabad.

AMAR SINGH BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-11-1978

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Dwarka Nath Kaul, (Transferor)
 (2) Smt D. Ishrat (Transferee)
 (3) Shri D. N. Kaul (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG,
 LUCKNOW

Lucknow, the 20th November 1978

Ref. No. D-32/ACQ.—Whereas, I, A. S. BISEN being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 206, Mauza, Bhagwanpur, Pargana Dehat situated at Amanat Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 29-3-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 206 admeasuring 1500 sq. meter situate at Mauza Bhagwanpur, Pargana Dehat Amanat, Varanasi and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37-G No. 2616 which are registered at the office of the Sub-Registrar, Varanasi.

A. S. BISEN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Lucknow.

Date : 20-11-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Kishori Lal Aggarwal s/o Shri Durga Dass Aggarwal, Near Chowk Moni, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Rai Aggarwal s/o Lala Sham Dass Aggarwal R/o Bazar Kathaian, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and Tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1978

Ref. No. ASR/78-79/49.—Whereas, I, N. P. SAHNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2590/A/7&1367-VIII-8,MCA situated at Chowk Moni, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in Jan. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H. No. 2590/A/7&1367/VIII-8,MCA Chowk Moni, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3471 of January, 1978 of Registering Authority Amritsar City.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

N. P. HAHNI, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-8-1978.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.****COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 12th September 1978

Ref. No. ASR/78-79/52.—Whereas, I N. P. SAHNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 45 situated at Kt. Kanhian, Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar City in January 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Shrimati Saraswati Wd/o Shri Sant Ram, Katra Kanhian, Amritsar
(Transferor)
- (2) Shri Krishan Lal s/o Shri Sant Ram, Plot No. 45, Katra Kanhian, Bazar Pashmanwala, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above and Tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Plot No. 45, Katra Kanhian, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3568 of January, 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

N. P. SAHNI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 12-9-1978.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 4th October 1978

Ref. No. ASR/78-79/61.—Whereas, I N. P. SAHNI, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 875/iv-16-533, situated at Kt. Mohar Singh, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Aridam Jain, Raj Kumar Jain ss/o Sh. Jaswant Mal Jain, Rup Mandi, Sadar Bazar, Delhi through Sh. Tilak Raj s/o Sh. Prem Chand, 'Kt.' Khazan Moti Mohalla Amritsar.
- (2) Shri Prem Nath s/o Shri Karam Chaud, House No. 875/IV-16 & 533/IV-16 Katra Mohar Singh, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above and tenants if any
(Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be Interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 875-IV-16-533/IV-16 Katra Mohar Singh Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 4375 of March, 1976 of Registering Authority Amritsar City.

N. P. SAHNI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 4-10-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt Kunjamma (2) Smt. Devaky

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri C. V. Sankaran

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, MAREENA BLDG., M. G. ROAD,
ERNAKULAM, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 21st August 1978

Ref. No. L.C. 228/78-79.—Whercas, I P. O, GEORGE being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing at Manathala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chavakkad on 11-3-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1.85 acres of agricultural land as per schedule to document No. 314/78 dated 11-3-1978.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

P. C. GEORGE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 21-8-1978
Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Smt. Retnamma, Mukkavalackal, Pulayanthra House, Chungom Alleppey, 2. Sh. Sugathan, Vechisseril House, Thondankulangana, Alleppey.
(Transferor)
- (2) Smt. Rajamony, Valanjavazhikkal Veedu, Varanam, Thanneermukkam, Alleppey.
(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, MAREENA BUILDINGS, M.G. ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-682016

Cochin-682 016, the 25th September 1978

Ref. No. L.C. 238/78-79.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No.

As per Schedule situated at Alleppey (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alleppey on 30-3-1978 for an apparent Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

34 cents of land and buildings in Alleppey—vide Schedule to Document No. 714/1978.

K. NARAYANA MENON,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Dated : 25-9-1978
Seal :

FORM ITNS —————

(1) 1. Dr. Santhakurup, Professor, Medical College, Kottayam, 2. Smt. Survanakumari, D/o Porathil P. Vasudevankurup, Karithala, Ernakulam.

(Transferor)

(2). 1. Sh. V. K. Sreenivasan, S/o Kurihivelappan, 35/74, Kalathiparambu Road, Ernakulam, 2. Smt. Vinayashobhini, W/o V. K. Sreenivasan 35/74, Kalathiparambu Road, Ernakulam.

(Transferees)

(3) Official Liquidator, Palai Central Bank.
(Persons in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, MAREENA BUILDINGS, M.G.
ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 25th September 1978

Ref. No. L.C. 239/78-79.—Whereas, I,
K. NARAYANA MENON,
being the Competent Authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing Sy. No.
As per Schedule situated at Ernakulam
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
Registering Officer at
Ernakulam on 21-3-1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

2/3rd right over 35 cents of land and building No. 35/74
of Cochin Cooperations Vide Schedule to Document No.
883/78.

K. NARAYANA MENON,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Dated : 25-9-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—
17—366GI/78

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) L. Dhakshayani Amma & 7 others Rugmini Bhavanam Randamada, Vattiyoor Kavu, Trivandrum.

(Transferors)

(2) Sh. R. Geetha Vasanth T.C. 1077, Vasantha Vihar, Kawdian, Trivandrum.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ANJIPARAMBIL BUILDINGS,
ANAND BAZAR, COCHIN-6820 16,

Cochin-6820 16, the 7th October 1978

Ref. No. L.C. 241/78-79.—Whereas, I,
V. MOHANLAL,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Sy. No. As per Schedule situated at Trivandrum
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Trivandrum on 31-3-1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

41 Cents. 672 Sq. Jinks of land with buildings in Sy. No.
1269 of Vanchiyoor Village.

V. MOHANLAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Dated : 7-10-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ANJIPARAMBIL BUILDINGS,
ANAND BAZAR, COCHIN-6280 16

Cochin-6280 16, the 7th October 1978

Ref. No. L.C. 242/78-79.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. As per Schedule situated at Trivandrum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trivandrum in 15-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. V. Madhawan Thanpi Jaya Mansion, Vazhutha Kadu, Trivandrum.

(Transferees)

(2) Sh. P. S. Mohanan Nair, Parayaru Paranbu, Kanji-rappilly.

(Transferees)

(2) The Regional Deputy Director of Public Instruction, Trivandrum.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

44½ Centrs of land with buildings in Sq. No. 1232, 1230 1231/A of Palkulangara Village.

V. MOHANLAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Dated : 7-10-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ANJIPARAMBIL BUILDINGS,
ANAND BAZAR COCHIN-682016

Cochin-682016, the 7th October 1978

Ref. No. L.C. 243/78-79.—Whereas, I,
V. MOHANLAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing
Sy. No. As per Schedule situated at Kottayam
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Kottayam in 17-3-1978
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reasons to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(1) Smt Zainaba Beevi, D/O Meenthalakandy Abdu,
Chirappurathu Desom, Muzhappilangathu Amsom,
Chirakkal, Tellicherry.

(Transferors)

(2) Sh. T. A. Saiyed Muhamed, Cherusseril Kodimatha
Kottayam.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and /
or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

6½ Cents of land with buildings in Sy. No. 8/6A/3/37 of
Kottayam Village.

V. MOHANLAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Dated : 7-10-1978
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) Smt. B. Gunapalammal, D/o Rangammal, Kumbalath Veedu, Andamukkath Cheri, Quilon.
(Transferors)
- (2) Sh. L. Kunju Kunju, S/o Lukose, Bathel Bungalow Vilakudy, Pathanapuram.
(Transferees)
- (3) Venkatachala Reddiar and others.
(Persons in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE, ANJIPARAMBIL BUILDINGS,
ANAND BAZAR, COCHIN-6280 16

Cochin-6280 16, the 7th October 1978

Ref. No. I.C. 244/78-79.—Whereas, I,
V. MOHANLAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Sy. No. As Per Schedule situated at Quilon
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer at
Quilon on 14-3-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1 of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

40 Cents 175 Sq. links of land with buildings in Quilon
Village Sy. Nos. 8593, 8594, 8595.

V. MOHANLAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Dated : 9-10-1978
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6**

Madras-6, the 29th August 1978

Ref. No. 3 to 6/March/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Thadangam Village, Dharmapuri Tk. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO, Dharmapuri North (Doc. No. 200/78) on 4th February, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Smt. Annapoorani,
W/o. Shri Ekambaram,
Arthanari Nagar,
Salem-4.

(Transferor)

(2) 1. Shri R. Veeramani,
3, Ganapathi Colony,
Madras-86

2. Shri S. A. Asaithambi,
3. Shri S. R. Sekar, &
4. Shri S. R. Kumar,

No. 12, 3rd Street,
Gopalapuram,
Madras-86.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. Lands measuring 6.70 acres and terraced building measuring 2,000 sq. ft. at Thadangam Village, Dharmapuri Tk.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 29-8-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 19th September 1978

Ref. No. 28/March/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27/28, situated at Egmore High Road, Egmore, Madras-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Periamet (Document No. 1066/78) on 25-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Md. Bhai Abdul Hussain,
Rep. by Kasimbhai Tyabali,
S/o Mulla Tyabali,
307, Linghi Chetty Street,
Madras-1.

(Transferor)

(2) Shifakhana-E-Shaiyedna Yusuf,
Rep. by Abbas Bhai Akbarally Wadnagarwala,
20, Errabaloo Chetty Street,
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 ground and 1204 sq. ft. of land & buildings at Door No. 27/28 (Old No. 21/22), Egmore High Road, Madras, in Old Survey No. 954, Re-Survey No. 552/2, C.C. No. 210.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 19-9-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri P. Sivaprakasa Mudaliar,
44, Ranganathan Avenue,
Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramjee Gopal Patel,
Depot No. 200, 'Nehru Timber Mart',
Sydenhams Road, Vepery,
Madras-7.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6**

Madras-6, 20th September 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref No. 18/March/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Depot No. 200, situated at 'Nehru Timber Mart', Sydenhams Road, Vepery, Madras-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, (1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Periamet (Document No. 192/78) on 17-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1200 Sq. ft. area of Zinc shed Depot No. 200, 'Nehru Timber Mart', Sydenhams Road, Vepery, Madras.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-9-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 30th September 1978

Ref. No. 9/March/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Uthamapuram Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SRO, Cumbum (Document No. 863/78) on 10 March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of— .

(1) Shri Chinnadorai @ Chokkupillai & Shri V. Goyindan,
S/o. Veerabadra Pillai,
Cumbum.

(Transferor)

(2) Shri Ganesan,
S/o Kolandaivelu Pillai,
Kamayagoundenpatty.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other acts which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

4.98 acres of dry garden lands in Uthamapuram vge.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 30-9-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
18—366GJ/78

FORM ITNS

- (1) 1. Shri V. Chandrasekaran; &
2. Shri V. Surulnathan,
S/o. S. Veerabadrapillai,
Velappar Koil St.,
Cumbum, Madurai District.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 30th September 1978

Ref. No. 10/March/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Uthamapuram Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SRO, Cumbum (Document No. 864/78) on 10 March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property **as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—**

- (2) Shri K. Murugesan,
S/o K V Kulandaivelu Pillai,
Kamayagoundenpalayam,
Madurai District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

4.98 acres of agricultural lands at Uthamapuram Village, Madurai District.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Date : 30-9-1978
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6**

Madras-6, the 30th September 1978

Ref. No. 25/March/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7, situated at Akil Kidangal Street, Ramanadhapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO, Ramanadhapuram, (Doc. No. 89/78) on 22-3-1978 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri P. M. Mustafa,
S/o P. M. M. Mohideen,
North Street,
Pudumadam,
Rammad.

(Transferor)

(2) 1. Shri S. Abul Hasan; &
2. Shri S. Jamal Mohammed,
Sons of M. Sulaiman,
Middle Street, Pudumadam,
Rammad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & building situate at No. 7, Akil Kidangal Street, Ramanadhapuram,

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 30-9-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Samy Private Ltd.,
Sankarnagar PO,
Thalaiyuthu,
Tirunelveli District.

(Transferor)

(2) M/s. Agricultural Farms Ltd.,
9/158, Tenkulam Road,
Sankarnagar P.O.
Tirunelveli District

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 30th September 1978

Ref. No. 33/March/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as per schedule, situated at Sethurayanputthur vge, Pudur Vgc & Venkataren-gapuram village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Tirunelveli on 27 March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

53.75 acres of agricultural lands at Sethurayanputthur Village; 50 acres of agricultural lands at Pudur Village; and 12.13 acres of agricultural lands at Venkarengapuram Village, Ambasanudram Tk. (Document No. 450/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 30-9-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Pappu @ Ganga Devi
W/o P. S. Periakaruppa Nadar,
24, Khanpalayam 1st St.,
Madurai.

(Transferor)

(2) Smt. R. Saroja,
W/o Sri Raman Chettiar,
Sathanoor Vge,
Paramakudi Tk.,
Ramnad District.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 4th October 1978

Ref No. 37/March/1978.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

31 & 32, situated at Khanpalayam 4th Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer JSRO-II Madurai (Document No. 857 of 1978) on March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2340 Sq. ft. of land and buildings at Door No. 31 & 32, Khanpalayam 4th Street, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 4-10-1978.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,**

Madras-6, the 3rd November 1978

Ref. No. 8165.—Whereas I, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1, situated at Srinagar Colony, Madras-15 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Saidapet, Madras (Doc. No. 296/78) on March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(1) Mrs. Swarnam Ramani, R. Ramamurthi & Mrs. Vijayalakshmi Prabhakar, No. 3, Sriman Srinivasa Tyengar Road, Alwarpet, Madras-18.

(Transferor)

(2) SP. S.S.SP. Subramanian Chettiar, 9, Srinagar Colony, Saidapet, Madras-15.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at No. 1, Srinagar Colony, Madras-15.

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 3-11-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,**

Madras-6, the 3rd November 1978

Ref. No. 8136.—Whereas I, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23/373, situated at Oppanakara St., Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Coimbatore (Doc. No. 580/78) on March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) G. M. Mohamed Ismail,
S/o G. M. Mohamed Hussain,
8/257, Ayanashi Road,
Coimbatore.

(Transferor)

(2) K. Vadiraja, S/o
K. Kuppaiya Acharya,
223, Subbiah Mudaliar St.,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 23/373, Oppanakara St., Coimbatore.

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 3-11-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 1st June 1978

Ref. No. Acq/966/Mathura/77-78.—Whereas I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE, situated AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Mathura on March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Moti Lal Khetan
Plot No. 5, Madho Niwas,
Vrindavan,
Distt. Mathura.

(Transferor)

(2) Shri Shri Anandmayee Ashram
Vrindavan,
Distt. Mathura.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land & building known as Madho Niwas, Plot No. 5, Vrindavan, Distt. Mathura, transferred for an apparent consideration of Rs. 65,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-6-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sukhdeo Bahadur Singh S/o Devendra Singh,
R/o Lohamarah, Parg. & Teh. Kannauj,
Distt. Farrukhabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Tularam and Khusiram Sons of Jugga,
R/o Nathdubi, Mauja Rajaimau,
P.O. Lohamarah, Parg. & Teh. Kannauj,
Distt. Farrukhabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 28th June 1978

Ref. No. Acq/3/Kannauj/78-79/2026.—Whereas I, R. P. BHARGAVA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEQUE, situated at AS PER SCHEQUE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kannauj on March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEQUE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Immovable property consisting of agricultural land measuring 7.91 Acres situated at Lohamarah, Kannauj, Distt. Farrukhabad, transferred for an apparent consideration of Rs. 28,900/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
19—366GI/78

Date : 28-6-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 28th June 1978

Ref. No. Acq/14/Mathura/77-78/2027.—Whereas I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 30-3-1978

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Lav Khatri self and Mukhtaram Kush Khatri and Satdeo Khatri, R/o America & London respectively and Smt. Krishna Khatri R/o Dampiar Nagar, Distt. Mathura.

(Transferor)

(2) Shri Om Prakash and Gopal Das, R/o Satghara, Distt. Mathura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property bearing No. 1896/7, Dampiar Nagar, Mathura transferred for an apparent consideration of Rs. 90,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 28-6-1978
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Fateh Lal and Ratan Lal S/o
Raman Lal,
Umesh S/o Fateh Lal and
Hemant S/o Ratan Lal,
R/o Dampiar Nagar,
Mathura.

(Transferor)

(2) Shri Ram Babu S/o Gyasi Ram
Bharatpur Darwaja,
Mathura.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 28th June 1978

Ref. No. Acq/12/Mathura/78-79/2029.—Whereas I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Mathura on 21-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & building bearing No. 102/5, Bharatpur Darwaja, Distt. Mathura, transferred for an apparent consideration of Rs. 65,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-6-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 28th June 1978

Ref. No. Acq/13/Mathura/78-79/2030.—Whereas I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mathura on 21-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Fateh Lal and Ratan Lal S/o Raman Lal, Umesh S/o Fateh Lal and Hemant S/o Ratan Lal, R/o Dampiar Nagar, Mathura.

(Transferor)

(2) Smt. Vidya Devi W/o Behari Lal and Bchari Lal S/o Moti Lal, R/o Bharatpur Darwaja, Mathura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & building bearing No. 102/10, Bharatpur Darwaja, Badri Nagar, Mathura, transferred for an apparent consideration of Rs. 55,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-6-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 26th July 1978

Ref. No. Acq/10/Etawah/78-79.—Whereas I, L. N. GUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Etawah on March 1978 consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Gomati Devi D/o Dularam, W/o Badan Singh, R/o Bihari Bhatpura, P.O. Geenja, Distt. Etawah.

(Transferor)

(2) Shri Kripal Singh (Major) Vijaipal Singh, Indrapal Singh, Chandrapal Singh (Minors) through Chedalal (Father) and Shri Chedalal S/o Surajpal Singh, Sadhu Singh, Nathuram, Chotey Lal, Sons of Hajuri Singh, R/o Dhamna Ki Maraiyya, P.O. Ajabpur, Distt. Etawah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 16-19 Acres (1/2 Part) situated at Vill. Dhamna, Distt. Etawah, transferred for an apparent consideration of Rs. 24,000/-.

L. N. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Kanpur.

Date : 26-7-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Omwati W/o Mahendra Kumar Garg,
Advocate, 85, Navyug Market,
Ghaziabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 20th September 1978

Ref. No. Acq/1807-A/Meerut/77-78.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 4-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Immovable property consisting of land & building bearing No. 73, situated at Dalmandi, Sadar, Meerut Cantt., transferred for an apparent consideration of Rs. 35,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-9-1978
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 20th September 1978

Ref. No. Acq/105-A/Haridwar/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Haridwar on 1-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Kishore Das Chela Sri Baldeo Das, As Mukhtarant of Mahant Baldeo Das Chela Mahant Harihar, R/o Ram Mandir, Devlam Road, Khar, Bombay-52.

(Transferor)

(2) Dr. Anand Prakash Mehta S/o Sitaram Mehta, R/o Saket, Sharwan Nath Nagar, Haridwar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land & building No. 232, Sharwan Nath Nagar Haridwar, transferred for an apparent consideration of Rs. 70,000/-.

B. C. CHATTURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 20-9-1978
Seal ;

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 25th September 1978

Ref. No. Acq/169/Agra/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 23-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri G. L. Shipstone,
 Sogani Bhawan, Lal Kothi,
 Everest Colony,
 Jaipur-302004.

(Transferor)

(2) Shri Vivek Lall,
 C-31, Safdarjang Enclave,
 New Delhi-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land & building bearing No. 62, Khandari Road, Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 88,000/-.

B. C. CHATURVEDI
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kanpur

Date : 25-9-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Khurdu S/o Ram Kishan,
R/o Vill. Mihauli,
P.O. Panhar, Parg. Auraiya,
Distt. Etawah

(Transferor)

(2) Shri Harditt S/o Balakram Dubey,
R/o Vill. Mihauli,
P.O. Panhar, Parg. Auraiya,
Distt. Etawah

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 26th September 1978

Ref. No. Acq/135/Auraiya/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Auraiya on 21-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to any tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immoveable property consisting of agricultural land measuring 4.30 acres situated at Vill. Mihauli, Parg. Auraiya, Distt. Etawah, transferred for an apparent consideration of Rs. 23,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 26-9-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
20—366GI/78

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 9th October 1978

Ref. No. Acq/56-A/D.Dun/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehra Dun on 3-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Major Pal Singh Sidhu S/o Late S. Bhawan Singh Sidhu, R/o House No. 448, Sector 35-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Rama Prasad W/o Late Flt Lt. Rajeshwar Prasad, R/o 2/1415, Nand Kutir, Ahmed Bagh, Delhi Road, Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land & Building bearing No. 3, Turner Road, Clement Town, Dehra Dun, transferred for an apparent consideration of Rs. 80,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 9-10-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 9th October 1978

Ref. No. Acq/977/Kanpur/77-78.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 8-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) M/s. H. T. Chemical Laboratories
97, Industrial Estate,
Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Praveen Chandra S/o Mathura Das,
50/222, Halsey Road,
Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & building bearing No. 97, Industrial Estate, Kalpi Road, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 1.00,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kanpur

Date : 9-10-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Abdul Shamad S/o Shri Wazir Khan,
Vill. Chhani, Konch Hall,
Bhagat Singh Nagar, Konch,
Jalaun.

(Transferor)

(2) Shri Ram Singh and Ramji S/o
Shri Tika Ram,
Vill. Manipura,
P.O. Gurawali,
Distt. Jalaun.

(Transferee)

(3) Ram Singh and Ram Ji S/o
Shri Tika Ram,
Vill. Manipura, P.O. Gurawali,
Distt. Jalaun.

[Persons in occupation of the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. Acq./Konch Jalaun/78-79.—Whereas I, VIJAY BHARGAV being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEQUE, situated at AS PER SCHEQUE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Konch, Jalaun on 23-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring—Becghas and—Biswas situated in Vill. Chhani, Bhagat Singh Nagar, Konch, transferred for apparent consideration of Rs. 66,435/-.

VIJAY BHARGAV
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4-11-1978

Seal :

FORM ITNS —

(1) Shrimati Suryabala Gupta W/o
Shri Suresh Chand Gupta,
274, Nunia Mohalla,
Meerut, Cantt.

(Transferor)

(2) Shri Gian Singh S/o Phami Shah
Shri Guljit Singh & Jaspal Singh,
sons of Sri Gian Singh, R/o
B/F31 Tagore Garden,
New Delhi.

(Transferee)

(3) Shrimati Suryabala Gupta W/o
Shri Suresh Chand Gupta,
274, Nunia Mohalla.
Meerut, Cantt.

[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. Acq./20/Meerut/78-79.—Whereas I, VIJAY BHARGAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dehradun on 17-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Free hold property known as Sarila Lodge and the Mall side now also known as Hotel Woodlands situated on Mall, Mussoorie measuring .60 Acre covered area 420.26 Sq Ft. transferred for an apparent consideration of Rs. 1,30,000/- as against fair market value of Rs. 2,72,000/-.

VIJAY BHARGAV
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 4-11-1978
Seal :

FORM ITNS —————

1. Smt. Komma Rama Seshamma, w/o. Bapalal, Pratadampadu, Vijayawada Tq.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 31st August 1978

Acq. File Ref No. 781.—Whereas, I,
N. K. NAGARAJAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 57/1 situated at Prasadampadu Village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer
at Vijayawada on 1-3-1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by afore-
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

2. Sh. Boddapati Subbanna Sastry, s/o. Venkatarao, c/o.
Blesston Chemicals and Pharmaceuticals, Gunalala,
Vijayawada Tq.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No.
795/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during
the F. N. ended on 15-3-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :

Date : 31-8-1978.
Seal :

FORM ITNS— —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 31st August 1978

Acq. File Ref. No. 782.—Whereas, I,
N. K. NAGARAJAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
249/2 situated at Jakkampudi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Vijayawada on 10-3-1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely :--

1. Sh. Pattan Bikku alias Galeeb Saheb, s/o Pattan Farid Khan, Kothapeta, Vijayawada-1.
(Transferor)
 2. Sh. Banda Suryanarayana, s/o. Bhaskara Rao, Sivayalam street, Satyanarayananpuram, Vijayawada-520 011.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 884/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F. N. ended on 15-3-1978.

**N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority**
**Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada**

Date : 31-8-1978.
Seal :

FORM ITNS

1. Sh. Lingam Sitaramanjaneyulu, s/o. Nagabhushanam,
Bommuluru, Gudivada Tq.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2 Smt. Lingam Srilaxmi Vara Prasunimba, w/o Venkata Subbarao, Bommuluru, Gudivada Tq.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Kakinada, the 31st August 1978

Acq. File Ref. No. 783.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 1/115 situated at Bommuluru (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kudivada on 10-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The schedule property as per registered document No. 677/78 registered before the Sub-Registrar Gudivada, during the F.N. ended on 15-3-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-8-1978

Seal :

FORM ITNS

1. Smt. Mukkamala Laxminarasamma, w/o. Nagabhu-shanam, Mogalrajapuram, Vijayawada-10 (Near Sivalayam).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE**

Kakinada, the 31st August 1978

Acq. File Ref. No. 784.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing TS No. 11/38P situated at Machavaram, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on 1-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

21—366GI/78

2. Kumari Chalasani Vajrakumari, d/o. Sri Dutt. Kas-turibaipeta, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 813/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 15-3-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 31-8-1978.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE**

Kakinada, the 31st August 1978

Acq. File Ref. No. 785.—Whereas, I,
N. K. NAGARAJAN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TS No. 11/38P situated at Machavaram, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vijayawada on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

1. Smt. Mukkamala Laxminarasamma, w/o Nagabhushanam, Mogalrajapuram, Vijayawada-10 (Near Sivalayam).
 (Transferor)

2. Kumari Chalasani Vajrakumari, d/o Sri Dutt, Kasuribipeta, Vijayawada.
 (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

The schedule property as per registered document No. 2182/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 15-5-1978.

N. K. NAGARAJAN
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kakinada.

Date : 31-8-1978.
 Seal :

FORM ITNS

1. Sh. Seethamraju Subrahmanyam Chakradhar,
 (2) S. Ramanarayana Rao
 (3) S. Giridhar Gopal, Narasimharaopeta, Eluru.
 (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Dr. Yarlagadda Swarnalata, Balaji Nursing Home, Ramachandraraopeta, Eluru.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE

Kakinada, the 14th September 1978

Acq. Filo Ref. No. 790.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

TS No. 463/3 situated at Eluru (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru on 30-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1028/78 registered before the Sub-Registrar, Eluru, during the F.N. ended on 31-3-1978.

N. K. NAGARAJAN,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kakinada.

Date : 14-9-1978.
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

1. Sh. Seethamraju Subrahmanya Chakradhar.
 (2) S. Ramanarayana Rao
 (3) S. Girdhar Gopal, Narasimhraopeta, Eluru.
 (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE**

Kakinada, the 14th September 1978

Acq. File Ref. No. 791.—Whereas, I,
 N. K. NAGARAJAN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
 and bearing No.
 TS No. 463/3 situated at Eluru
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the office of the Registering Officer at
 Eluru on 30-3-1978
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reason
 to believe that the fair market value of the property as
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that
 the consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
 the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely—

2. Dr. Yarlagadda Jagan Mohan Rao, Balaji Nursing
 Home, Ramchandraraopeta, Eluru.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
 of 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30
 days from the service of notice on the respective
 persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No.
 1029/78 registered before the Sub-Registrar, Eluru, during
 the F.N. ended on 31-3-1978.

N. K. NAGARAJAN,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kakinada.

Date : 14-9-1978.
 Seal :

FORM ITNS —————

1. Smt. Batchu Rambai, w/o. Srirama Murthy, Addelivari Street, Vizianagaram,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

2. Sh. Arun Kumar Murarka, s/o. Banarasi Lal Murarka
z/o. Andhra Motor Stores, Vizianagaram.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kakinada, the 14th September 1978

Acq. File Ref No. 792.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13-4-3 situated at Vizianagaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vizianagaram on 14-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The schedule property as per registered document No. 893/78 registered before the Sub-Registrar, Vizianagaram, during the F.N. ended on 15-3-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-9-1978.
Seal :

FORM ITNS

1. Dr. Nallagalla Satyanarayana, Near Nakkala Road, Suryaraopeta, Vijayawada.
(Transferor)
2. M/s. Hindustan Sugars, Ramavarappadu, Vijayawada-520006. Represented by its partner Sri Harichand.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Kakinada, the 23rd September 1978

Acq. File Ref. No. 797.—Whereas, I,
N. K. NAGARAJAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RS 134/2 situated at Ramavarappadu
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 21-3-1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1045/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 31-3-1978.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 23-9-1978.
Seal :

FORM ITNS

1. Smt. Nallagatla Sitamahalaxmi, w/o. Dr. Satyanarayana, Near Nakkala Road, Suryaraopeta, Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. M/s. Hindustan Sugars, Ramavarappadu, Vijayawada-520 006. Represented by its partner Sri Harichand. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Kakinada, the 23rd September 1978

Acq. File Ref. No. 798.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

135/1 situated at Ramavarappedu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on 21-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1046/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. cndcd on 31-3-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 23-9-78

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 23rd September 1978

Acq. File Ref. No. 799.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TS No. 1621 situated at Palakol (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palakol in March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Nalam Paparao, S/o Subbarao.
2. N. Venkata Subbarao
3. N. Venkata Ramakrishna
M/g. Father Sri N. Paparao,
14th Ward, Palakol, W.G. Dist.

(Transferor)

(2) Gunnam Suvarnamukhl,
W/o Satyanarayana,
17th Ward, Palakol.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 383/78 registered before the Sub-Registrar, Palakol, during the F.N. ended on 31-3-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 23-9-1978
Seal ;

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA**

Kakinada, the 23rd September 1978

Acq. F. Ref. No. 800.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 30-1-20 situated at Palkol

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palkol in March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—366GI/78

- (1) 1. Nalam Paparao, S/o Subbarao.
2. N. Venkata Subbarao
3. N. Venkata Ramakrishna
M/g. Father Sri N. Paparao,
14th Ward, Palkol, W.G. Dist.

(Transferor)

- (2) Gunnam Radhakrishna Murthy,
S/o Chanti Abbayi (Ammanna)
17th Ward, Palkol.

(Transferee)

- (3) 1. M/s. Bhupathi Ramachandra Raju & Sons.
2. Midley Krishna Murthy,
Palkol.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 384/78 registered before the Sub-Registrar, Palkol, during the T.N. ended on 31-3-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 23-9-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, KAKINADA**

Kakinada, the 23rd September 1978

Acq. F. Ref. No. 801.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ass'tt. No. 1621 situated at Palakol (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palakol in March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Nalam Paparao, S/o Subbarao.
2. N. Venkata Subbarao
3. N. Venkata Ramakrishna
M/g. Father Sri N. Paparao,
14th Ward, Palakol, W.G. Dist.

(Transferor)

- (2) Gunnam Chitti Ammaji,
W/o Radhakrishna Murthy,
17th Ward, Palkol,
W.G. Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 385/78 registered before the Sub-Registrar, Palakol, during the F.N. ended on 31-3-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 23-9-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 23rd September 1978

Acq. F. Ref. No. 802.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘said Act’), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 30-1-26 situated at Palakol (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Palakol in March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Nalam Paparao, S/o Subbarao.
2. N. Venkata Subbarao
3. N. Venkata Ramakrishna
M/g. Father Sri N. Paparao,
14th Ward, Palakol, W.G. Dist.

(Transferor)

- (2) Gunnam Laxmikantam,
W/o Surya Audinarayana,
17th Ward, Palkol,
W.G. Dist.

(Transferee)

- (3) 1. M/s. Bhupathiraju Ramachandra Raju & Sons.
2. Sri Gadi Apparao,
Palakol.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 786/78 registered before the Sub-Registrar, Palakol, during the F.N. ended on 31-3-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-9-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA**

Kakinada, the 23rd September 1978

Acq. F. Ref. No. 803.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 30-1-23 situated at Palakol (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palakol in March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Nalam Paparao, S/o Subbarao.
2. N. Venkata Subbarao
3. N. Venkata Ramakrishna
M/g. Father Sri N. Paparao,
14th Ward, Palakol, W.G. Dist.

(Transferor)

(2) Gunnam Suramma,
W/o Chanti Abbai,
17th Ward, Palkol,
W.G. Dist.

(Transferee)

(3) 1. M/s. Bhupathiraju Ramachandra Raju & Sons.
2. N. Satyanarayana,
Palakol.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 387/78 registered before the Sub-Registrar, Palakol, during the F.N. ended on 31-3-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 23-9-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE, KAKINADA**

Kakinada, the 23rd September 1978

Acq. F. Ref. No. 804.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 30-1-22 situated at Palakol (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palakol in March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Nalam Paparao, S/o Subbarao.
- 2. N. Venkata Subbarao
- 3. N. Venkata Ramakrishna
M/g. Father Sri N. Paparao,
14th Ward, Palakol, W.G. Dist.

(Transferor)

- (2) Gunnam Satyanarayan,
17th Ward, Palkol,
W.G. Dist.

(Transferee)

- (3) 1. M/s. Bhupathiraju Ramachandra Raju & Sons.
- 2. Sri V. Gamanaiyelu,
Palakol.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 388/78 registered before the Sub-Registrar, Palakol, during the F.N. ended on 31-3-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 23-9-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Tallapalli Krishna Rao,
S/o Rajayya Gupta
2. T. Aravinda Babu
3. T. Sai Madhav
M/G. Father Sri T. Krishna Rao,
19-2-483, Fathe Darwaja, Hyderabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 27th September 1978

Acq. F. Ref. No. 805.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 4-2-40 situated at Vizianagaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizianagaram on 20-3-1978
for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) Appana Surayanarayana Murthy
S/o Seshayya,
Kothagraharam, Vizianagaram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 961/78 registered before the Sub-Registrar, Vizianagaram, during the F.N. ended on 31-3-1978.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. V. SUBBARAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-9-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Chukkapalli Arunkumar,
S/o Pitchaiah,
Sanyasiraju Road, Gandhinagaram,
Vijayawada-3.

(Transferor)

(2) M/s. Popular Shoe Mart,
represented by its Managing Partner
Sri Ch. Pitchaiah,
Sanyasiraju Road, Gandhinagaram,
Vijayawada-3.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 27th September 1978

Acq. F. Ref. No. 806.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 26-13-54A situated at Vijayawada
and situated at Naupada, Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 31-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1238/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 31-3-1978.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. V. SUBBARAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE, KAKINADA**

Kakinada, the 29th October 1978

Acq. F. Ref. No. 807.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27-9-52 situated at Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Kakinada on 22-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Mangu Ramdas,
S/o Venkata Ramana Rao,
2. M. Pavankumar,
M/g. Father Sri M. Ramdas,
17-I-390/A1, Saidabad Colony,
Hyderabad-500 059.

(Transferor)

- (2) Badam Savitri,
W/o Satyanarayana Murthy,
Temple Street Kakinada.

(Transferee)

- (3) 1. K. Sobhanadri, 2. V. Narayanachari,
Kakinada.

[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1123/78 registered before the Sub-Registrar, Kakinada, during the F.N. ended on 31-3-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada.

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, KAKINADA**

Kakinada, the 13th October 1978

Acq. Fi. Ref. No. 808.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS No. 333, situated at Velpura

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kankipadu on 8-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(1) Smt. Machiraju Seshamma Rao,
W/o Shri Ramabrahmam,
Govenorpeta, Vijayawada-2.

(Transferor)

(2) Shri Vanukuru Satyanarayana,
S/o Shri Pattabhi Ramaiah,
Velpuru, Vijayawada Tq.

(Transferee)

(4) Shri Parvathaneni Subbarao,
S/o Shri Kotaiah,
Gosala Village Kakinada.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The schedule property as per Registered Document No. 156/78 registered before the Sub-Registrar, Kankipadu during the fort-night ended on 14-3-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-10-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 13th October 1978

Ref. No. Acq. F. 809.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 9-7-41 situated at Vizianagaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizianagaram on 4-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1. Smt. Kommuru Audilaxmi,
W/o late Rangaro
2. Sri K. Ravindra Kumar,
Minor by Guardian mother,
Smt. K. Audilaxmi,
Balji St. Kothapeta, Vizianagaram.

(Transferor)

- (2) Smt. Behara Annapurnamma,
W/o Chinnam Patnacik,
9-7-41, East Balji St., Vizianagaram.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per Registered Document No. 770/78 registered before the Sub Registrar Vizianagaram during the fortnight ended on 15-3-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-9-1978

Seal :